डॉ. राजीव को मिला प्रो. रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवॉर्ड

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को प्रतिष्ठित प्रो. एसआर रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन ऑफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरी एसोसिएशन (एफएचएसएलए) भारत द्वारा प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. राजीव की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी और उनकी सराहना की।

डॉ. राजीव वशिष्ठ को यह पुरस्कार ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित एफएचएसएलए के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षामंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक डॉ. मीनू सिंह ने की और इस मौके पर एफएचएसएलए के अध्यक्ष डॉ. पीआर मीणा भी उपस्थित रहे। यहां बता दें कि एफएचएसएलए के द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में समूचे भारत से 150 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। डॉ. वशिष्ठ को मिली इस उपलब्धि के लिए विवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने उन्हें बधाई दी। संवाद

उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को अवॉर्ड से सम्मानित करते आयोजक। संवाद

हकेंवि

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला के दूसरे दिन मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

पंजाब, चंडीगढ़ व जम्मू विवि के विशेषज्ञों ने दिया व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन चार सत्रों में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ के रूप में एसटीसी के मुख्य प्रबंधक राजभाषा डॉ. जगदीश प्रसाद पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. अशोक कुमार, जम्मू विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. जसपाल सिंह उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत करते हुए संचालक प्रो. नंद किशोर ने प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराने के साथ-साथ हस्त अनुभव के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. नंद किशोर ने भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन हेतु व्यावहारिक

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. नंद किशोर। संवाद

प्रशिक्षण की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डॉ. जगदीश प्रसाद ने अपने शब्दों में लेखन संक्षिप्तिकरण सहज अभिव्यक्तिकरण के लिए हस्त अनुभव आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया। संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि कार्यशाला के दूसरा दिन विशेषज्ञों ने विभिन्न व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

डॉ. राजीव को मिला प्रो. रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवॉर्ड

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को प्रतिष्ठित प्रो. एसआर रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन ऑफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरी एसोसिएशन (एफएचएसएलए) भारत द्वारा प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. राजीव की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी और उनकी सराहना की।

डॉ. राजीव वशिष्ठ को यह पुरस्कार ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित एफएचएसएलए के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके

उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को अवॉर्ड से सम्मानित करते आयोजक। संवाद

उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षामंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक डॉ. मीनू सिंह ने की और इस मौके पर एफएचएसएलए के अध्यक्ष डॉ. पीआर मीणा भी उपस्थित रहे। यहां बता दें कि एफएचएसएलए के द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में समूचे भारत से 150 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। डॉ. वशिष्ठ को मिली इस उपलब्धि के लिए विवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने उन्हें बधाई दी। संवाद

डॉ. राजीव वशिष्ठ प्रोफेसर एस.आर.रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवॉर्ड से हुए सम्मानित

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को प्रतिष्ठित प्रोफेसर एस.आर. रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन ऑफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरी एसोसिएशन (एफएचएसएलए), भारत द्वारा प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. राजीव की इस उपलब्धि के लिए उनको बधाई दी। डॉ. राजीव वशिष्ठ को यह पुरस्कार ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित एफएचएसएलए के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक डॉ. मीनू सिंह ने की। इस मौके पर एफएचएसएलए के अध्यक्ष डॉ. पी.आर. मीणा भी उपस्थित रहे। यहां बता दें कि एफएचएसएलए के द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में समूचे भारत से 150 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। डॉ. वशिष्ठ को मिली इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने उन्हें बधाई दी।

हकेंवि में भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला में मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

▪ तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को होगा समापन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन चार सत्रों में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस कार्यशाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ के रूप में एसटीसी के मुख्य प्रबंधक, राजभाषा डॉ. जगदीश प्रसाद; पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. अशोक कुमार; जम्मू विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. जसपाल सिंह उपस्थित रहे।

दूसरे दिन कार्यशाला की शुरूआत संचालक प्रो. नंद किशोर के द्वारा कराई गई। उन्होंने प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराने के साथ-साथ हस्त अनुभव के महत्त्व पर प्रकाश डाला। प्रो. नंद किशोर ने अपने संबोधन में भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात के कार्यशाला के दूसरे दिन के पहले सत्र में डॉ. जगदीश प्रसाद ने अपने शब्दों में लेखन संक्षिप्तिकरण सहज अभिव्यक्तिकरण के लिए हस्त अनुभव आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कठिन शब्द, शब्द वर्तनी की शुद्धता और अर्थों के महत्त्व से अवगत कराया। इसी क्रम में प्रो. जसपाल सिंह ने प्रतिभागियों को शोधपत्र की समालोचना, विश्लेषण एवं उसके प्रतिवेदन के लिए भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन का प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन के विशेषज्ञ प्रो. अशोक कुमार ने स्वयं के जीवन अनुभवों के माध्यम से व्यावसायिक प्रतिवेदन लेखन पर केंद्रित व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया। उन्होंने अपने प्रस्तुतिकरण में प्रतिभागियों को कार्यशाला और सेमिनार आदि के महत्त्व और उनमें लेख व शोधपत्रों के प्रस्तुतिकरण की उपयोगिता भी बताई। प्रो. अशोक कुमार ने प्रतिवेदन लेखन के साथ-साथ पत्रकारिता लेखन के विषय में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रश्नों के समाधान भी विशेषज्ञों ने उपलब्ध कराए। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का दूसरा दिन अति महत्वपूर्ण रहा और इसमें विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अवश्य ही उन्हें इसका लाभ कार्यक्षेत्र में प्राप्त होगा।

डा. वशिष्ठ को मिला प्रो. एसआर रंगनाथन मेमोरियल स्कालर अवार्ड

हकेवि के उप पुस्तकालय अध्यक्ष डा. राजीव अवार्ड ग्रहण करते हुए ● सौ. संस्था

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ को प्रतिष्ठित प्रो. एसआर रंगनाथन मेमोरियल स्कालर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन आफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरी एसोसिएशन भारत द्वारा प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डा. राजीव की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनकी सराहना की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष को यह सम्मान फेडरेशन आफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरी एसो ने दिया

डा. राजीव वशिष्ठ को यह पुरस्कार ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित एफएचएसएलए के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने प्रदान किया। एफएचएसएलए द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में देश से 150 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। डा. वशिष्ठ को मिली इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह उपलब्धि अन्य सहकर्मियों को भी प्रोत्साहित करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक डा. मीनू सिंह ने की और इस मौके पर एफएचएसएलए के अध्यक्ष डा. पीआर मीणा भी उपस्थित रहे।

अकादमिक लेखन के लिए दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन चार सत्रों में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला की शुरुआत संचालक प्रो. नंद किशोर द्वारा की गई। उन्होंने प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराने के साथ-साथ हस्त अनुभव के महत्त्व पर प्रकाश डाला। प्रो. नंद किशोर ने भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डा. जगदीश प्रसाद ने अपने शब्दों में लेखन संक्षिप्ति करण सहज अभिव्यक्तिकरण के लिए हस्त अनुभव आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रो.जसपाल सिंह ने प्रतिभागियों को शोधपत्र की समालोचना, विश्लेषण एवं उसके प्रतिवेदन के लिए भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन का प्रशिक्षण प्रदान किया। विशेषज्ञ प्रो. अशोक कुमार ने स्वयं के जीवन अनुभवों के माध्यम से व्यावसायिक

राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. नंद किशोर ● सौ. संस्था

प्रतिवेदन लेखन पर केंद्रित व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया। उन्होंने अपने प्रस्तुतिकरण में प्रतिभागियों को कार्यशाला और सेमिनार आदि के महत्व और उनमें लेख व शोधपत्रों के प्रस्तुतिकरण की उपयोगिता भी बताई। प्रो. अशोक कुमार ने प्रतिवेदन लेखन के साथ-साथ पत्रकारिता लेखन के विषय में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रश्नों के समाधान भी विशेषज्ञों ने उपलब्ध कराए। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रतिभागी होंगे लाभान्वित।

पंजाब केसरी
THU,01 DECEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

डॉ. राजीव वशिष्ठ प्रो. एस.आर. रंगनाथन मैमोरियल स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित

डॉ. राजीव वशिष्ठ प्रो. एस.आर. रंगनाथन मैमोरियल स्कॉलर अवार्ड ग्रहण करते हुए।

महेंद्रगढ़, 30 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को प्रतिष्ठित प्रो. एस.आर. रंगनाथन मैमोरियल स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन ऑफ हैल्थ साइंस लाइब्रेरी एसोसिएशन (एफ. एच. एस. एल. ए.), भारत द्वारा प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. राजीव की इस उपलब्धि के लिए उनको बधाई दी।

डॉ. राजीव वशिष्ठ को यह पुरस्कार ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित तीसरे वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक डॉ. मीनू सिंह ने की और इस मौके पर एफ.एच.एस.एल.ए. के अध्यक्ष डॉ. पी.आर. मीणा भी उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में समूचे भारत से 150 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए।

डॉ. वशिष्ठ को मिली इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह उपलब्धि अन्य सहकर्मियों को भी प्रोत्साहित करेगी।

हकेंवि की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा सुश्री अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने पर

अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि ग्रेजुएशन करते ही विद्यार्थियों को देश की प्रसिद्ध कंपनियों के साथ साथ मल्टीनेशनल कंपनियों में भी रोजगार प्राप्त हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने चयनित छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम के द्वारा दिए गए व्यवहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह विभाग द्वारा की गई कड़ी मेहनत व अच्छी शिक्षा का ही नतीजा है कि विद्यार्थियों का स्नातक करते ही रोजगार के लिए चयन हो रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले तीन वर्षों की योजना बना ली जाती है। विभाग द्वारा कार्यशाला, ऑन जॉब ट्रेनिंग व विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ रोजगारपरक अनेक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर कराया जाता है। उन्होंने कहा कि यह विभाग के द्वारा दी जाने वाली उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा का ही परिणाम है कि प्रतिष्ठित कम्पनियों में विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

हकेंवि में भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला संपन्न

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में बारह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आर.पी. पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजन के लिए आयोजको की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आशा है कि तीन दिवसीय इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे। आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने तीन दिवसीय इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की।

मुख्य वक्ता को सम्मानित करते हुए। आज समाज

हकेंवि : छात्रा अमरीशा प्रिया को मिला फ्रांस की कंपनी में प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम के द्वारा दिए गए व्यवहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है। संवाद

'समीक्षा लेखन वास्तविकता पर होना चाहिए आधारित'

भारतीय भाषाओं में शोध और अकादमिक लेखन कार्यशाला का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। कार्यशाला में प्रो. आरपी पाठक ने समीक्षा लेखन पर चर्चा करते हुए कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए।

तीन दिवसीय इस आयोजन में 12 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आरपी पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान और व्यवहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे। आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि अवश्य ही कार्यक्रम में अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, उद्देश्य, महत्व, शैली, विषय, प्राक्कथन आदि से विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला के दूसरे व तृतीय सत्र में प्रो. आरपी पाठक ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए सुझावों को भाषा के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से शब्दों के प्रयोग का महत्व बताया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने अपने तीन दिनों के अनुभवों को साझा किया। कार्यशाला के आयोजन में सह समंवयक प्रो. गौरव, सदस्य डॉ. आरती यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ. रूबल कलिता व डॉ. शरण प्रसाद सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यशाला के समापन सत्र में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. सारिका शर्मा। संवाद

हकेंवि की छात्रा अमरीशा को मिला प्लेसमेंट

बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की डिग्री पूर्ण करते ही मिला प्लेसमेंट

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने पर अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है। यह अच्छी बात है कि ग्रेजुएशन करते ही विद्यार्थियों को देश की प्रसिद्ध कंपनियों के साथ साथ मल्टीनेशनल कंपनियों में भी रोजगार प्राप्त हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने चयनित छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम के द्वारा दिए गए व्यवहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह विभाग द्वारा की गई कड़ी मेहनत व अच्छी शिक्षा का ही नतीजा है कि विद्यार्थियों का स्नातक करते ही रोजगार के लिए चयन हो रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले तीन वर्षों की योजना बना ली जाती है।

हकेंवि में भारतीय भाषाओं में अकादमिक लेखन एवं शोध कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में बारह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आर.पी. पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने तीन दिवसीय इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, उद्देश्य, महत्त्व, शैली, विषय, प्राक्कथन आदि से विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला के दूसरे व तृतीय सत्र में प्रो. आर.पी. पाठक ने समीक्षा लेखन पर चर्चा करते हुए कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए सुझावों को भाषा के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। कार्यशाला के आयोजन में सह समन्वयक प्रो. गौरव, सदस्य डॉ. आरती यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ. रूबल कलिता व डॉ. शरण प्रसाद सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

उच्चस्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के लिए हकेंवि प्रयासरत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलान रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने पर अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है, ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है। ग्रेजुएशन करते ही विद्यार्थियों को देश की

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाएं से दूसरे) के साथ छात्रा अमरीशा ● सौ. संस्था

प्रसिद्ध कंपनियों के साथ-साथ मल्टीनेशनल कंपनियों में भी रोजगार प्राप्त हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम के द्वारा दिए गए व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है। यह विभाग द्वारा की गई कड़ी मेहनत व अच्छी शिक्षा का ही नतीजा है कि विद्यार्थियों का स्नातक करते ही रोजगार के लिए चयन हो रहा है। रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डा. सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले तीन वर्षों की योजना बना ली जाती है। विभाग द्वारा कार्यशाला, आन जाब ट्रेनिंग व विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ रोजगारपरक अनेक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर कराया जाता है। कंपनियों में विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

वास्तविकता पर आधारित हो समीक्षा लेखन : प्रो. आरपी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में 12 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आरपी पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तीन दिवसीय इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे। आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, विषय, प्राक्कथन आदि से विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. आरपी पाठक ने कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने पर अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

बी .वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट की डिग्री पूर्ण करते ही छात्रा को मिला प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़(परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट की छात्रा अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमैंट पाने पर अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफैशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्लेसमैंट पाने वाली छात्रा कुलपति और शिक्षकों के साथ।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने चयनित छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम द्वारा दिए गए व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफैशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले 3 वर्षों की योजना बना ली जाती है।

विभाग द्वारा कार्यशाला, ऑन जॉब ट्रेनिंग व विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ रोजगारपरक अनेक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर करवाया जाता है।

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला सम्पन्न

विशेषज्ञों द्वारा दिए व्यावहारिक प्रशिक्षण व व्याख्यान का लाभ उठाएं प्रतिभागी: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 1 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। 3 दिवसीय इस आयोजन में 12 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु व दूसरे व तीसरे सत्र में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आर.पी. पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजकों की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आशा है कि 3 दिवसीय इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे।

आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने 3 दिवसीय इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय करवाते हुए किया।

समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए : प्रो. पाठक

आयोजन के प्रथम सत्र में प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, उद्देश्य, महत्व, शैली, विषय, प्राक्कथन आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे व तृतीय सत्र में प्रो. आर.पी. पाठक ने समीक्षा लेखन पर चर्चा करते हुए कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए सुझावों को भाषा के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से शब्दों के प्रयोग का महत्व बताया।

कार्यशाला के समापन सत्र में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. सारिका शर्मा।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने अपने 3 दिनों के अनुभवों को सांझा किया।

कार्यशाला के आयोजन में सह समन्वयक प्रो. गौरव, सदस्य डॉ. आरती यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ. रूबल कलिता व डॉ. शरण प्रसाद सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट की डिग्री पूर्ण करते ही छात्रा को मिला प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट की छात्रा अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमैंट पाने पर अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफैशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्लेसमैंट पाने वाली छात्रा कुलपति और शिक्षकों के साथ।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने चयनित छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम द्वारा दिए गए व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफैशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले 3 वर्षों की योजना बना ली जाती है।

विभाग द्वारा कार्यशाला, ऑन जॉब ट्रेनिंग व विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ रोजगारपरक अनेक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर करवाया जाता है।

हकेंवि : एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली पर की पैनल चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

परिचर्चा में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा तथा महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेल खंड विश्वविद्यालय, बरेली के डॉ. प्रवीण तिवारी पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। परिचर्चा के मुख्य संरक्षक व विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों साल पुरानी है और इस ज्ञान को देश के वेद पुराणों में प्रस्तुत किया गया है। ये सभी धार्मिक पुस्तकें नहीं है ये ज्ञान की

दीप प्रज्वलन के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

किताबें है जो आज के समय में भी वैज्ञानिक रूप से अपनी बातों को स्थापित करती है। अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने अतिथियों का सम्मान किया। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि देश की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था देश में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में भी प्रसिद्ध थी। कार्यक्रम में प्रो. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा अद्वितीय ज्ञान का भंडार है। प्राचीन भारतीय सनातन ज्ञान परंपरा अति समृद्ध थी और इसका उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना था। भारतीय ज्ञान परम्परा को समझने के लिए हमें मूल ग्रंथों का अध्ययन करना होगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पैनल चर्चा आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के दिव्यांग जन प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इसमें चौ. चरण सिंह विवि, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा तथा महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के डॉ. प्रवीण तिवारी पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। परिचर्चा के मुख्य संरक्षक व कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हजारों साल पुरानी है और इस ज्ञान को भारत के वेद पुराणों में प्रस्तुत किया गया है। ये सभी धार्मिक पुस्तकें नहीं है ये ज्ञान की किताबें है जो आज के समय में भी वैज्ञानिक रूप से अपनी बातों को स्थापित करती है। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आजादी का अमृत महोत्सव, दिव्यांग जन प्रकोष्ठ और शिक्षा पीठ की सराहना की और कहा कि यहां अर्जित ज्ञान से विद्यार्थी, शिक्षक व शोधार्थी सभी लाभान्वित होंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था देश में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में भी प्रसिद्ध थी। चरित्र निर्माण, आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य पर आधारित इस शिक्षा प्रणाली की ख्याति चारों ओर फैली हुई थी। इसी क्रम में डॉ. प्रवीण तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल संस्कृत का अध्ययन नहीं है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, गणित, खगोल आदि सभी का मूल संस्कृत में है। इससे विद्यार्थियों के मानसिक व शारीरिक विकास को सबल करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन प्रो. गौरव सिंह ने किया।

भारतीय ज्ञान प्रणाली पर चर्चा आयोजित

- शुक्रवार को एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तृत चर्चा हुई
- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा तथा महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के डा. प्रवीण तिवारी पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

परिचर्चा के मुख्य संरक्षक व विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों साल पुरानी है और इस ज्ञान को भारत के वेद पुराणों में प्रस्तुत किया गया है। ये सभी धार्मिक पुस्तकें नहीं है ये ज्ञान की किताब है जो आज के समय में भी वैज्ञानिक रूप से अपनी बातों को स्थापित करती है। अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। कुलपति ने कहा कि आयुर्वेद हो या एस्ट्रोनामी अभी में वर्णित ज्ञान आज के समय में भी प्रासंगिक रूप से अपने महत्व को बनाए हुए है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा को समाहित करना आज के समय की आवश्यकता है। शोध व नवाचार की दृष्टि से भी आवश्यक है कि हम हमारे पुरातन ज्ञान को जाने समझे और उसे अपनाते हुए आगे बढ़े। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था देश में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में भी प्रसिद्ध थी। चरित्र निर्माण, आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य पर आधारित इस शिक्षा प्रणाली की ख्याति चारों ओर फैली हुई थी।

प्रो. शर्मा ने कहा कि जीवन में सत्य अलावा सब मिथ्या और भ्रम हैं। डा. प्रवीण तिवारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल संस्कृत का अध्ययन नहीं है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, गणित, खगोल आदि सभी का मूल संस्कृत में है। संस्कृत और विज्ञान में जो बंटवारा किया गया है, उससे भारतीय परंपरा का नुकसान हुआ है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. गौरव सिंह ने किया।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

3 Dec 2022

हकेंवि में पैनल चर्चा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा तथा महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के डॉ. प्रवीण तिवारी पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

परिचर्चा के मुख्य संरक्षक व विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हजारों साल पुरानी है और इस ज्ञान को भारत के वेद पुराणों में प्रस्तुत किया गया है। ये सभी धार्मिक पुस्तकें नहीं है ये ज्ञान की किताबे है जो आज के समय में भी वैज्ञानिक रूप से अपनी बातों को स्थापित करती है। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत विवि कुलगीत के साथ हुई। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों के साथ अपने विचार सांझा किये।

महेंद्रगढ़। दीप प्रज्जवलन के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

पंजाब केसरी
SAT,03 DECEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पैनल चर्चा आयोजित

वेद पुराण धार्मिक पुस्तकें नहीं, ज्ञान की किताबें हैं: प्रो. टंकेश्वर

दीप प्रज्वलन के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ वक्ता व अन्य शिक्षकगण।

महेंद्रगढ़, 2 दिसम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार 2 दिसम्बर को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में एकीकृत भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

परिचर्चा में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा तथा महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के डॉ. प्रवीण तिवारी पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

परिचर्चा के मुख्य संरक्षक व विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हजारों साल पुरानी है और इस ज्ञान को भारत के वेद पुराणों में प्रस्तुत किया गया है। ये सभी धार्मिक पुस्तकें नहीं है ये ज्ञान की किताबें हैं जो आज के समय में भी वैज्ञानिक रूप से अपनी बातों को स्थापित करती हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों को प्रतिभागियों के साथ सांझा किया।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि आयुर्वेद हो या एस्ट्रोनॉमी अभी में वर्णित ज्ञान आज के समय में भी प्रासंगिक रूप से अपने महत्व को बनाए हुए हैं। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा को समाहित करना आज के समय की आवश्यकता है। शोध व नवाचार की दृष्टि से भी आवश्यक है कि हम हमारे पुरातन ज्ञान को जाने समझे और उसे अपनाते हुए आगे बढ़े।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आजादी का अमृत महोत्सव, दिव्यांगजन प्रकोष्ठ और शिक्षा पीठ की सराहना की और कहा कि यहां अर्जित ज्ञान से विद्यार्थी, शिक्षक व शोधार्थी सभी लाभान्वित होंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा अद्वितीय ज्ञान का भंडार: प्रो. पवन शर्मा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था देश में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में भी प्रसिद्ध थी। चरित्र निर्माण, आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य पर आधारित इस शिक्षा प्रणाली की ख्याति चारों ओर फैली हुई थी। प्राचीन भारतीय शिक्षा अपने उद्देश्यों एवं व्यावहारिकता के कारण संसार में अनूठी थी। उन्होंने कहा कि आज विशेषज्ञों द्वारा की गई चर्चा से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम में प्रो. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा अद्वितीय ज्ञान का भंडार है। प्राचीन भारतीय सनातन ज्ञान परंपरा अति समृद्ध थी और इसका उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना था।

इसी क्रम में डॉ. प्रवीण तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल संस्कृत का अध्ययन नहीं है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, गणित, खगोल आदि सभी का मूल संस्कृत में है।

संस्कृत और विज्ञान में जो बंटवारा किया गया उससे भारतीय परम्परा का ह्रास हुआ है। डॉ. तिवारी ने कहा कि पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान प्रणाली का समायोजन विद्यार्थियों के लिए अवश्य ही उपयोगी साबित होगा। इससे विद्यार्थियों के मानसिक व शारीरिक विकास को सबल करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन प्रो. गौरव सिंह ने किया।

व्याख्यान

विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान

शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं नैतिक मानदंड

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाएं जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

हकेंवि में शोधार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विभिन्न विभागों के 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

हकेवि में विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़ | हकेवि के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर चर्चा की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाएं जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। अंत में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

अनुसंधान कार्य में सहयोग और समन्वय जरूरी

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन
- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शोधार्थियों को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़.: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान और अनुसंधान के परिपेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की।

इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्त्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

शोधार्थियों को संबोधित करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डा. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विभिन्न विभागों के 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

हकेंवि में विज्ञान व अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर व्याख्यान

कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों का दिया जवाब

- व्याख्यान में विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में

महेंद्रगढ़। शोधार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

उपस्थित रहे। कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाएं जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। विवि के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

हकेंवि में विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 5 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मैट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-4 में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्त्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

शोधार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुक्सानदेह साबित हो सकती है।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विभिन्न विभागों के 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के उपलक्ष्य में गीता पारायण कार्यक्रम का आयोजन

आत्मिक- मानसिक शांति के लिए गीता प्रचार का चलन बढ़ा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भारती हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के उपलक्ष्य में गीता पारायण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ सुमन रानी, योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अजय पाल एवं योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ नवीन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा श्लोक उच्चारण, श्लोक अर्थ वाचन, प्रश्नोत्तर संवाद, गीता के बारहवें अध्याय का एवं गीता महात्म्य का पारायण किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ अजय पाल ने गीता में निहित मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर सभी

विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आज आत्मिक शांति एवं मानसिक शांति के लिए भारत एवं अन्य देशों में भी गीता के पठन-पाठन का प्रचलन बढ़ा है। आज हमें गीता पर अमल करने की जरूरत है । कार्यक्रम संयोजिका एवं संस्कृत भारती महेंद्रगढ़ की जिला संयोजिका डॉ सुमन ने कहा कि विद्यार्थी अर्जुन की तरह घबराएं नहीं, अपने मोह का त्याग करके अपने लक्ष्य पर अडिग रहें। जल्द ही नई से नई ऊंचाइयां छूने को मिलेंगी, जो व्यक्ति अपने कर्म में निष्ठा एवं विश्वास के साथ आगे बढ़ता है वह निश्चय ही लक्ष्य को प्राप्त करता है। अंत में डॉ सुमन रानी द्वारा मुख्यवक्ता एवं सभी विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि संस्कृतभारती संस्था संस्कृत के प्रचार-प्रसार एवं सम्भाषण के कार्य को भारत के साथ विभिन्न देशों में भी कर रही है। संस्कृतभारती हरियाणा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय गीता जयन्ती के उपलक्ष्य में गीता पारायण कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी सन्दर्भ में आज का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मंच संचालन अनिल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग शोधार्थी गुरजीत सिंह, शीलेन्द्र शर्मा, विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं योग विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार को समसामयिक विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. नंदकिशोर निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में उपस्थित रहे। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दी तथा इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया। प्रो. आनंद शर्मा ने प्रतियोगिता को बहु-विषयक शिक्षा को प्रोत्साहित एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बताया और इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना की। प्रो. नंदकिशोर ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चिंतन से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. रविंदर कौर एवं डॉ. सुमन ने प्रतियोगिता के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की विजेता टीमें विशिष्ट अतिथि व शिक्षकों के साथ।

डॉ. रविन्दर कौर ने कार्यक्रम टीम भावना को प्रोत्साहित करने वाला बताया। डॉ. भूषण सिंह ने प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. नंदकिशोर का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 17 टीमों ने प्रतिभागिता की।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट की टीम ने प्रथम, भूगोल एवं अर्थशास्त्र विभाग की टीम ने द्वितीय तथा गणित विभाग की टीम में तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी संगीता, मोहित एवं शिवानी के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी ज्योति यादव, कविता, निशा, प्रेरणा, अन्नु, काजल, मनीषा, भावना, सम्मिउल्ला एवं विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मुकाबला

हरियाणा केंद्रीय विवि में हुआ प्रतियोगिता का आयोजन, 17 टीमों ने लिया भाग

प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट की टीम प्रथम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार को समसामयिक विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में और प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. नंद किशोर निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में उपस्थित रहे। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट की टीम ने प्रथम, भूगोल एवं अर्थशास्त्र विभाग की टीम ने द्वितीय और गणित विभाग की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की विजेता टीमें विशिष्ट अतिथि व शिक्षकों के साथ। संवाद

प्रो. आनंद शर्मा ने प्रतियोगिता को बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहित एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बताया और इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना की। प्रो. नंदकिशोर ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चिंतन से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. रविंद्र कौर एवं डॉ. सुमन ने प्रतियोगिता के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। डॉ. रविंद्र कौर ने कार्यक्रम टीम भावना को प्रोत्साहित करने वाला बताया। डॉ. भूषण सिंह ने प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. नंदकिशोर का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 17 टीमों ने प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए और विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी संगीता, मोहित एवं शिवानी के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दीं और इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी ज्योति यादव, कविता, निशा, प्रेरणा, अन्नु, काजल, मनीषा, भावना, सम्मिउल्ला एवं विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हकेंवि में प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में 17 टीमों ने दिखाया ज्ञान

महेंद्रगढ़| हकेंवि महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार को समसामयिक विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. नंदकिशोर निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में उपस्थित रहे। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दी । प्रो. आनंद शर्मा ने प्रतियोगिता को बहु-विषयक शिक्षा को प्रोत्साहित एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बताया । प्रो. नंदकिशोर ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चिंतन से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. रविंदर कौर एवं डॉ. सुमन ने प्रतियोगिता के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। डॉ. रविन्दर कौर ने कार्यक्रम टीम भावना को प्रोत्साहित करने वाला बताया। डॉ. भूषण सिंह ने प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. नंदकिशोर का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 17 टीमों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट की टीम ने प्रथम, भूगोल एवं अर्थशास्त्र विभाग की टीम ने द्वितीय तथा गणित विभाग की टीम में तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी संगीता, मोहित एवं शिवानी के द्वारा किया गया अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद दिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई

महेंद्रगढ़, 7 दिसम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार को समसामयिक विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्टातिथि के रूप में तथा प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. नंदकिशोर निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में उपस्थित रहे। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के विशिष्टातिथि प्रो. सुनील कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दी तथा इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया। प्रो. आनंद शर्मा ने प्रतियोगिता को बहु-विषयक शिक्षा को प्रोत्साहित एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बताया और इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना की। प्रो. नंदकिशोर ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चिंतन से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. रविंदर कौर एवं डॉ. सुमन ने प्रतियोगिता के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला।

डा. रविन्दर कौर ने कार्यक्रम टीम भावना को प्रोत्साहित करने वाला बताया। डा. भूषण सिंह ने प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. नंदकिशोर का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 17 टीमों ने प्रतिभागिता की। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमैंट की टीम ने प्रथम, भूगोल एवं अर्थशास्त्र विभाग की टीम ने द्वितीय तथा गणित विभाग की टीम में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी संगीता, मोहित एवं शिवानी के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी ज्योति यादव, कविता, निशा, प्रेरणा, अन्नु, काजल, मनीषा, भावना, सम्मिउल्ला एवं विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यशाला में बताया, फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) महेंद्रगढ़ में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला लगाई गई। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय की भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं जबकि विशेषज्ञ के रूप में सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला की मुख्यातिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। बता दें कि हरिओम कौशिक ने फिल्म सांड की आंख में एक्टिंग ट्रेनर के रूप में जबकि आरआरआर, गुलाबों सिताबों, उद्यम सिंह में कास्टिंग सहायक के रूप फिल्म में भूमिका निभाई। कार्यशाला में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा व सिने फाउंडेशन द्वारा 4 व 5 फरवरी 2023 को होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव का पोस्टर भी जारी किया गया।

हरिओम कौशिक को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

ओटीटी प्लेटफॉर्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में नए दरवाजे खुले : कौशिक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। जबकि विशेषज्ञ के रूप में सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक

ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी।

मुख्य अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फिल्मों का प्रभाव व्यक्ति पर लम्बे समय तक रहता है इसलिए विद्यार्थियों को अपने सृजनात्मक ज्ञान से ऐसी फिल्मों का निर्माण करना चाहिए जो आमजन व समाज के लिए उपयोगी हो और समाज की दिशा व दशा बदलने का कार्य करें। प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को बधाई दी। विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आज ओटीटी प्लेटफॉर्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में अनेक नए दरवाजे खुल गए हैं। भारत में सबसे ज्यादा फिल्में बनती व रिलीज होती हैं। इसलिए इस क्षेत्र में हर एक के लिए अपार अवसर उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी रहेगी कार्यशाला

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला की मुख्य अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को बधाई दी। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव

कार्यशाला में विशेषज्ञ हरिओम कौशिक का स्मृति चिह्न भेंट करती हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ● सौ. संस्था

पड़ता है। आज ओटीटी प्लेटफार्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में अनेक नए दरवाजे खुल गए हैं। उन्होंने कहा भारत में सबसे ज्यादा फिल्में बनती व रिलीज होती हैं। इसलिए इस क्षेत्र में हर एक के लिए अपार अवसर उपलब्ध हैं। कार्यशाला में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा व सिने फाउंडेशन हरियाणा द्वारा चार और पांच फरवरी 2023 को आयोजित होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव का पोस्टर भी जारी किया गया। इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डा. नीरज कर्ण ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डा. सुरेंद्र ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आलेख एस नायक, डा. पंकज व डा. भारती बत्रा सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध: प्रो. सुनीता श्रीवास्तव

महेंद्रगढ़, 8 दिसम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय की भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं जबकि विशेषज्ञ के रूप में सैंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला में विशेषज्ञ हरिओम कौशिक का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

कार्यशाला की मुख्यातिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। फिल्मों का प्रभाव व्यक्ति पर लम्बे समय तक रहता है इसलिए विद्यार्थियों को अपने सृजनात्मक ज्ञान से ऐसी फिल्मों का निर्माण करना चाहिए जो आमजन व समाज के लिए उपयोगी हो और समाज की दिशा व दशा बदलने का कार्य करें।

प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को बधाई दी।

फिल्में समाज का आइना: हरिओम कौशिक

कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आज ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में अनेक नए दरवाजे खुल गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा फिल्में बनती व रिलीज होती हैं इसलिए इस क्षेत्र में हर एक के लिए अपार अवसर उपलब्ध हैं। बता दें कि हरिओम कौशिक ने मशहूर फिल्म सांड की आंख में एक्टिंग ट्रेनर के रूप में जबकि आर.आर.आर., गुलाबो सिताबो, उद्यम सिंह में कास्टिंग सहायक के रूप फिल्म में भूमिका निभाई। इसके अलावा वे वैब स्कैम व तोता जैसी फिल्मों में अभिनेता की भूमिका भी निभा चुके हैं।

कार्यशाला में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा व सिने फाऊंडेशन हरियाणा द्वारा 4 व 5 फरवरी को आयोजित होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव का पोस्टर भी जारी किया गया।

इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज कर्ण ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आलेख एस नायक, डॉ. पंकज व डॉ. भारती बत्रा सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पहल स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से हुआ शुरू, गौतम बुद्ध विवि के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया उद्घाटन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुरू हुआ रोजगार सृजन केंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया। स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वाधान से स्थापित स्वरोजागर सृजन केंद्र का उद्घाटन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया।

स्वदेशी जागरण मंच की देखरेख में देश में चलाए जा रहे स्वावलंबी भारत अभियान के तहत हरियाणा के सभी जिलों में रोजगार सृजन केंद्र खोले जाएंगे, जो युवाओं को रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये केंद्र विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में स्थापित किए जाएंगे। अभियान के तहत युवाओं की मानसिकता में भी परिवर्तन लाया जाएगा ताकि वे रोजगार मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करते प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा। संवाद

केंद्र के उद्घाटन पर उपस्थित प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में देश में 37 करोड़ युवा हैं। भारत की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। सभी को रोजगार उपलब्ध करवाना एक चुनौती का विषय है। हर माह नौ लाख युवा रोजगार के लिए बाजार में आ रहे हैं। इनके रोजगार की पूर्ति अकेले सरकार या कंपनियां नहीं कर सकती हैं, इसके लिए स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसे ध्यान में रखकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए उद्यमिता, स्वदेशी व सहकार उपाय सुझाएं हैं। इस पर शोध पत्र भी जारी किया गया है तथा एक पोर्टल भी शुरू किया गया है, जिसमें स्वरोजगार के सभी आयामों को जोड़ा गया है।

आने वाले समय में कुछ ऐसे मॉडल बनाने चाहिए जोकि बेरोजगारी को समाप्त करने में मददगार हों। उन्होंने छात्र-छात्राओं से भी इस तरह के स्टार्टअप तैयार करने का आह्वान किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार देश में 15 से 29 वर्ष की उम्र के 37 करोड़ युवा हैं। इनमें से केवल सात प्रतिशत युवाओं के लिए ही सरकारी नौकरियां उपलब्ध हैं। विडंबना है कि अधिकतर युवाओं में केवल नौकरी करने की मानसिकता है। इस मानसिकता को बदलने के लिए स्वरोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया है। डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित यह रोजगार सृजन केंद्र युवाओं को स्व-रोजगार के लिए प्रेरित करेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रोजगार सृजन केंद्र शुरू

स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से हुई शुरुआत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में रविवार को रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया। स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वाधान से स्थापित स्वरोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। स्वदेशी जागरण मंच की देखरेख में देश में चलाए जा रहे स्वावलंबी भारत अभियान के तहत हरियाणा के सभी जिलों में रोजगार सृजन केंद्र खोले जाएंगे, जो युवाओं को रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये केंद्र विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में स्थापित किए जाएंगे। अभियान के तहत युवाओं की मानसिकता में भी परिवर्तन लाया जाएगा ताकि वे रोजगार मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में देश में 37 करोड़ युवा हैं। भारत की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। सभी को रोजगार उपलब्ध करवाना एक चुनौती का विषय है। हर माह 9 लाख युवा रोजगार के लिए बाजार में आ रहे हैं। इनके रोजगार की पूर्ति अकेले सरकार या कंपनियां नहीं कर सकती हैं, इसके लिए स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसे ध्यान में रखकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए उद्यमिता, स्वदेशी व सहकार उपाय सुझाएं हैं। इस पर शोध पत्र भी जारी किया गया है तथा एक पोर्टल भी शुरू किया गया है, जिसमें स्वरोजगार के सभी आयामों को जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कुछ ऐसे मॉडल बनाने चाहिए जोकि बेरोजगारी को समाप्त करने में मददगार हों। उन्होंने छात्र-छात्राओं से

भी इस तरह के स्टार्टअप तैयार करने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार देश में 15 से 29 वर्ष की उम्र के 37 करोड़ युवा हैं। इनमें से केवल सात प्रतिशत युवाओं के लिए ही सरकारी नौकरियां उपलब्ध हैं। विडंबना है कि अधिकतर युवाओं में केवल नौकरी करने की मानसिकता है। इस मानसिकता को बदलने के लिए स्वरोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया है। डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित यह रोजगार सृजन केंद्र युवाओं को स्व- रोजगार के लिए प्रेरित करेगा और स्वरोजगार में आने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेगा।

रोजगार सृजन केंद्र से युवा होंगे लाभान्वित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को रोजार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया। स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वाधान से स्थापित स्वरोजागर सृजन केंद्र का उद्घाटन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया।

कुलपति ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच की देखरेख में देश में चलाए जा रहे स्वावलंबी भारत अभियान के तहत हरियाणा के सभी जिलों में रोजगार सृजन केंद्र खोले जाएंगे, जो युवाओं को रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये केंद्र विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में स्थापित किए जाएंगे। अभियान के तहत युवाओं की मानसिकता में भी परिवर्तन लाया जाएगा ताकि वे रोजगार मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें। रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में देश में 37 करोड़ युवा हैं। भारत की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। सभी को रोजगार उपलब्ध करवाना एक चुनौती का विषय है। हर माह नौ लाख युवा रोजगार के लिए बाजार में आ रहे हैं। इनके रोजगार की पूर्ति अकेले सरकार या कंपनियां नहीं कर सकती हैं, इसके लिए स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। आने वाले समय में कुछ ऐसे माडल बनाने चाहिए जोकि बेरोजगारी को समाप्त करने में मददगार हों। उन्होंने छात्र-छात्राओं से भी इस तरह के स्टार्टअप तैयार करने का आह्वान किया। आंकड़ों के अनुसार देश में 15 से 29 वर्ष की उम्र के 37 करोड़ युवा हैं। इनमें से केवल सात प्रतिशत युवाओं के लिए ही सरकारी नौकरियां उपलब्ध हैं। विडंबना है कि अधिकतर युवाओं में केवल नौकरी करने की मानसिकता है। इस मानसिकता को बदलने के लिए स्वरोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया है।

रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करते प्रो. भगवती प्रसाद (दाएं) व प्रो. टंकेश्वर ● जागरण

7 प्रतिशत युवाओं के लिए ही देश में सरकारी नौकरियां हैं उपलब्ध
सभी को रोजगार दिलाना चुनौतीपूर्ण

स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से हुई शुरुआत

हरियाणा केंद्रीय विवि में शुरू हुआ रोजगार सृजन केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया। स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वाधान से स्थापित स्वरोजागर सृजन केंद्र का उद्घाटन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया।

स्वदेशी जागरण मंच की देखरेख में देश में चलाए जा रहे स्वावलंबी भारत अभियान के तहत हरियाणा के सभी जिलों में रोजगार सृजन केंद्र खोले जाएंगे, जो युवाओं को रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये केंद्र विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में स्थापित किए जाएंगे। अभियान के तहत युवाओं की मानसिकता में भी परिवर्तन लाया जाएगा, ताकि वे रोजगार मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें। विवि प्रशासिनक खंड में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में देश में 37 करोड़ युवा हैं। भारत की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। सभी को रोजगार उपलब्ध करवाना चुनौती का विषय है। हर माह नौ लाख युवा रोजगार के लिए बाजार में आ रहे हैं।

महेंद्रगढ़। रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित अतिथि।

युवाओं से स्टार्टअप तैयार करने का आह्वान

हर माह नौ लाख युवा रोजगार के लिए बाजार में आ रहे हैं। इनके के लिए रोजगार की पूर्ति अकेले सरकार या कंपनियां नहीं कर सकती हैं, इसके लिए स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसे ध्यान में रखकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए उद्यमिता, स्वदेशी व सहकार उपाय सुझाएं हैं। इस पर शोध पत्र भी जारी किया गया है तथा एक पोर्टल भी शुरू किया गया है, जिसमें स्वरोजगार के सभी आयामों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कुछ ऐसे मॉडल बनाने चाहिए जोकि बेरोजगारी को समाप्त करने में मददगार हों। उन्होंने छात्र-छात्राओं से भी इस तरह के स्टार्टअप तैयार करने का आह्वान किया। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार देश में 15 से 29 वर्ष की उम्र के 37 करोड़ युवा हैं विडंबना है कि अधिकतर युवाओं में केवल नौकरी करने की मानसिकता है। इस मानसिकता को बदलने के लिए स्वरोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया है। डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित यह रोजगार सृजन केंद्र युवाओं को स्व-रोजगार के लिए प्रेरित करेगा।

हकेंवि में रोजगार सृजन केंद्र शुरू

■ स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़, 11 दिसम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में रविवार को रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान से स्थापित स्वरोजागर सृजन केंद्र का उद्घाटन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया।

स्वदेशी जागरण मंच की देखरेख में देश में चलाए जा रहे स्वावलंबी भारत अभियान के तहत हरियाणा के सभी जिलों में रोजगार सृजन केंद्र खोले जाएंगे, जो युवाओं को रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये केंद्र विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में स्थापित किए जाएंगे। अभियान के तहत युवाओं की मानसिकता में भी परिवर्तन लाया जाएगा ताकि वे रोजगार मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें।

हकेंवि में रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा व प्रो. टंकेश्वर कुमार अन्य गण्यमान्य अतिथि।

रोजगार सृजन केंद्र युवाओं को स्व-रोजगार के लिए करेगा प्रेरित

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कुछ ऐसे मॉडल बनाने चाहिएं जोकि बेरोजगारी को समाप्त करने में मददगार हों। उन्होंने छात्र-छात्राओं से भी इस तरह के स्टार्टअप तैयार करने का आह्वान किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार देश में 15 से 29 वर्ष की उम्र के 37 करोड़ युवा हैं। इनमें से केवल 7 प्रतिशत युवाओं के लिए ही सरकारी नौकरियां उपलब्ध हैं। विडंबना है कि अधिकतर युवाओं में केवल नौकरी करने की मानसिकता है। इस मानसिकता को बदलने के लिए स्वरोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन किया गया है।

डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित यह रोजगार सृजन केंद्र युवाओं को स्व-रोजगार के लिए प्रेरित करेगा और स्वरोजगार में आने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेगा।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। रोजगार सृजन केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में देश में 37 करोड़ युवा हैं।

भारत की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। सभी को रोजगार उपलब्ध करवाना एक चुनौती का विषय है। हर माह 9 लाख युवा रोजगार के लिए बाजार में आ रहे हैं। इनके रोजगार की पूर्ति अकेले सरकार या कंपनियां नहीं कर सकती हैं, इसके लिए स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

इसे ध्यान में रखकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए उद्यमिता, स्वदेशी व सहकार उपाय सुझाएं हैं। इस पर शोध पत्र भी जारी किया गया है तथा एक पोर्टल भी शुरू किया गया है, जिसमें स्वरोजगार के सभी आयामों को जोड़ा गया है।

सेमिनार

हकेंविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

अनुच्छेद 370 खत्म होने से विकास को मिली गति : प्रो. अग्निहोत्री

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मंगलवार को अनुच्छेद 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केसी अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभागाध्यक्ष रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सह-आचार्य डॉ. शातेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अंडरस्टैंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाख : आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों व शोधार्थियों के माध्यम से सेमिनार के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा।

प्रो. केसी अग्निहोत्री को श्रीफल देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

मुख्य अतिथि प्रो. केसी अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न विषयों को लेकर बनने वाले दृष्टिकोण के निर्धारण में शब्दावली के उपयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में इसके भौगोलिक महत्व के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और भारत के संदर्भ में क्षेत्र विशेष की महत्ता को स्पष्ट किया। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लगे गिलगित, बाल्टिस्तान क्षेत्र के माध्यम से भारत के लिए मध्य एशिया का रास्ता खुलता है और यहां बनी परिस्थितियां भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लॉर्ड माउंटबेटन, शेख अब्दुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमाणों के आधार पर उस समय की परिस्थितियों और उसके चलते जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के लागू होने और उससे मूल निवासियों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए मौजूदा परिस्थितियों में इसके हटने से आए बदलावों का उल्लेख किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस दो दिवसीय आयोजन में होने वाले मंथन को धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बदली परिस्थितियों के मूल्यांकन में मददगार बताया और कहा कि अवश्य ही इस विषय में शोध कर रहे विद्यार्थियों को इस आयोजन से लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने किया। जिसमें प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बीपी सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिनमें विभिन्न विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत

धारा 370 खत्म होने से जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के विकास को मिली गति : प्रो. के.सी. अग्निहोत्री

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में मंगलवार को धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.सी. अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अंडरस्टेंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाख आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है। प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लॉर्ड माऊंट बेटन, शेख अबदुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बी.पी. सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिनमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रो. के.सी. अग्निहोत्री

अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में सम्मिलित होंगे हकेवि के प्रोफेसर हरीश कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेवि के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर हरीश कुमार 14 दिसंबर से 16 दिसंबर तक आईआईटी, इंदौर में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। इस कांफ्रेंस के लिए उनको विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने प्रोफेसर हरीश को इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विशेष वक्ता के रूप में हिस्सा लेने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि विश्वविद्यालय का एक ही लक्ष्य है कि हम समाज की उन्नति में योगदान देने वाले शोध करें। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर हरीश पर्यावरण व मैटीरियल साइंस को लेकर बहुत उम्दा कार्य कर रहे हैं।

प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने शोध में हमेशा पर्यावरण को महत्त्व दिया है। उन्होंने कहा कि वे यूरोपीय तथा विश्व के महान वैज्ञानिकों के साथ इस आयोजन में पर्यावरण तथा मैटीरियल की चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य पर्यावरण को सुरक्षित रखना तथा देश को प्रदूषण से बचाना तथा सतत विकास है। बता दें कि इस कांफ्रेंस का आयोजन एसईआरबी इंडिया और सीएसआईआर, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस में विश्व के 20 देशों से अधिक देशों के वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा राज्य से प्रोफेसर हरीश कुमार को आमंत्रित किया गया है। प्रो. हरीश कुमार ने पर्यावरण व मैटीरियल साइंस पर काफी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनके शोध के 5 पेंटेट अभी तक पब्लिश हो चुके हैं। और इसी उल्लेखनीय कार्य को देखते हुए उन्हें इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में आमंत्रित किया गया है।

अनुच्छेद-370 हटने से विकास को मिली गति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को अनुच्छेद-370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केसी अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सहआचार्य डा. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अंडरस्टैंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाखः आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन में सम्मलित विशेषज्ञों व शोधार्थियों के माध्यम से सेमिनार के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. केसी अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न विषयों को लेकर बनने वाले दृष्टिकोण के निर्धारण में शब्दावली के उपयोग को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में इसके भौगोलिक महत्त्व के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और भारत के संदर्भ मे क्षेत्र विशेष की महत्ता को स्पष्ट किया। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लगे क्षेत्र के माध्यम से भारत के लिए मध्य एशिया का रास्ता खुलता है और यहां बनी परिस्थितियां भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लार्ड माउंट बेटन, शेख अब्बदुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमाणों के आधार पर उस समय की परिस्थितियों और उसके चलते जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 के लागू होने और उससे मूल निवासियों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए मौजूद परिस्थितियों में इसके हटने से आए बदलावों का उल्लेख किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय मे आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के मुख्य अतिथि प्रो. केसी अग्निहोत्री (दाएं) का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस दो दिवसीय आयोजन में होने वाले मंथन को अनुच्छेद-370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बदली परिस्थितियों के मूल्यांकन में मददगार बताया और कहा कि अवश्य ही इस विषय में शोध कर रहे विद्यार्थियों को इस आयोजन से लाभ मिलेगा। सवाल-जवाब सत्र का संचालन सेमिनार के संयोजक डा. राजीव कुमार सिंह ने किया। इसमें प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियो के सवालों के जवाब दिए। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बीपी सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे हकेंवि के प्रो. हरीश कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. हरीश कुमार 14 से 16 दिसंबर तक आइआइटी इंदौर में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस में अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। इस कान्फ्रेंस के लिए उनको विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

प्रो. हरीश कुमार ●

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर ने प्रोफेसर हरीश को इस अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस में विशेष वक्ता के रूप में हिस्सा लेने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा कि विश्वविद्यालय का एक ही लक्ष्य है कि हम समाज की उन्नति में योगदान देने वाले शोध करें। प्रोफेसर हरीश पर्यावरण व मटेरियल साइंस को लेकर बहुत उम्दा कार्य कर रहे हैं। प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने शोध में हमेशा पर्यावरण को महत्त्व दिया है। उन्होंने कहा कि वे यूरोपीय और विश्व के महान विज्ञानियों के साथ इस आयोजन में पर्यावरण तथा मैटीरियल की चर्चा करेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य पर्यावरण को सुरक्षित रखना तथा देश को प्रदूषण से बचाना तथा सतत विकास है।

इस कान्फ्रेंस का आयोजन एसइआरबी इंडिया और सीएसआइआर नई दिल्ली के तत्वाधान में किया जा रहा है। इस कान्फ्रेंस में विश्व के 20 देशों से अधिक देशों के विज्ञानी हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा राज्य से प्रोफेसर हरीश कुमार को आमंत्रित किया गया है। प्रो. हरीश कुमार ने पर्यावरण व मटेरियल साइंस पर काफी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

Two-day National Seminar started at CUH

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A two-day National Seminar focused on various social, political changes in Jammu-Kashmir and Ladakh before and after the Article 370 began at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Tuesday. In the inaugural session of the seminar organized by the Department of Political Science of the University, Trustee of Indira Gandhi National Center for the Arts, New Delhi and former Vice Chancellor of Central University of Himachal Pradesh Prof. K.C. Agnihotri were present as the Chief Guest. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Dr. Ramesh Kumar, HoD, Department of Political Science presented the welcome speech. Dr. Shantesh Kumar, Associate Professor of the Department, presented the outline of the topic and told that the purpose behind setting the topic Understanding Jammu, Kashmir and Ladakh: Article 370 and After is mainly to evaluate the changes brought about by this change. He said that definitely the objective of the seminar will be achieved through the experts and researchers involved in this event. Prof. K.C. Agnihotri in his address described the use of terminology important in determining the attitude to be formed on various subjects. Along with its geographical importance in the context of Jammu-Kashmir, he also elaborated on its cultural development and clarified the importance of the region in the context of India. He said that the way to Central Asia opens for India through Gilgit, Baltistan region adjacent to Jammu-Kashmir and Ladakh and the conditions created here are important for India. Prof. Agnihotri highlighted the contribution of Maharaja Ranjit Singh as well as the merger of Jammu and Kashmir with India and the role played by Jawaharlal Nehru, Sardar Patel, Mahatma Gandhi to Lord Mountbatten, Sheikh Abdullah in that process.

Prof. Tankeshwar Kumar said that Prof. Agnihotri's address will certainly provide new opportunities for discussion to the students and researchers. He described the brainstorming in this two-day event helpful in evaluating the changed situation in Jammu and Kashmir.

धारा-370 खत्म होने से जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के विकास को मिली गति: प्रो. के.सी. अग्निहोत्री

■ हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार की शुरूआत

महेंद्रगढ़, 13 दिसम्बर (मोहन, स.ह.): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को धारा-370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक बदलावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सैमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.सी. अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अंडर स्टैंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाख: आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है।

प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों के सवालों के दिए जवाब

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस 2 दिवसीय आयोजन में होने वाले मंथन को धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बदली परिस्थितियों के मूल्यांकन में मददगार बताया और कहा कि अवश्य ही इस विषय में शोध कर रहे विद्यार्थियों को इस आयोजन से लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया।

इस सत्र का संचालन सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने किया, जिसमें प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बी.पी. सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिनमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों व शोधार्थियों के माध्यम से सैमिनार के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. के.सी. अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न विषयों को लेकर बनने वाले दृष्टिकोण के निर्धारण में शब्दावली के उपयोग को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में इसके भौगोलिक महत्व के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और भारत के संदर्भ में क्षेत्र विशेष की महत्ता को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लगे गिलगित, बाल्टिस्तान क्षेत्र के माध्यम से भारत के लिए मध्य एशिया का रास्ता खुलता है और यहां बनी परिस्थितियां भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लॉर्ड माऊंट बेटन, शेख अब्बदुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रमाणों के आधार पर उस समय की परिस्थितियों और उसके चलते जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के लागू होने और उससे मूल निवासियों को हुए नुक्सान का उल्लेख करते हुए मौजूदा परिस्थितियों में इसके हटने से आए बदलावों का उल्लेख किया।

विद्यार्थियों के पूर्ण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

हकेंविवि में एफटीआईआई, पुणे के सहयोग से पांच दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन पाठयक्रम बुधवार से शुरू हो गया है।

विवि के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इस पाठ्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फिल्म ऐप्रिसिएशन जैसे पाठयक्रमों का समय-समय पर आयोजन बेहद जरूरी है। ऐसे पाठयक्रमों से विद्यार्थी फिल्म निर्माण की बारीकियों को सीखने के साथ-साथ फिल्म उद्योग के लिए जरूरी कौशल को भी जान समझ पायेंगे।

कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के आयोजन में सहयोगी फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), पुणे का आभार जताया। कहा कि अवश्य ही उनके अनुभव का लाभ हमारे विद्यार्थियों को इस पाठ्यक्रम में उनकी सहभागिता से प्राप्त होगा। फिल्म वर्तमान दौर का सबसे प्रभावी माध्यम है। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं भी हैं। ऐसे में इस तरह के पाठयक्रम युवाओं के लिए बहुत ही जरूरी हैं।

फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित कुलपति, कुलसचिव व अतिथि। संवाद

युवाओं को जागरूक करना जरूरी : अविनाश

महेंद्रगढ़। फिल्म निर्माता एवं निर्देशक अविनाश राय ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उदेश्य युवाओं में फिल्म व उसके निर्माण के बारे में जागरुकता फैलाना है ताकि देश के युवा इस दिशा में भी अपना भविष्य बना सकें। कोर्स की ट्रेनर एवं फिल्म निर्माण जैसमीन कौर राय ने कैमरा की विभिन्न तकनीक, स्क्रीन प्ले राइटिंग, प्रोडक्शन की जानकारी दी। विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के सहयोग से फिल्म ऐप्रिसिएशन पाठयक्रम का आयोजन विवि के लिए सम्मान की बात है। इस मौके पर कोर्स के संयोजक एवं विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को अच्छा कंटेंट देना है ताकि उसका प्रयोग वह अपने जीवन में कर सकें। मंच का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. नीरज कुमार ने किया। इस मौके पर शिक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार, आलेख एस नायक, डॉ. भारती बत्रा, शोद्यार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। संवाद

सेमिनार

हकेंविवि में हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

'समस्या नहीं पीड़ित रहा है जम्मू-कश्मीर और लद्दाख'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का बुधवार को समापन हो गया है।

विवि के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि ऑर्गनाईजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर रहे। सत्र की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया, जबकि हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा। केतकर ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनैतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए कहा कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया और धारा 370 के खत्म होने के बाद से वहां किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दो दिवसीय आयोजन के लिए राजनीति विज्ञान विभाग की सराहना की और कहा अवश्य ही इन दो दिनों में हुए मंथन के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में आ रहे बदलावों को जानने समझने में शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोद्यार्थियों को मदद मिलेगी। कुलसचिव ने आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ, वक्ताओं व शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों, शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया। समापन सत्र से पहले जवाहर लाल नेहरू विवि में सहायक आचार्य डॉ. आयुषी केतकर, दिल्ली विवि में सहायक आचार्य डॉ. अमित सिंह ने विस्तार से इस क्षेत्र में आए बदलावों पर प्रकाश डाला। अंत में सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डॉ. शांतेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रफुल्ल केतकर का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन जैसे पाठ्यक्रम जरूरीः कुलपति

महेंद्रगढ़ | हकेवि में फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन पाठ्यक्रम की बुधवार को शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इस पाठ्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन जैसे पाठ्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे पाठयक्रमों से विद्यार्थी फिल्म निर्माण की बारीकियों को सीखने के साथ-साथ फिल्म उद्योग के लिए जरूरी कौशल को भी जान समझ पाएंगे और इसके परिणामस्वरूप वे भविष्य में अच्छे फिल्म लेखक एवं फिल्म निर्माता भी बन सकते हैं। कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के आयोजन में सहयोगी फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), पुणे का भी आभार व्यक्त किया।

इस मौके विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के सहयोग से फिल्म एप्रिसिएशन पाठ्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के लिए सम्मान की बात है। इस पाठ्यक्रम के पांच दिनों तक विद्यार्थी फिल्म निर्माण की विभिन्न तकनीक व फिल्म उद्योग के बारे में जान सकेंगे जिसका फायदा भविष्य में विभाग एवं विश्वविद्यालय को होगा। कोर्स के संयोजक एवं विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को अच्छा कंटेंट देना है ताकि उसका प्रयोग वे अपने जीवन में कर सकें।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार, आलेख एस नायक, डॉ. भारती बत्रा, शोद्यार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दशकों तक संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे जम्मू-कश्मीर व लद्दाख, कुछ लोगों ने अपने हिसाब से यहां शासन चलाया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में हुआ आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

हकेवि में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का बुधवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में ऑर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर उपस्थित रहे।

समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

मुख्यातिथि प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया जबकि जमीनी हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा।

समापन सत्र की शुरुआत में विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों से उनका परिचय कराया। प्रफुल्ल केतकर ने अपने संबोधन में विस्तार से जम्मू -कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनैतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए बताया कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया और धारा 370 के खत्म होने के बाद से वहां किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र शायद ही भारत का ऐसा क्षेत्र था। जहां संविधान से इतर नियम कायदे लागू किए गए। दशकों तक इस क्षेत्र में आमजन को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया और कुछ खास लोगों ने अपनी सहूलियत के हिसाब से शासन प्रशासन को चलाया।

राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर का श्रीफल देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने दो दिवसीय इस आयोजन के समूचे राजनीति विज्ञान विभाग की सराहना की। कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने कहा कि राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित यह सेमिनार विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों को जम्मू, कश्मीर व लद्दाख क्षेत्र के इतिहास, वर्तमान और भविष्य की राह को जानने समझने का नया नजरिया प्रदान करेगा। समापन सत्र से पूर्व में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. आयुषी केतकर, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. अमित सिंह ने विस्तार से इस क्षेत्र में आए बदलावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सेमिनार के संयोजक डॉ.राजीव कुमार सिंह ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डॉ. शांतेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

भविष्य में अच्छे फिल्म निर्माता भी बन सकते हैं विद्यार्थी : प्रो.टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन पाठ्यक्रम की बुधवार को शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन जैसे पाठ्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन बहुत जरूरी है। ऐसे पाठ्यक्रमों से विद्यार्थी फिल्म निर्माण की बारीकियों को सीखने के साथ-साथ फिल्म उद्योग के लिए जरूरी कौशल को भी जान समझ पाएंगे और इसके परिणामस्वरूप वे भविष्य में अच्छे फिल्म लेखक एवं फिल्म निर्माता भी बन सकते हैं। कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के आयोजन में सहयोगी फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया पुणे का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके अनुभव का लाभ हमारे विद्यार्थियों को इस पाठ्यक्रम में उनकी सहभागिता से प्राप्त होगा। फिल्म निर्माता एवं निर्देशक अविनाश राय ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं में फिल्म व उसके निर्माण के बारे में जागरूकता फैलाना है ताकि देश के युवा इस दिशा में भी अपना करियर बना सकें। विभागाध्यक्ष डा. अशोक ने कहा कि फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, पुणे के सहयोग से फिल्म एप्रिसिएशन पाठ्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के लिए सम्मान की बात है।

पाठ्यक्रम के पांच दिनों तक विद्यार्थी फिल्म निर्माण की विभिन्न तकनीक व फिल्म उद्योग के बारे में जान सकेंगे। कुलपति के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे ऐसे पाठ्यक्रम रोजगार एवं कौशल विकास के नजरिये से काफी फायदेमंद साबित होंगे। कोर्स के संयोजक एवं विभाग के शिक्षक डा. पंकज ने कहा विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को अच्छा कंटेंट देना है ताकि उसका प्रयोग वे अपने जीवन में कर सकें। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. सुरेंद्र, डा. भारती, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में अब हो रहा विकास

- हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार का हुआ समापन
- मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर ने सेमिनार को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में अनुच्छेद-370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का बुधवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर उपस्थित रहे।

समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया जबकि जमीनी हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा। विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों से उनका परिचय कराया। प्रफुल्ल केतकर ने अपने संबोधन में विस्तार से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनीतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए बताया कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया। विधान सभाओं का परिसीमन हो या फिर यहां महिलाओं को मिलने वाले अधिकारों की बात हो सभी को कुछ विशेष उद्देश्यों के चलते प्रभावित किया गया और उसी का परिणाम रहा कि यह क्षेत्र शेष भारत के अन्य राज्यों के अनुरूप विकास का भागीदार नहीं बन पाया। सही मायने में अब यह क्षेत्र शेष भारत के साथ जुड़कर आगे बढ़ रहा है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इन दो दिनों में हुए मंथन के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में आ रहे बदलावों को जानने-समझने में शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित यह सेमिनार विद्यार्थियों, शोधार्थियों को जम्मू, कश्मीर व लद्दाख क्षेत्र के इतिहास, वर्तमान व भविष्य की राह को जानने समझने का नया नजरिया प्रदान करेगा। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर(दाएं से दूसरे) का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर ● संस्था

शिक्षकों और शोधार्थियों ने सेमिनार में पेश की रिपोर्ट

कुलसचिव ने आयोजन में सम्मिलित सभी विशेषज्ञ वक्ताओं व शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों व शोधार्थियों का भी आभार व्यक्त किया। समापन सत्र से पूर्व में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डा. आयुषी केतकर, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डा. अमित सिंह ने विस्तार से इस क्षेत्र में आए बदलावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सेमिनार के संयोजक डा. राजीव कुमार सिंह ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डा. शांतेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

हकेवि में 5 दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स की शुरुआत

महेन्द्रगढ़, 14 दिसंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन पाठयक्रम की बुधवार को शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे पाठयक्रमों से विद्यार्थी फिल्म निर्माण की बारीकियों को सीखने के साथ-साथ फिल्म उद्योग के लिए जरूरी कौशल को भी समझ पायेंगे। इसके परिणामस्वरूप वे भविष्य में अच्छे फिल्म लेखक एवं फिल्म निर्माता भी बन सकते हैं। इस अवसर पर फिल्म निर्माता एवं निर्देशक अविनाश राय ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उदेश्य युवाओं में फिल्म व उसके निर्माण के बारे में जागरूकता फैलाना है ताकि वे इस दिशा में भी अपना कैरियर बना सकें।

दैनिक ट्रिब्यून

Five-day Film appreciation course inaugurates at CUH

Simran Rawat
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organized a five-day film appreciation course in joint collaboration with Film and Television Institute of India (FTII), Pune. The course was exclusively organised for the scheduled tribe students and Students of the department of Journalism and Mass Communication. On the third day of the film appreciation course Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar was the chief guest of the event. Prof. Tankeshwar Kumar said for holistic development, knowledge of various fields is necessary for the students. They need to learn different type of skills and knowledge to become an efficient professional and a good citizen. Prof. Tankeshwar Kumar said the films are a very effective medium of communication. People are fond of films, which is also one of the reasons that the Indian film industry is producing more than one thousand films in a year. He said that due to the advancement of technology the medium is changing. Now people have more interest in realistic cinema. People are watching web series and documentary films. He said that students have to learn skills related to the film industry to become an effective communicator and filmmaker. He appreciated the efforts of the department for organizing such activities for the students. Young people are producing films through mobile phones. The Vice Chancellor motivated the students to make films on social and developmental issues to create awareness in the society. would learn the grammar of film and various techniques of film production.

THEY EXPLAINED WHY AND HOW DIFFERENT TYPES OF ANGLES, SHOTS AND CUTS ARE USEFUL WHILE MAKING A MOVIE. THE ENTIRE WORKSHOP WAS INTERACTIVE. STUDENTS WERE ASKING THE QUESTION TO THE RESOURCE PERSONS AND FACULTIES WERE ANSWERING THE QUESTIONS SIMULTANEOUSLY.

5 दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन पाठयक्रम की शुरूआत

विद्यार्थियों के स्वांगीण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन जैसे पाठयक्रम जरूरी: कुलपति

महेंद्रगढ़, 14 दिसम्बर (मोहन, स.ह.): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में फिल्म एवं टैलिविजन इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में 5 दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन पाठयक्रम की बुधवार को शुरूआत हुई।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इस पाठ्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन जैसे पाठयक्रमों का समय-समय पर आयोजन बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे पाठयक्रमों से विद्यार्थी फिल्म निर्माण की बारीकियों को सीखने के साथ-साथ फिल्म उद्योग के लिए जरूरी कौशल को भी जान समझ पाएंगे और इसके परिणामस्वरूप वे भविष्य में अच्छे फिल्म लेखक एवं फिल्म निर्माता भी बन सकते हैं।

कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के आयोजन में सहयोगी फिल्म एवं टैलिविजन इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया (एफ.टी.आई.आई.), पुणे का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके अनुभव का लाभ हमारे विद्यार्थियों को इस पाठ्यक्रम में उनकी सहभागिता से प्राप्त होगा।

फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित कुलपति, कुलसचिव, अतिथिगण के साथ उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी।

विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को अच्छा कंटैंट देना, ताकि उसका प्रयोग जीवन में कर सकें : डॉ. पंकज

विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि फिल्म एवं टैलिविजन इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के सहयोग से फिल्म एप्रिसिएशन पाठयक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के लिए सम्मान की बात है। इस पाठयक्रम के 5 दिनों तक विद्यार्थी फिल्म निर्माण की विभिन्न तकनीक व फिल्म उद्योग के बारे में जान सकेंगे जिसका फायदा भविष्य में विभाग एवं विश्वविद्यालय को होगा।

उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे ऐसे पाठ्यक्रम रोजगार एवं कौशल विकास के नजरिए से काफी फायदेमंद साबित होंगे।

इस मौके पर कोर्स के संयोजक एवं विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को अच्छा कंटैंट देना है ताकि उसका प्रयोग वे अपने जीवन में कर सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के कई पाठ्यक्रम विभाग में विश्वविद्यालय के लिए विद्यार्थियों के लिए आयोजित कराए जाएंगे। विभाग के शिक्षक डॉ. नीरज कुमार ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार, आलेख एस. नायक, डॉ. भारती बत्रा, शोद्यार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं

कुलपति ने कहा कि फिल्म वर्तमान दौर का सबसे प्रभावी माध्यम है। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है। ऐसे में इस तरह के पाठ्यक्रम युवाओं के लिए बहुत ही जरूरी है।

फिल्म निर्माता एवं निर्देशक अविनाश राय ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं में फिल्म व उसके निर्माण के बारे में जागरूकता फैलाना है ताकि देश के युवा इस दिशा में भी अपना करियर बना सकें। ऐसे पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में फिल्म देखने का नजरिया तो बदलते ही हैं साथ ही समाज को देखने का दृष्टिकोण भी बदलते हैं।

उन्होंने बताया कि कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की बुनियादी जानकारियां दी जा रही हैं ताकि वे अपने करियर व जीवन में इनका उपयोग कर सकें। कोर्स की ट्रेनर एवं फिल्म निर्माण जैसमीन कौर राय ने अपने उदबोधन में कैमरा की विभिन्न तकनीक, स्क्रीन प्ले राइटिंग, प्रोडक्शन की तकनीक पर विस्तार से चर्चा की।

समस्या नहीं पीड़ित रहा है जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख: प्रफुल्ल केतकर

■ धारा 370 के हटने से भारत से सीधे तौर पर जुड़ा है क्षेत्र

राष्ट्रीय सैमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर का श्रीफल देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़ 13 दिसम्बर (स.ह. /मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का बुधवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सैमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में ऑर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर उपस्थित रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्यातिथि प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया जबकि जमीनी हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा। समापन सत्र की शुरूआत में विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों से उनका परिचय कराया।

केतकर ने अपने संबोधन में विस्तार से जम्मू -कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनीतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए बताया कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया और धारा 370 के खत्म होने के बाद से वहां किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र शायद ही भारत का ऐसा क्षेत्र था जहां संविधान से इतर नियम कायदे लागू किए गए। दशकों तक इस क्षेत्र में आमजन को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया और कुछ खास लोगों ने अपनी सहूलित के हिसाब से शासन प्रशासन को चलाया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में 2 दिवसीय इस आयोजन के समूचे राजनीति विज्ञान विभाग की सराहना की और कहा अवश्य ही इन 2 दिनों में हुए मंथन के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में आ रहे बदलावों को जानने-समझने में शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोद्यार्थियों को मदद मिलेगी। कुलपति ने इस मौके पर कहा कि यकीनन धारा 370 के पहले और बाद की स्थिति में भारी बदलाव जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में देखने को मिल रहा है जिसे बीते 2 दिनों में विशेषज्ञों ने प्रमाणिक रूप से हमारे समक्ष प्रस्तुत भी किया।

खाद्य सुरक्षा के प्रति हकेंवि ने किया विद्यार्थियों को जागरूक

आज समाज नेटवर्क

विद्यार्थियों को जागरूक करते वक्ता। आज समाज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली, महेंद्रगढ़ के स्कूली बच्चों के लिए उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और करियर विकल्पों पर एक दिवसीय व्याख्यान व प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता, मिलावट की जांच आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के बाद उपलब्ध रोजगार व उच्च शिक्षा के अवसरों से भी अवगत कराया गया। उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर व सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के प्रो. विकास बेनीवाल ने अपने संबोधन में ग्रामीण विकास के संदर्भ में उन्नत भारत अभियान के मिशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को खाद्य अपमिश्रण से भी अवगत कराया। इसी क्रम में पोषण जीव विज्ञान विभाग के सह आचार्य व उन्नत भारत अभियान के सदस्य डॉ. उमेश कुमार ने खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता के महत्त्व पर प्रकाश डाला जबकि वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य यूबीए की सदस्य डॉ. सुमन ने विद्यार्थियों को शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया और इससे प्राप्त होने वाले उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया। प्रस्तुतिकरण की श्रृंखला में पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य व यूबीए की सदस्य डॉ. अनीता कुमारी ने घरेलू स्तर पर खाद्य नमूनों में मिलावट का पता लगाने की तकनीक से अवगत कराया। इस अवसर पर स्कूल की ओर से श्री ईश्वर सिंह, श्री देवेंद्र और अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे और इस विषय पर अपने विचार साझा किए। स्कूल स्टाफ ने इस आयोजन के लिए यूबीए टीम और धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से स्थापित की गई प्रणाली

हकेंवि में भूकंप निगरानी प्रणाली स्थापित की

हकेंवि में भूकंप निगरानी प्रणाली का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेंवि में भूकंप निगरानी प्रणाली के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य शिक्षकगण।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ परिसर में सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड के समीप स्थित उद्यान में इस प्रणाली का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा भी उपस्थित रहीं। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा। इस प्रणाली के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

यहां बता दें कि विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली हेतु सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के साथ समझौता किया है।

इस प्रणाली हेतु नोडल ऑफिसर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से सिर्फ भूगोल बल्कि सिविल इंजीनियरिंग आदि विभागों के लिए भी आवश्यक आंकड़ों के संग्रहण का कार्य सहज होगा। इस अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव सहित विद्यार्थी, शोधार्थी व सीएसआईआर- (एनजीआरआई), हैदराबाद के विशेषज्ञ डॉ. राजीव कुमार व डॉ. विनीत कुमार गहलावत भी उपस्थित रहे।

हकेंवि : भविष्य के विकल्पों के बारे में किया जागरूक

केंद्रीय विश्वविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का किया आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राजकीय विद्यालय पाली के विद्यार्थियों के लिए उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और भविष्य विकल्पों पर एक दिवसीय व्याख्यान व प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता, मिलावट की जांच आदि महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के बाद उपलब्ध रोजगार व उच्च शिक्षा के अवसरों से भी अवगत कराया गया। उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी व सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के प्रो. विकास बेनीवाल ने ग्रामीण विकास के संदर्भ में उन्नत भारत अभियान के मिशन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रस्तुतिकरण की श्रृंखला में पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य व यूबीए की सदस्य डॉ. अनीता कुमारी ने घरेलू स्तर पर खाद्य नमूनों में मिलावट का पता लगाने की तकनीक से अवगत कराया। इस अवसर पर स्कूल की ओर से ईश्वर सिंह, देवेंद्र और अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे और इस विषय पर अपने विचार साझा किए। स्कूल स्टाफ ने इस आयोजन के लिए यूबीए टीम और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। संवाद

सुविधा

भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ के विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

विश्वविद्यालय में स्थापित की भूकंप निगरानी प्रणाली

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सीएसआईआर राष्ट्रीय भू भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड के समीप स्थित उद्यान में इस प्रणाली का उद्घाटन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कहा कि इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा।

यहां बता दें कि विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली के लिए सीएसआईआर एनजीआरआई, हैदराबाद के साथ समझौता किया है। इस प्रणाली हेतु नोडल अधिकारी भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से सिर्फ भूगोल बल्कि सिविल इंजीनियरिंग आदि विभागों के लिए भी आवश्यक आंकड़ों के संग्रहण का कार्य सहज होगा। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा, भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, डॉ. खेराज, डॉ. सीएम मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव, हैदराबाद के विशेषज्ञ डॉ. राजीव कुमार व डॉ. विनीत कुमार गहलावत आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि में भूकंप निगरानी प्रणाली के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

निगरानी व गतिविधियों के आंकड़ों का होगा संग्रहण

इस प्रणामी के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा। इस प्रणाली की मदद से विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा।

खाद्य सुरक्षा को लेकर हकेवि ने किया विद्यार्थियों को जागरूक

▪ उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली, महेंद्रगढ़ के स्कूली बच्चों के लिए उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और करियर विकल्पों पर एक दिवसीय व्याख्यान व प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता, मिलावट की जांच आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के बाद उपलब्ध रोजगार व उच्च शिक्षा के अवसरों से भी अवगत कराया गया।

उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर व सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के प्रो. विकास बेनीवाल ने अपने संबोधन में ग्रामीण विकास के संदर्भ में उन्नत भारत अभियान के मिशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को खाद्य अपमिश्रण से भी अवगत कराया। इसी क्रम में पोषण जीव विज्ञान विभाग के सह आचार्य व उन्नत भारत अभियान के सदस्य डॉ. उमेश कुमार ने खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता के महत्त्व पर प्रकाश डाला जबकि वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य यूबीए की सदस्य डॉ. सुमन ने विद्यार्थियों को शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया और इससे प्राप्त होने वाले उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया। प्रस्तुतिकरण की श्रृंखला में पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य व यूबीए की सदस्य डॉ. अनीता कुमारी ने घरेलू स्तर पर खाद्य नमूनों में मिलावट का पता लगाने की तकनीक से अवगत कराया। इस अवसर पर स्कूल की ओर से ईश्वर सिंह, देवेंद्र और अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे और इस विषय पर अपने विचार सांझा किए। स्कूल स्टाफ ने इस आयोजन के लिए यूबीए टीम और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेवि में स्थापित की गई भूकंप निगरानी प्रणाली, शोध व अनुसंधान को मिलेगा बल

सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से स्थापित की गई प्रणाली

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ परिसर में सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड के समीप स्थित उद्यान में इस प्रणाली का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा भी उपस्थित रहीं।

कुलपति ने कहा कि इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा। इस प्रणामी के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली हेतु सीएसआईआर- एनजीआरआई, हैदराबाद के साथ समझौता किया है। इस प्रणाली हेतु नोडल ऑफिसर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से सिर्फ भूगोल बल्कि सिविल इंजीनियरिंग आदि विभागों के लिए भी आवश्यक आंकड़ों के संग्रहण का कार्य सहज होगा। इस अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, डॉ. खेराज, डॉ.

सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव सहित विद्यार्थी, शोधार्थी व सीएसआईआर- (एनजीआरआई), हैदराबाद के विशेषज्ञ डॉ. राजीव कुमार व डॉ. विनीत कुमार गहलावत भी उपस्थित रहे।

अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली, महेंद्रगढ़ के स्कूली बच्चों के लिए उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और करियर विकल्पों पर एक दिवसीय व्याख्यान व प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता, मिलावट की जांच आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के बाद उपलब्ध रोजगार व उच्च शिक्षा के अवसरों से भी अवगत कराया गया।

उन्नत भारत अभियान के नोडल आफिसर व सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के प्रो. विकास बेनीवाल ने अपने संबोधन में ग्रामीण विकास के संदर्भ में उन्नत भारत अभियान के मिशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को खाद्य अपमिश्रण से भी अवगत कराया। इसी क्रम में पोषण जीव विज्ञान विभाग के सह आचार्य व उन्नत भारत अभियान के सदस्य डा. उमेश कुमार ने खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता के महत्त्व पर प्रकाश डाला जबकि वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य यूबीए की सदस्य डा. सुमन ने विद्यार्थियों को शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया।

पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य और यूबीए की सदस्य डा. अनीता कुमारी ने घरेलू स्तर पर खाद्य नमूनों में मिलावट का पता लगाने की तकनीक से अवगत कराया। इस अवसर पर स्कूल की ओर से ईश्वर सिंह, देवेंद्र और अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे और इस विषय पर अपने विचार साझा किए।

हकेंवि में स्थापित की गई भूकंप निगरानी प्रणाली

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) परिसर में सीएसआइआर-राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआइ), हैदराबाद के सहयोग से भू-गर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड के समीप स्थित उद्यान में इस प्रणाली का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा भी उपस्थित रहीं।

कुलपति ने कहा कि इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा। इस प्रणामी के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा। इस प्रणाली के लिए सीएसआइआर-एनजीआरआइ, हैदराबाद के साथ समझौता किया है। इस प्रणाली के लिए नोडल आफिसर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र ने बताया प्रणाली के माध्यम से भूगोल बल्कि सिविल इंजीनियरिंग आदि विभागों के लिए भी आंकड़ों के संग्रहण का कार्य सहज होगा। मौके पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डा. मनीष कुमार सहित विद्यार्थी, शोधार्थी व सीएसआइआर-(एनजीआरआइ), हैदराबाद के विशेषज्ञ डा. राजीव व डा. विनीत भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में भूकंप निगरानी प्रणाली का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● प्रवक्ता

सुविधा | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित की निगरानी प्रणाली

महेंद्रगढ़ से हो सकेगी अब भूकंप की निगरानी

आपदा से पहले ही मिलेगा अलर्ट, शोध और अनुसंधान में मिलेगी मदद

सीएसआईआर एनजीआरआर हैदराबाद के सहयोग से शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) परिसर में सीएसआईआर-राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान हैदराबाद के सहयोग से भू-गर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। अब भूकंप के झटकों से पहले ही अलर्ट मिल सकेगा और भारी नुकसान से बचा जा सकेगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड के पास स्थित उद्यान में इस प्रणाली का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा भी उपस्थित रहीं। कुलपति ने कहा कि इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध और अनुसंधान को बल मिलेगा।

महेंद्रगढ़। भूकंप निगरानी प्रणाली का उद्घाटन करते कुलपति। *फोटो : हरिभूमि*

आंकड़ों का संग्रहण होगा

नोडल ऑफिसर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से सिर्फ भूगोल ही नहीं, बल्कि सिविल इंजीनियरिंग विभागों के लिए भी आवश्यक आंकड़ों का संग्रहण हो सकेगा।

भू-गतिविधियों पर रहेगी नजर

इस प्रणाली के माध्यम से विश्वविद्यालय और इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी हो सकेगी और उसके आंकड़ों का संग्रहण किया जाएगा। इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा। विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली हेतु सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के साथ समझौता किया है।

CUH organized One-day programme on Food Safety

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has organized One-day lecture cum demonstration on Food Safety and career options in emerging areas of Science and Technology under UNNAT BHARAT ABHIYAN (UBA) for school children of Government Senior Secondary School, Pali, Mahendergarh. The purpose of organizing this event is to sensitize and aware the students about food safety, in terms of food handling, hygiene, detection of adulterants. The students were also motivated in context to career opportunities after completing secondary class. First of all, Prof. Vikas Beniwal, Professor, Department of Microbiology and Convener UBA addressed the gathering and emphasize on the mission of UBA in context to rural development, followed by series of lectures and demonstration on food adulteration. Dr. Umesh Kumar, Associate Professor, Department of Nutrition Biology and member, UBA delivered talk on importance of food hygiene while Dr. Suman, Assistant Professor, Department of Commerce and member, UBA sensitized and motivated the students regarding the need of education with multiple career opportunities. Dr. Anita Kumari, Assistant Professor, Department of Nutrition Biology and Member, UBA demonstrated and motivated young aspirant for detection of adulterants in food samples at household level. The School staff Mr. Ishwar Singh, Mr. Devender and other teachers have also attended the programme and shared their thoughts on the theme.

खाद्य सुरक्षा के प्रति स्कूली विद्यार्थियों को किया जागरूक

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 15 दिसम्बर (मोहन, स.ह.): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली, महेंद्रगढ़ के स्कूली बच्चों के लिए उन्नत भारत अभियान (यू.बी.ए.) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और करियर विकल्पों पर एक दिवसीय व्याख्यान व प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता, मिलावट की जांच आदि महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के बाद उपलब्ध रोजगार व उच्च शिक्षा के अवसरों से भी अवगत करवाया गया।

उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर व सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के प्रो. विकास बेनीवाल ने अपने संबोधन में ग्रामीण विकास के संदर्भ में उन्नत भारत अभियान के मिशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को खाद्य अपमिश्रण से भी अवगत कराया।

इसी क्रम में पोषण जीव विज्ञान विभाग के सह आचार्य व उन्नत भारत अभियान के सदस्य डॉ. उमेश कुमार ने खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला जबकि वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य, डॉ. सुमन ने विद्यार्थियों को शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया और इससे प्राप्त होने वाले उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया।

प्रस्तुतिकरण की श्रृंखला में पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य व यू.बी.ए. की सदस्य डॉ. अनीता कुमारी ने घरेलू स्तर पर खाद्य नमूनों में मिलावट का पता लगाने की तकनीक से अवगत कराया।

हकेंवि में स्थापित की गई भूकंप निगरानी प्रणाली

महेंद्रगढ़, 15 दिसम्बर (स.ह., मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ परिसर में सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एन. जी. आर. आई.), हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड के समीप स्थित उद्यान में इस प्रणाली का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा भी उपस्थित रहीं।

कुलपति ने कहा कि इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा। इस प्रणामी के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

इस प्रणाली हेतु नोडल ऑफिसर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से सिर्फ भूगोल बल्कि सिविल इंजीनियरिंग आदि विभागों के लिए भी आवश्यक आंकड़ों के संग्रहण का कार्य सहज होगा।

इस अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव सहित विद्यार्थी, शोधार्थी व सी.एस.आई.आर.-(एन.जी.आर.आई.), हैदराबाद के विशेषज्ञ डॉ. राजीव कुमार व डॉ. विनीत कुमार गहलावत भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में भूकंप निगरानी प्रणाली के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य शिक्षकगण।

वीरों के बलिदान को किया याद

हकेंविवि में वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व अन्य। संवाद

महेंद्रगढ़। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान पर मिली विजय की वर्षगांठ उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में विजय दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्यावीरता स्थल पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया और विद्यार्थियों व शोधार्थियों को देश हित में अपने कर्तव्यों के निवर्हन हेतु प्रेरित किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में 1971 की विजय को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि पाकिस्तान के साथ हुई इस निर्णायक जंग के परिणाम स्वरूप ही बंगलादेश बना। उन्होंने इस जंग में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों के बलिदान का याद किया और नमन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के शौर्य और बलिदान को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि हम उनके सदैव आभारी हैं। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नंद किशोर, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. रेनु यादव, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. आरती यादव, डॉ. शाहजहां सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

कृषि

कुलपति ने खेतों में पहुंचकर किया परीक्षण

फसलों के लिए वरदान साबित होगा विवि में तैयार किया जैव उर्वरक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के शोधार्थियों, शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा जैव उर्वरक तैयार किया है जोकि फसलों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस उर्वरक के उपयोग से फसलों में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर की मांग की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल रही है। विश्वविद्यालय के गोद लिए गावं मालड़ा में इस जैव उर्वरक का सफल परीक्षण किया गया।

इससे आए परिणामों के अवलोकन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकश्वर कुमार ने शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों के साथ मालड़ा का दौरा किया। कुलपति ने इस तकनीक के परिणामों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इस प्रयास का लाभ ग्रामीणों को प्राप्त होगा और

हकेंविवि द्वारा विकसित जैव उर्वरक तकनीक का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के इस प्रयास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय में इस परियोजना के प्रमुख प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम स्थानीय कृषकों के सहयोग से इस प्रयास में बीते तीन सालों से कार्य कर रहे हैं। इस तकनीक के अंतर्गत नए सीजन में और अधिक कृषकों को जैव उर्वरक उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस तकनीक के अंतर्गत पोटाशियम और फासफोरस के संतुलन को स्थापित कर फसल उपयोगी बनाने में मदद मिली है और जिसके परिणाम स्वरूप 40 से 50 प्रतिशत कम रासायनिक खाद (डीएपी) का प्रयोग करके 5 से 10 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि दर्ज की जा सकती है। शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि स्थानीय किसानों की कृषि वर्षा की कमी के चलते निरंतर प्रभावित होती है। ऐसे में जैव उर्वरकों की मदद से उत्पादकता को बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। विश्वविद्यालय कुलपति के साथ मालड़ा गांव के दौरे पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. मोना शर्मा, उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. विकास बेनीवाल सहित इस परियोजना के जुड़ें सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी स्थानीय ग्रामीणों के साथ उपस्थित रहे।

उन्नत भारत अभियान के तहत जैव उर्वरक की तकनीक विकसित की, फसलों के लिए वरदान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

- आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा : प्रो. टंकेश्वर

हकेवि के शोधार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा जैव उर्वरक तैयार किया है जो कि फसलों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस उर्वरक के उपयोग से फसलों में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर की मांग की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल रही है। विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव मालड़ा में इस जैव उर्वरक का सफल परीक्षण किया गया। इससे आए परिणामों के अवलोकन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ मालड़ा का दौरा किया। कुलपति ने इस तकनीक के परिणामों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इस प्रयास का लाभ ग्रामीणों को प्राप्त होगा और विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के इस प्रयास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

विश्वविद्यालय में इस परियोजना के प्रमुख प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम स्थानीय कृषकों के सहयोग से इस प्रयास में बीते तीन सालों से कार्य कर रहे हैं। इस तकनीक के अंतर्गत नए सीजन में और अधिक कृषकों को जैव उर्वरक उपलब्ध कराए जाएंगे। इस तकनीक के अंतर्गत पोटाशियम और फॉस्फोरस के संतुलन को स्थापित कर फसल उपयोगी बनाने में मदद मिली है। जिसके परिणाम स्वरूप 40 से 50 प्रतिशत कम रासायनिक खाद (डीएपी) का प्रयोग करके 5 से 10 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि स्थानीय किसानों की कृषि वर्षा की कमी के चलते निरंतर प्रभावित होती है। ऐसे में जैव उर्वरकों की मदद से उत्पादकता को बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की टीम के द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास उल्लेखनीय परिणाम प्रदान कर रहे हैं और अवश्य ही इसका लाभ अन्य किसान भी उठाएंगे। विश्वविद्यालय कुलपति के साथ मालड़ा गांव के दौरे पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. मोना शर्मा, उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रो. विकास बेनीवाल सहित इस परियोजना के जुड़ें सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी ग्रामीणों के साथ उपस्थित रहे।

सेना के वीर सपूतों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पित किए

महेंद्रगढ़ | 16 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तान पर मिली विजय के उपलक्ष्य में हकेवि में विजय दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्यावीरता स्थल पर विश्वविद्यालय की

प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पित किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया और विद्यार्थियों व शोधार्थियों को देश हित में अपने कर्त्तव्यों के निवर्हन हेतु प्रेरित किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में 1971 की विजय को महत्त्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के शौर्य और बलिदान को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि हम उनके सदैव आभारी हैं। प्रो. सुनील कुमार ने इस मौके पर देश के प्रति कर्त्तव्यों का उल्लेख करते हुए सभी सहभागियों को देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नंद किशोर, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. रेनु यादव, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. आरती यादव, डॉ. शाहजहां सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

जैव उर्वरक से फसलों में होगी बढ़ोतरी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के तहत गांव मालड़ा में जैव उर्वरक तकनीक की गई विकसित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के शोधार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा जैव उर्वरक तैयार किया है, जोकि फसलों के लिए वरदान साबित होगा।

इस उर्वरक के उपयोग से फसलों में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर की मांग की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल रही है।

विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव मालड़ा में इस जैव उर्वरक का सफल परीक्षण किया गया। इससे आए परिणामों के अवलोकन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ मालड़ा का दौरा किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस नई तकनीक का लाभ ग्रामीणों को प्राप्त होगा और विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के इस प्रयास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि स्थानीय किसानों की कृषि वर्षा की कमी के चलते निरंतर प्रभावित होती है। ऐसे में जैव उर्वरकों की मदद से उत्पादकता को बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। विश्वविद्यालय की टीम द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास उल्लेखनीय परिणाम प्रदान कर रहे हैं और अवश्य ही इसका लाभ अन्य किसान भी उठाएंगे।

हकेंवि द्वारा विकसित जैव उर्वरक तकनीक का निरीक्षण करते कुलपति व अध्यापक● हकेंवि

विश्वविद्यालय कुलपति के साथ मालड़ा गांव के दौरे पर प्रो. प्रमोद, डा. मोना शर्मा, उन्नत भारत अभियान के नोडल आफिसर प्रो. विकास बेनीवाल सहित इस परियोजना के जूड़े सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी स्थानीय ग्रामीणों के साथ उपस्थित रहे। परियोजना के प्रमुख प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम स्थानीय कृषकों के सहयोग से इस प्रयास में बीते तीन सालों से कार्य कर रहे हैं।

इस तकनीक के अंतर्गत नए सीजन में और अधिक कृषकों को जैव उर्वरक उपलब्ध कराए जाएंगे। इस तकनीक के अंतर्गत पोटाशियम और फासफोरस के संतुलन को स्थापित कर फसल उपयोगी बनाने में मदद मिली है। इससे रासायनिक खाद (डीएपी) का 40 से 50 प्रतिशत कम प्रयोग करके पांच से 10 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

बलिदानियों के बलिदान को कभी न भूलें

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में विजय दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्यावीरता स्थल पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हुई इस निर्णायक जंग के परिणाम स्वरूप ही बांग्लादेश बना। उन्होंने इस जंग में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों के बलिदान का याद किया और नमन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि हम बलिदानियों के सदैव आभारी हैं। प्रो. सुनील कुमार ने देश के प्रति कर्त्तव्यों का उल्लेख करते हुए सभी सहभागियों को देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। बलिदानियों के बलिदान को कभी न भूलें इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नंद किशोर, डा. एपी शर्मा, डा. रेनु सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्या वीरता स्थल पर सेना के बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते अध्यापक● सौ. प्रवक्ता

महेंद्रगढ़। विकसित जैव उर्वरक तकनीक का निरीक्षण करते कुलपति।

हरियाणा केंद्रीय विवि का जैव उर्वरक फसलों के लिए वरदान

■ उन्नत भारत अभियान के तहत जैव उर्वरक तकनीक की विकसित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा जैव उर्वरक तैयार किया है जो कि फसलों के लिए वरदान साबित हो रहा है।

इस उर्वरक के उपयोग से फसलों में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर की मांग की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल रही है। विवि के गोद लिए गांव मालड़ा में इस जैव उर्वरक का सफल परीक्षण किया गया। इससे आए परिणामों के अवलोकन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकश्वर कुमार ने शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ मालड़ा का दौरा किया। कुलपति ने इस तकनीक के परिणामों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इस प्रयास का लाभ ग्रामीणों को प्राप्त होगा और विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के इस प्रयास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

हरियाणा केंद्रीय विवि में मनाया विजय दिवस

महेंद्रगढ़। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान पर मिली विजय के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विजय दिवस मनाया गया। विवि के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्यावीरता स्थल पर विवि की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से शहीद सैनिकों को याद किया।

जैव उर्वरक फसलों के लिए वरदान

महेंद्रगढ़, 16 दिसम्बर (स.ह., मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के शोधार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा जैव उर्वरक तैयार किया है जो कि फसलों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस उर्वरक के उपयोग से फसलों में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर की मांग की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल रही है।

हकेंवि द्वारा विकसित जैव उर्वरक तकनीक का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के गोद लिए गावं मालड़ा में इस जैव उर्वरक का सफल परीक्षण किया गया। इससे आए परिणामों के अवलोकन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकश्वर कुमार ने शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ मालड़ा का दौरा किया।

कुलपति ने इस तकनीक के परिणामों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इस प्रयास का लाभ ग्रामीणों को प्राप्त होगा और विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के इस प्रयास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

विश्वविद्यालय में इस परियोजना के प्रमुख प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम स्थानीय कृषकों के सहयोग से इस प्रयास में बीते 3 सालों से कार्य कर रही है। इस तकनीक के अंतर्गत नए सीजन में और अधिक कृषकों को जैव उर्वरक उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इस तकनीक के अंतर्गत पोटाशियम और फासफोरस के संतुलन को स्थापित कर फसल उपयोगी बनाने में मदद मिली है और जिसके परिणाम स्वरूप 40 से 50 प्रतिशत कम रासायनिक खाद (डी.ए.पी.) का प्रयोग करके 5 से 10 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

विश्वविद्यालय कुलपति के साथ मालड़ा गांव के दौरे पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. मोना शर्मा, उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रो. विकास बेनीवाल सहित इस परियोजना के जुड़े सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी स्थानीय ग्रामीणों के साथ उपस्थित रहे।

वीर सपूतों के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर किया याद

महेंद्रगढ़, 16 दिसम्बर (स.ह., मोहन): 16 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तान पर मिली विजय की वर्षगांठ उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विजय दिवस मनाया गया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड 3 में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए।

विद्या वीरता स्थल पर सेना के वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया और विद्यार्थियों व शोधार्थियों को देश हित में अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में 1971 की विजय को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि पाकिस्तान के साथ हुई इस निर्णायक जंग के परिणामस्वरूप ही बंगलादेश बना।

उन्होंने इस जंग में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों के बलिदान का याद किया और नमन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सेना के शौर्य और बलिदान को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि हम उनके सदैव आभारी हैं। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नंद किशोर, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. रेनु यादव, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. आरती आदि सहित विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि के विद्यार्थी को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के छात्र तरुण कुमार डिग्री पूर्ण करते ही रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विधार्थी का चयन होने पर बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल को निखारकर विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्रदान कर रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास न केवल पढ़ाई तक सीमित है बल्कि विद्यार्थियों को सामाजिक और रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है। कौशल विकास पर आधारित बी. वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक अवसर प्रदान हो रहे है। उन्होंने कहा कि यह विभाग के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग लगातार विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। विभाग के प्रमुख डॉ. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार प्राप्त करना काफी मुश्किल हो रहा है।

तरुण को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के छात्र तरुण कुमार डिग्री पूर्ण करते ही रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थी का चयन होने पर कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल को निखारकर विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्रदान कर रहा है। संवाद

खुडाना की भौगोलिक स्थिति और संस्कृति से अवगत हुए विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ के योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के तत्वाबधान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने खुडाना गांव में स्थित माता के मंदिर तक ट्रैकिंग की। इस दौरान आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर वहां की भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक विरासत और इतिहास रूबरू हुए। कार्यक्रम के संयोजक व योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने बताया कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. अजयपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 600 विद्यार्थियों ने ट्रैकिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण, भूगोल विभाग के डॉ. खेराज, होटल मैनेजमेंट के सहायक आचार्य डॉ. अमित, डॉ. विवेक बालियान, शारीरिक शिक्षा और खेल के सहायक आचार्य डॉ. संदीप ढुल, इंजीनियरिंग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज, और योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन का विशेष योगदान दिया। इस आयोजन में योग विभाग और भूगोल विभाग के शोधार्थियों ने सराहनीय कार्य किया। संवाद

खुडाना की पारिस्थिकी तंत्र और संस्कृति से हकेंवि के विद्यार्थियों को कराया अवगत

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने खुडाना गांव में स्थित माता के मंदिर तक ट्रैकिंग की और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर वहां की भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक विरासत और इतिहास रूबरू हुए। कार्यक्रम के संयोजक व योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने बताया कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. अजयपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 600 विद्यार्थियों ने इस ट्रैकिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण, भूगोल विभाग के डॉ. खेराज, होटल मैनेजमेंट के सहायक आचार्य डॉ. अमित और डॉक्टर विवेक बालियान, शारीरिक शिक्षा और खेल के सहायक आचार्य डॉ. संदीप ढुल, इंजीनियरिंग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज, और योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन का विशेष योगदान दिया। इस आयोजन में योग विभाग और भूगोल विभाग के शोधार्थियों ने सराहनीय कार्य किया। डॉ. अजयपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की विशेषता है कि वह अपने विद्यार्थियों को केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं रखता बल्कि उन्हें परिस्थितिकी तंत्र से भी अवगत कराता रहता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को लगातार मिल रहे रोजगार के अवसर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के छात्र तरुण कुमार को रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल को निखारकर विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्रदान कर रहा है। विद्यार्थियों में कौशल विकास न केवल पढ़ाई तक सीमित है, बल्कि विद्यार्थियों को सामाजिक और रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर(बाएं से दूसरे) के साथ प्लेसमेंट प्राप्त करने वाला तरुण ● सौ. हकेंवि

कौशल विकास पर आधारित बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक अवसर प्रदान हो रहे हैं। यह विभाग के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग लगातार विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। विभाग के प्रमुख डा. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार प्राप्त करना काफी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट द्वारा कराई जाने वाली पढ़ाई के साथ-साथ कार्यशाला, इंटर्नशिप, विशेषज्ञ व्याख्यान काफी फायदेमंद होते हैं। बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम स्नातकों की रोजगार क्षमता व कौशल बढ़ाने और वैश्विक श्रम शक्ति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट विभाग के समन्वयक डा. सुयश मिश्रा ने कहा कि विभाग की यह कोशिश रहती है कि सभी विद्यार्थियों में कौशल विकास हो जिससे कि रोजगार की दृष्टि से भविष्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। यह उसका ही परिणाम है कि बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थी स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही उच्च पदों पर आसीन होकर न सिर्फ विभाग को बल्कि अपने स्वजन को भी गौरवान्वित कर रहे हैं।

विशेष पैकेज के तहत 17 विद्यार्थियों का चयन

विभिन्न कंपनियों में चयन होने वाले विद्यार्थी ● सौ. आरपीएस

रांस, महेंद्रगढ़: आरपीएस इंजीनियरिंग कालेज बलाना में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में तीन दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें कालेज के विद्युत, इलेक्ट्रोनिक्स, मैकेनिकल, सिविल एवं कंप्यूटर विभागों से 17 प्रतिभाओं का विभिन्न कंपनियों में विशेष पैकेज में चयन हुआ। इन कंपनियों के प्रभारियों का कालेज परिसर में पहुंचने पर उनका स्वागत कालेज निदेशक डा. महेश कुमार यादव व कालेज ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट आफिसर विकाश शर्मा ने किया। कालेज डीन प्रो. राजेन्द्र यादव ने बताया कि विभिन्न विभागों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह प्लेसमेंट ड्राइव तीन दिन चला, जिसमें विभिन्न विभागों के 17 विद्यार्थियों अंकिता, गूंजन, मोहित, अनुभव, पियुष, चेतना, यूरेका, रोहित, यक्ष, गुलाम मोईनुदीन, राधिका, रेखा, रवि, यक्नीष व अंकित मेहरा का नाम चार से पांच लाख के पैकेज पर चयन हुआ है।

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने ट्रैकिंग में लिया हिस्सा

ट्रैकिंग में हिस्सा लेने वाले हकेंवि के शिक्षक और विद्यार्थी ● हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के योग ट्रेकिंग एवं एडवेंचर क्लब के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने खुडाना गांव में स्थित माता के मंदिर तक ट्रेकिंग की और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर वहां की भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक विरासत और इतिहास रूबरू हुए। कार्यक्रम के संयोजक व योग विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय पाल ने बताया कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। डा. अजयपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 600 विद्यार्थियों ने इस ट्रैकिंग में हिस्सा लिया। आयोजन में योग विभाग और भूगोल विभाग के शोधार्थियों ने सराहनीय कार्य किया। विश्वविद्यालय की विशेषता है कि वह अपने विद्यार्थियों को केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं रखता बल्कि उन्हें पारिस्थितिकी तंत्र से भी अवगत कराता रहता है। शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डा. किरण आदि का विशेष योगदान दिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी को मिला प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़, 17 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्याल, महेंद्रगढ़ में बी. वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के छात्र तरुण कुमार को डिग्री पूर्ण करते ही रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

प्लेसमैंट पाने वाला छात्र, कुलपति और शिक्षकों के साथ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थी का चयन होने पर बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल को निखार कर विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्रदान कर रहा है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास न केवल पढ़ाई तक सीमित है बल्कि विद्यार्थियों को सामाजिक और रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है। विभाग के प्रमुख डॉ. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार प्राप्त करना काफी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में बी. वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट द्वारा करवाई जाने वाली पढ़ाई के साथ-साथ कार्यशाला, इंटर्नशिप, विशेषज्ञ व्याख्यान काफी फायदेमंद होते हैं।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट विभाग के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने विद्यार्थी को बधाई देते हुए कहा कि विभाग की यह कोशिश रहती है कि सभी विद्यार्थियों में कौशल विकास हो जिससे कि रोजगार की दृष्टि से भविष्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

खुडाना की पारिस्थिकी तंत्र और संस्कृति से अवगत हुए हकेंवि के विद्यार्थी

ट्रैकिंग में हिस्सा लेने वाले हकेंवि के शिक्षक व विद्यार्थी

महेंद्रगढ़, 17 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग ट्रैकिंग एवं एडवैंचर क्लब के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने खुडाना गांव में स्थित माता के मंदिर तक ट्रैकिंग की और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर वहां की भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक विरासत और इतिहास से रू-ब-रू-हुए।

कार्यक्रम के संयोजक व योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने बताया कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. अजयपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 600 विद्यार्थियों ने इस ट्रैकिंग में हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण, भूगोल विभाग के डॉ. खेराज, होटल मैनेजमैंट के सहायक आचार्य डॉ. अमित और डॉक्टर विवेक बालियान, शारीरिक शिक्षा और खेल के सहायक आचार्य डॉ. संदीप ढुल, इंजीनियरिंग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज और योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन का विशेष योगदान दिया।

हकेवि में हॉलिस्टिक रिसर्च ओरिएंटेशन विषय पर व्याख्यान

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में वाणिज्य विभाग द्वारा हॉलिस्टिक रिसर्च ओरिएंटेशन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने आभासी माध्यम से व्याख्यान दिया।

प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने संचित अनुसंधान एवं नैतिक अनुसंधान प्रथाओं के संचालन के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध में अधिक योगदान देने के लिए दार्शनिक की तरह सोचने के बारे में सुझाव दिया। प्रो. जैन ने शोध मानसिकता विकसित करने, समस्याओं पर चर्चा करने तथा आगमन और निग्नात्मक शोध पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं व्याख्यान के संयोजक डॉ. राजेंद्र मीणा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. मीणा ने बताया कि व्याख्यान से विद्यार्थी एवं शोधार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि विभाग में भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की शोध में रुचि में बढ़ोतरी होगी। इस अवसर पर विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, शोधार्थी संगीता, मोहित, अन्नू, प्रेरणा सहित विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

तथ्यात्मक सूचनाएं ही फेक न्यूज से बचाव का समाधानः मयंक अग्रवाल

गूगल न्यूज इनिशिएटिव के सहयोग से क्लाइमेट वेरीफेकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव एवं डाटा लीडस के संयुक्त तत्वाधान में क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को मौसम एवं पर्यावरण से जुडे. झूठे समाचारों की परख कैसे की जाए इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजन

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ।

विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद होते हैं। कार्यशाला को संबोधित करते हुए गूगल ट्रेनर एवं पर्यावरण पत्रकार मयंक अग्रवाल ने कहा कि दुनिया भर में गलत व भ्रमित करने वाली सूचनाओं की सुनामी है। डिजिटल मीडिया के प्रसार के कारण आज सूचनाओं का अंबार है।

डिजिटल माध्यमों से झूठ भी फैलाया जा सकता है व इन्हीं माध्यमों से हम सही व गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं लोगों को भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों एवं पर्यावरण अध्ययन के विद्यार्थियों की यह जिम्मेवारी है कि वे इन गलत सूचनाओं को मुकाबला तथ्यों के साथ-साथ विज्ञान के साथ करें। उन्होंने कहा कि विज्ञान व उसके प्रमाणों के आधार पर ही झूठ को बेनकाब किया जा सकता है। उन्होंने वेरीफिकेशन की महत्ता बताते हुए वेरीफिकेशन के साधन भी बताए।

मयंक अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में क्लाइमेट एक ऐसा विषय है जो अनेक विषयों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता जांच लेनी चाहिए। सूचना एवं खबरों की सत्यता जांचने के लिए उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक सूचना स्रोत एवं संस्थाओं के बारे में अवगत करवाया जहां से तथ्यपरक सूचनाएं प्राप्त की जा सकती है।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा गलत व झूठी सूचनाएं किसी समाज व दुनिया के लिए खतरा है। डिजिटल माध्यमों के प्रसार के कारण हम सूचनाओं के विस्फोट के दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत इस बात की है कि सत्य एवं गुणवतापूर्ण समाचार लोगों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि भावी पत्रकारों को इसके लिए खुद को तैयार करने की जरूरत है।

पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कहा किसी भी विषय में संचार अति महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन के साथ साथ पर्यावरण जर्नलिस्ट के रूप में भी समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर आयोजित इस कार्यशाला से पर्यावरण विभाग के विद्यार्थी सटीक सूचनाओं को प्राप्त एवं प्रसारित करने के बारे में अवगत हुए।

कार्यशाला के संयोजक श्री आलेख एस नायक ने मंच का संचालन किया व कार्यशाला के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यशाला के दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए।

'डिजिटल मीडिया से आज सूचनाओं का अंबार'

गूगल के सहयोग से क्लाइमेट वेरिफिकेशन पर कार्यशाला आयोजित, गलत व भ्रमित करने वाली सूचनाओं की है सुनामी : अग्रवाल

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव एवं डाटा लीडस के संयुक्त तत्वाधान में क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला लगाई गई।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को मौसम एवं पर्यावरण से जुड़े झूठे समाचारों की परख कैसे की जाए इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद होते हैं।

कार्यशाला में गूगल ट्रेनर एवं पर्यावरण पत्रकार मयंक अग्रवाल ने कहा कि दुनिया भर में गलत व भ्रमित करने वाली सूचनाओं की सुनामी है। डिजिटल मीडिया के प्रसार के कारण आज सूचनाओं का अंबार है। डिजिटल माध्यमों से झूठ भी फैलाया जा सकता है व इन्हीं माध्यमों से हम सही व गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं लोगों को भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों एवं पर्यावरण अध्ययन के विद्यार्थियों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन गलत सूचनाओं को मुकाबला तथ्यों के साथ-साथ विज्ञान के साथ करें। उन्होंने कहा कि विज्ञान व उसके प्रमाणों के आधार पर ही झूठ को बेनकाब किया जा सकता है। उन्होंने वेरीफिकेशन की महत्ता बताते हुए वेरीफिकेशन के साधन भी बताए।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ। संवाद

मयंक अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में क्लाइमेट एक ऐसा विषय है जो अनेक विषयों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता जाँच लेनी चाहिए। सूचना एवं खबरों की सत्यता जाँचने के लिए उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक सूचना स्रोत एवं संस्थाओं के बारे में अवगत करवाया जहां से तथ्यपरक सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती है।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा गलत व झूठी सूचनाएं किसी समाज व दुनिया के लिए खतरा है। डिजिटल माध्यमों के प्रसार के कारण हम सूचनाओं के विस्फोट के दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत इस बात की है कि सत्य एवं गुणवत्तापूर्ण समाचार लोगों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि भावी पत्रकारों को इसके लिए खुद को तैयार करने की जरूरत है।

पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कहा किसी भी विषय में संचार अति महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन के साथ साथ पर्यावरण जर्नलिस्ट के रूप में भी समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। कार्यशाला के संयोजक श्री आलेख एस नायक ने मंच का संचालन किया व कार्यशाला के महत्व के बारे में बताया।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। संवाद

हॉलिस्टिक रिसर्च ओरिएंटेशन पर व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में वाणिज्य विभाग द्वारा हॉलिस्टिक रिसर्च ओरिएंटेशन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने आभासी माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने संचित अनुसंधान एवं नैतिक अनुसंधान प्रथाओं के संचालन के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध में अधिक योगदान देने के लिए दार्शनिक की तरह सोचने के बारे में सुझाव दिया। प्रो. जैन ने शोध मानसिकता विकसित करने, समस्याओं पर चर्चा करने तथा आगमन और निग्नात्मक शोध पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं व्याख्यान के संयोजक डॉ. राजेंद्र मीणा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. मीणा ने बताया कि व्याख्यान से विद्यार्थी एवं शोधार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि विभाग में भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की शोध में रुचि में बढ़ोतरी होगी। इस अवसर पर विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, शोधार्थी संगीता, मोहित, अन्नू, प्रेरणा सहित विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

फेक न्यूज को लेकर जागरूकता जरूरी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव एवं डाटा लीडस के संयुक्त तत्वाधान में क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद होते हैं।

गूगल ट्रेनर एवं पर्यावरण पत्रकार मयंक अग्रवाल ने कहा कि दुनिया भर में गलत व भ्रमित करने वाली सूचनाओं की सुनामी है। डिजिटल मीडिया के प्रसार के कारण आज सूचनाओं का अंबार है। डिजिटल माध्यमों से झूठ भी फैलाया जा सकता है व इन्हीं माध्यमों से हम सही व गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं लोगों को भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों एवं पर्यावरण अध्ययन के विद्यार्थियों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन गलत सूचनाओं को मुकाबला तथ्यों के साथ-साथ विज्ञान के साथ करें। विज्ञान व उसके प्रमाणों के आधार पर ही झूठ को बेनकाब किया जा सकता है। उन्होंने वेरीफिकेशन की महत्ता बताते हुए वेरीफिकेशन के साधन भी बताए। आज के समय में क्लाइमेट एक ऐसा विषय है जो अनेक विषयों से जुड़ा हुआ है। हमें किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता जांच लेनी चाहिए। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि गलत व झूठी सूचनाएं सभी के लिए खतरा है। डिजिटल माध्यमों के प्रसार के कारण हम सूचनाओं के विस्फोट के दौर में पहुंच गए हैं। जरूरत इस बात की है कि सत्य एवं गुणवतापूर्ण समाचार लोगों तक पहुंचें। भावी पत्रकारों को इसके लिए खुद को तैयार करने की जरूरत है। पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने कहा किसी भी विषय में संचार अति महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन के साथ-साथ पर्यावरण जर्नलिस्ट के रूप में भी समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर आयोजित इस कार्यशाला से पर्यावरण विभाग के विद्यार्थी सटीक सूचनाओं को प्राप्त एवं प्रसारित करने के बारे में अवगत हुए। कार्यशाला के संयोजक आलेख एस नायक ने मंच का संचालन किया व कार्यशाला के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यशाला के दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए।

विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी ● सौ. हकेंवि

****

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

हरियाणा केंद्रीय विवि में व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में वाणिज्य विभाग द्वारा हॉलिस्टिक रिसर्च ओरिएंटेशन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने आभासी माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने संचित अनुसंधान एवं नैतिक अनुसंधान प्रथाओं के संचालन के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध में अधिक योगदान देने के लिए दार्शनिक की तरह सोचने के बारे में सुझाव दिया। प्रो. जैन ने शोध मानसिकता विकसित करने, समस्याओं पर चर्चा करने तथा आगमन और निग्नात्मक शोध पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं व्याख्यान के संयोजक डॉ. राजेंद्र मीणा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्लाइमेट वेरीफिकेशन पर कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव एवं डाटा लीडस के संयुक्त तत्वाधान में क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को मौसम एवं पर्यावरण से जुडे.झूठे समाचारों की परख कैसे की जाए इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद होते हैं।

हकेंवि में हॉलिस्टिक रिसर्च ओरिएंटेशन विषय पर व्याख्यान का आयोजन

विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़, 19 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में वाणिज्य विभाग द्वारा हॉलिस्टिक रिसर्च ओरिएंटेशन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने आभासी माध्यम से व्याख्यान दिया।

प्रो. जितेंद्र कुमार जैन ने संचित अनुसंधान एवं नैतिक अनुसंधान प्रथाओं के संचालन के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध में अधिक योगदान देने के लिए दार्शनिक की तरह सोचने के बारे में सुझाव दिया।

प्रो. जैन ने शोध मानसिकता विकसित करने, समस्याओं पर चर्चा करने तथा आगमन और निग्नात्मक शोध पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं व्याख्यान के संयोजक डॉ. राजेंद्र मीणा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. मीणा ने बताया कि व्याख्यान से विद्यार्थी एवं शोधार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि विभाग में भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की शोध में रुचि में बढ़ौतरी होगी। इस अवसर पर विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, शोधार्थी संगीता, मोहित, अन्नू, प्रेरणा सहित विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

क्लाइमेट वैरिफेकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

तथ्यात्मक सूचनाएं ही फेक न्यूज से बचाव का समाधानः मयंक अग्रवाल

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ।

महेंद्रगढ़, 19 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव एवं डाटा लीड्स के संयुक्त तत्वावधान में क्लाइमेट वैरिफिकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को मौसम एवं पर्यावरण से जुड़े झूठे समाचारों की परख कैसे की जाए, इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद होते हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गूगल ट्रेनर एवं पर्यावरण पत्रकार मयंक अग्रवाल ने कहा कि दुनिया भर में गलत व भ्रमित करने वाली सूचनाओं की सुनामी है। डिजिटल मीडिया के प्रसार के कारण आज सूचनाओं का अंबार है। डिजिटल माध्यमों से झूठ भी फैलाया जा सकता है व इन्हीं माध्यमों से हम सही व गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं लोगों को भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों एवं पर्यावरण अध्ययन के विद्यार्थियों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन गलत सूचनाओं का मुकाबला तथ्यों के साथ-साथ विज्ञान के साथ करें।

उन्होंने कहा कि विज्ञान व उसके प्रमाणों के आधार पर ही झूठ को बेनकाब किया जा सकता है। उन्होंने वैरिफिकेशन की महत्ता बताते हुए वैरिफिकेशन के साधन भी बताए। मयंक अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में क्लाइमेट एक ऐसा विषय है जो अनेक विषयों से जुड़ा हुआ है। हमें किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता जांच लेनी चाहिए।

सूचना एवं खबरों की सत्यता जांचने के लिए उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक सूचना स्रोत एवं संस्थाओं के बारे में अवगत करवाया, जहां से तथ्यपरक सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

गलत व झूठी सूचनाएं समाज व दुनिया के लिए खतराः डॉ. अशोक

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि गलत व झूठी सूचनाएं किसी समाज व दुनिया के लिए खतरा हैं। डिजिटल माध्यमों के प्रसार के कारण हम सूचनाओं के विस्फोट के दौर में पहुंच गए हैं। जरूरत इस बात की है कि सत्य एवं गुणवत्तापूर्ण समाचार लोगों तक पहुंचें। भावी पत्रकारों को इसके लिए खुद को तैयार करने की जरूरत है।

पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि किसी भी विषय में संचार अति महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन के साथ-साथ पर्यावरण जर्नलिस्ट के रूप में भी समाज में अपना योगदान दे सकते हैं।

क्लाइमेट वैरिफिकेशन विषय पर आयोजित इस कार्यशाला से पर्यावरण विभाग के विद्यार्थी सटीक सूचनाओं को प्राप्त एवं प्रसारित करने के बारे में अवगत हुए। कार्यशाला के संयोजक आलेख एस. नायक ने मंच का संचालन किया।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में 10 देशों से 100 से अधिक प्रतिभागी होंगे शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर हकेंवि में होगी अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में 22 दिसंबर से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवॉर्डी प्रो. मैथलीशरण और प्रो. केहर सिंह की उपस्थिति रहेगी।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा सतत विकास के लिए जारी प्रयासों और समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित कांफ्रेंस के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि दो दिनों के इस आयोजन में 10 देशों के वैज्ञानिक व शिक्षाविद् शामिल होने जा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाला यह विमर्श अवश्य ही सकारात्मक परिणाम प्रदान करने वाला होगा। आयोजन के समापन सत्र में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटी) के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार जुड़ेंगे। सम्मेलन के संयोजक तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कांफ्रेंस में लगभग 10 देशों से 100 से अधिक वैज्ञानिक, विशेषज्ञ व प्रतिभागी शामिल होंगे। यह कांफ्रेंस फियाम के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

फियाम मुख्यतः एक गणितज्ञों का ग्रुप है जो कि विभिन्न जगह पर गणित विभाग के वैज्ञानिक काम कर रहे है। इस कांफ्रेंस के अंतर्गत विश्वविद्यालय में तीन स्थानों पर समानांतर सत्रों का आयोजन किया जाएगा। फियाम संगठन ने तकनीकी उन्नति तथा शोध में देश में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह संगठन सन 2018 से लगातार देश में विभिन्न जगह पर ऐसी कांफ्रेंस आयोजित कर रहा हैं। रक्षा, अनुसंधान एवं विकास संगठन और विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड केंद्र सरकार भी इस कांफ्रेंस में सहयोग कर रहे है।

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

स्वयंसेवक को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर लगाया गया। आजादी का अमृत महोत्सव थीम पर आधारित राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने रोजाना अलग विषय के साथ आसपास गांवों में जाकर आमजन को रैली, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूक किया। साथ ही सात दिवसीय शिविर मे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें देश के 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नीति तोमर को सम्मानित किया और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। सात दिवसीय शिविर में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा नीति तोमर ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। छात्रा को खेल प्रतियोगिता मे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एमडीयू में कार्यक्रम समन्वयक डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. राजकुमार और उपकुलपति प्रो. राजबीर सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया। संवाद

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

स्वयंसेवक को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर लगाया गया। आजादी का अमृत महोत्सव थीम पर आधारित राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने रोजाना अलग विषय के साथ आसपास गांवों में जाकर आमजन को रैली, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूक किया। साथ ही सात दिवसीय शिविर मे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें देश के 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नीति तोमर को सम्मानित किया और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। सात दिवसीय शिविर में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा नीति तोमर ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। छात्रा को खेल प्रतियोगिता मे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एमडीयू में कार्यक्रम समन्वयक डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. राजकुमार और उपकुलपति प्रो. राजबीर सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया। संवाद

जागरुकता • गूगल के सहयोग से क्लाइमेट वेरीफिकेशन पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

तथ्यात्मक सूचनाएं ही फेक न्यूज से बचाव का समाधान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव एवं डाटा लीड्स के संयुक्त तत्वावधान में क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को मौसम एवं पर्यावरण से जुड़े झूठे समाचारों की परख कैसे की जाए, इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद होते हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गूगल ट्रेनर एवं पर्यावरण पत्रकार मयंक अग्रवाल ने कहा कि दुनिया भर में गलत व भ्रमित करने वाली सूचनाओं की सुनामी है। डिजिटल मीडिया के प्रसार के कारण आज सूचनाओं का अंबार है। डिजिटल माध्यमों से झूठ भी फैलाया जा सकता है व इन्हीं माध्यमों से हम सही व गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं लोगों को भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों एवं पर्यावरण अध्ययन के विद्यार्थियों की यह जिम्मेवारी है कि वे इन गलत सूचनाओं को मुकाबला तथ्यों के साथ-साथ विज्ञान के साथ करें। उन्होंने कहा कि विज्ञान व उसके प्रमाणों के आधार पर ही झूठ को बेनकाब किया जा सकता है। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा गलत व झूठी सूचनाएं किसी समाज व दुनिया के लिए खतरा है। डिजिटल माध्यमों के प्रसार के कारण हम सूचनाओं के विस्फोट के दौर में पहुंच गए हैं। पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कहा किसी भी विषय में संचार अति महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन के साथ साथ पर्यावरण जर्नलिस्ट के रूप में भी समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर आयोजित इस कार्यशाला से पर्यावरण विभाग के विद्यार्थी सटीक सूचनाओं को प्राप्त एवं प्रसारित करने के बारे में अवगत हुए। कार्यशाला के संयोजक आलेख एस नायक ने मंच का संचालन किया व कार्यशाला के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यशाला के दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ।

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस कल से

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में 22 दिसंबर से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन होने जा रहा है। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कान्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रोफेसर मैथलीशरण तथा प्रोफेसर केहर सिंह की उपस्थिति रहेगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा सतत विकास के लिए जारी प्रयासों और समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

कुलपति ने कहा कि दो दिनों के इस आयोजन में भारत सहित 10 देशों के वैज्ञानिक व शिक्षाविद् शामिल होंगे। कुलपति ने कहा कि यह विमर्श सकारात्मक परिणाम प्रदान करने वाला होगा। आयोजन के समापन सत्र में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआइसीटी) के मेंबर सेक्रेटरी प्रोफेसर राजीव कुमार जुड़ेंगे। सम्मेलन के संयोजक तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में 10 देशों से 100 से अधिक वैज्ञानिक, विशेषज्ञ व प्रतिभागी शामिल होने जा रहे हैं।

राष्ट्रीय एकता शिविर में हकेंवि में स्वयंसेवक हुए शामिल

राष्ट्रीय एकता शिविर में हिस्सा लेकर लौटी हकेंवि की स्वयंसेवक को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव थीम पर आधारित राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने रोजाना अलग विषय के साथ आसपास के गांवों में जाकर आमजन को रैली, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूक किया। साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें देश के 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नीति तोमर को सम्मानित किया और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। नीति ने शिविर के दौरान स्वयं सेवको को योग अभ्यास करवाया और उससे होने वाले लाभों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

छात्रा को खेल प्रतियोगिता मे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एमडीयू मे कार्यक्रम समन्वयक डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर राजकुमार और उपकुलपति प्रो. राजबीर सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल, डा. अजयपाल वर्मा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर हकेंवि में होगा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 22 दिसंबर से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन होने जा रहा है। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रोफेसर मैथलीशरण तथा प्रोफेसर केहर सिंह की उपस्थिति रहेगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा सतत प्रयासों को महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर हकेंवि में होगी अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रैंस

महेंद्रगढ़, 20 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में 22 दिसम्बर से 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रैंस का आयोजन होने जा रहा है।

राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कॉन्फ्रैंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रोफैसर मैथलीशरण तथा प्रोफैसर केहर सिंह की उपस्थिति रहेगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा सतत विकास के लिए जारी प्रयासों और समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रैंस के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि 2 दिनों के इस आयोजन में भारत सहित 10 देशों के वैज्ञानिक व शिक्षाविद् शामिल होने जा रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाला यह विमर्श अवश्य ही सकारात्मक परिणाम प्रदान करने वाला होगा। आयोजन के समापन सत्र में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (ए.आई.सी.टी.) के मैंबर सैक्रेटरी प्रो. राजीव कुमार जुड़ेंगे।

सम्मेलन के संयोजक तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कॉन्फ्रैंस में लगभग 10 देशों से 100 से अधिक वैज्ञानिक, विशेषज्ञ व प्रतिभागी शामिल होने जा रहे हैं। यह कॉन्फ्रैंस फियाम के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

फियाम मुख्यत: एक गणितज्ञों का ग्रुप है जो कि विभिन्न जगह पर गणित विभाग के वैज्ञानिक काम कर रहे है। इस कॉन्फ्रैंस के अंतर्गत विश्वविद्यालय में 3 स्थानों पर समानांतर सत्रों का आयोजन किया जाएगा। प्रो. गुप्ता ने बताया कि रक्षा, अनुसंधान एवं विकास संगठन भारत सरकार तथा विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड भारत सरकार भी इस कॉन्फ्रैंस में उनका सहयोग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय एकता शिविर में हकेंवि स्वयंसेवक हुए शामिल

महेंद्रगढ़, 20 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव थीम पर आधारित राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने रोजाना अलग विषय के साथ आसपास गांवों में जाकर आमजन को रैली, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूक किया। साथ ही 7 दिवसीय शिविर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें देश के 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय एकता शिविर में हिस्सा लेकर लौटी हकेंवि की स्वयंसेवक को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नीति तोमर को सम्मानित किया और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अजयपाल वर्मा उपस्थित रहे। इस 7 दिवसीय शिविर में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा नीति तोमर ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

नीति तोमर ने शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को योग अभ्यास करवाया और योगाभ्यास से होने वाले लाभों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। छात्रा को खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एम.डी.यू. में कार्यक्रम समन्वयक डीन स्टूडैंट वैल्फेयर प्रो. राजकुमार और उप-कुलपति प्रो. राजबीर सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया।

डॉ. जांगड़ा को मिला 1250 डॉलर का अंतरराष्ट्रीय अनुदान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के औषधि विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा को मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) और दाना फाउंडेशन से 1250 अमरीकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुआ है। मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य मस्तिष्क अनुसंधान की प्रगति और लाभों के साथ-साथ तंत्रिका विज्ञान के बारे में जागरूकता पैदा करना और बढ़ाना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अशोक जांगड़ा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों और आसपास के ग्रामीणों में जीवन शैली विकल्पों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा जो विशेष रूप से न्यूरोसाइकिएट्रिक बीमारियों को रोकने में मददगार साबित होगा। विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि पेरिस स्थित संगठन आईबीआरओ तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1961 से दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित और प्रोत्साहित कर रहा है। दाना फाउंडेशन न्यूयार्क में स्थित एक निजी संगठन है जो न्यूरोसाइंस और नैतिकता, कानून, नीति, मानविकी और कला जैसे क्रॉस-अनुशासनात्मक चौराहों का समर्थन करके तंत्रिका विज्ञान और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि विभागीय शिक्षक की यह उपलब्धि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने में मददगार साबित होगी।

डॉ. अशोक जांगड़ा ने बताया कि स्कूल और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मस्तिष्क पर प्रश्नोत्तरी व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में हकेवि स्वयंसेवक हुए शामिल

महेंद्रगढ़ । हकेवि, महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव थीम पर आधारित राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने रोजाना अलग विषय के साथ आसपास गांवों में जाकर आमजन को रैली, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूक किया। साथ ही सात दिवसीय शिविर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें देश के 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नीति तोमर को सम्मानित किया और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अजयपाल वर्मा उपस्थित रहे। इस सात दिवसीय शिविर में विश्वविद्यालय की छात्रा नीति तोमर ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। नीति तोमर ने शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को योग अभ्यास करवाया और योगाभ्यास से होने वाले लाभों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। छात्रा को खेल प्रतियोगिता मे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एमडीयू मे कार्यक्रम समन्वयक डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर राजकुमार और उपकुलपति प्रो. राजबीर सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया।

हकेवि के संकाय सदस्य को मिला अंतरराष्ट्रीय अनुदान

विद्यार्थियों के लिए मस्तिष्क पर प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी : डॉ. अशोक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा को मस्तिष्क जागरुकता सप्ताह के आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) और दाना फाउंडेशन से 1250 अमरीकी डालर का अंतरराष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुआ है। मस्तिष्क जागरुकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य मस्तिष्क अनुसंधान की प्रगति और लाभों के साथ-साथ तंत्रिका विज्ञान के बारे में जागरुकता पैदा करना और बढ़ाना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अशोक जांगड़ा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों और आस-पास के ग्रामीणों में जीवन शैली विकल्पों के बारे में जागरुकता पैदा करेगा जो विशेष रूप से न्यूरोसाइकिएट्रिक बीमारियों को रोकने में मददगार साबित होगा।

विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि पेरिस स्थित संगठन आईबीआरओ तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1961 से दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित और प्रोत्साहित कर रहा है। दाना फाउंडेशन न्यूयॉर्क में स्थित एक निजी संगठन है जो न्यूरोसाइंस और नैतिकता, कानून, नीति, मानविकी और कला जैसे क्रॉस-अनुशासनात्मक चौराहों का समर्थन करके तंत्रिका विज्ञान और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि विभागीय शिक्षक की यह उपलब्धि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने में मददगार साबित होगी। डॉ. अशोक जांगड़ा ने बताया कि स्कूल और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मस्तिष्क पर प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता अलग से आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, जीवनशैली विकल्प और मस्तिष्क स्वास्थ्य विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी जिसमें विभिन्न प्रसिद्ध न्यूरोसाइंटिस्ट विशेषज्ञ जागरुकता हेतु प्रयास करेंगे। इस उपलब्धि के लिए डॉ. जांगड़ा ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान और विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार का उनके सहयोग और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया।

हकेंवि के संकाय सदस्य को मिला अंतरराष्ट्रीय अनुदान

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के औषधि विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डा. अशोक जांगड़ा को मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन और दाना फाउंडेशन से 1250 अमरीकी डालर का अंतरराष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुआ है। मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान है, जिसका उद्देश्य मस्तिष्क अनुसंधान की प्रगति और लाभों के साथ-साथ तंत्रिका विज्ञान के बारे में जागरूकता पैदा करना और बढ़ाना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डा. अशोक जांगड़ा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों और आस-पास के ग्रामीणों में जीवन शैली विकल्पों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा जो विशेष रूप से न्यूरोसाइकिएट्रिक बीमारियों को रोकने में मददगार साबित होगा। औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने कहा कि पेरिस स्थित संगठन आइबीआरओ तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1961 से दुनिया भर के युवा विज्ञानियों व शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित व प्रोत्साहित कर रहा है। दाना फाउंडेशन न्यूयार्क में स्थित एक निजी संगठन है जो न्यूरोसाइंस व नैतिकता, कानून, नीति, मानविकी और कला जैसे क्रास-अनुशासनात्मक चौराहों का समर्थन

सहायक आचार्य डा. अशोक जांगड़ा ●

करके तंत्रिका विज्ञान और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। डा. दिनेश कुमार ने कहा कि विभागीय शिक्षक की यह उपलब्धि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने में मददगार साबित होगी। डा. अशोक ने बताया कि स्कूल व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मस्तिष्क पर प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता अलग से आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, जीवनशैली विकल्प और मस्तिष्क स्वास्थ्य विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी जिसमें विभिन्न प्रसिद्ध न्यूरोसाइंटिस्ट विशेषज्ञ जागरूकता हेतु प्रयास करेंगे। इस उपलब्धि के लिए डा. जांगड़ा ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान और विभाग के प्रमुख डा. दिनेश का उनके सहयोग और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया।

हकेवि के संकाय सदस्य डॉ. अशोक जांगड़ा को मिला अंतरराष्ट्रीय अनुदान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा को मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) और दाना फाउंडेशन से 1250 अमरीकी डालर का अंतर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुआ है। मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य मस्तिष्क अनुसंधान की प्रगति और लाभों के साथ-साथ तंत्रिका विज्ञान के बारे में जागरूकता पैदा करना और बढ़ाना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अशोक जांगड़ा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों और आसपास के ग्रामीणों में जीवन शैली विकल्पों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा जो विशेष रूप से न्यूरोसाइकिएट्रिक बीमारियों को रोकने में मद्दगार साबित होगा। विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार व डॉ. अशोक जांगड़ा ने बताया कि स्कूल और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मस्तिष्क पर प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता अलग से आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, जीवनशैली विकल्प और मस्तिष्क स्वास्थ्य विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी जिसमें विभिन्न प्रसिद्ध न्यूरोसाइंटिस्ट विशेषज्ञ जागरूकता हेतु प्रयास करेंगे।

मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान

हकेंवि के संकाय सदस्य को मिला अंतर्राष्ट्रीय अनुदान

महेंद्रगढ़, 21 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा को मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आई.बी.आर.ओ.) और दाना फाऊंडेशन से 1250 अमरीकी डालर का अंतर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुआ है।

सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा।

मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य मस्तिष्क अनुसंधान की प्रगति और लाभों के साथ-साथ तंत्रिका विज्ञान के बारे में जागरूकता पैदा करना और बढ़ाना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अशोक जांगड़ा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों और आस-पास के ग्रामीणों में जीवन शैली विकल्पों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा जो विशेष रूप से न्यूरो साइकिएट्रिक बीमारियों को रोकने में मददगार साबित होगा।

विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश ने कहा कि पैरिस स्थित संगठन आई.बी.आर.ओ. तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1961 से दुनिया के युवा वैज्ञानिकों व शोधकर्त्ताओं को प्रशिक्षित और प्रोत्साहित कर रहा है।

दाना फाऊंडेशन न्यूयॉर्क में स्थित एक निजी संगठन है जो न्यूरोसाइंस और नैतिकता, कानून, नीति, मानविकी और कला जैसे क्रॉस-अनुशासनात्मक चौराहों का समर्थन करके तंत्रिका विज्ञान और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है।

हर क्षेत्र में गणितीय टूल्स का महत्व : कुलपति

हकेंवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ, देश-विदेश के 100 से अधिक विशेषज्ञ कर रहे प्रतिभाग

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरुआत हुई। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, केंद्र सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों की सराहनाकी। उन्होंने कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है।

जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों। आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता में समाजोपयोगी शोध की यही सोच निर्णायक भूमिका अदा करेगी। आयोजन

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की स्मारिका जारी करते मुख्यातिथि व शिक्षक। संवाद

में मुख्यातिथि के रूप में शामिल प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. केहर सिंह ने विभिन्न स्तर पर जारी विकास और उससे संबंधित गतिविधियों में गणित के प्रयोग और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केआर परदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्व बहुत अधिक है।

जर्मनी से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. एसी बेनम ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्तर पर गणित के उपयोग व उपयोगिता को स्पष्ट किया और इसके लिए योजनाबद्ध ढंग से शोध व नवाचार पर जोर दिया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर फियाम के सचिव डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. पिंकी व डॉ. प्रीति ने किया।

जबकि कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो. एके यादव ने किया और विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता के लिए प्रो. अनिल यादव, प्रो. फूल सिंह, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार की सराहना की।

जैव रसायन विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को मिली 48 लाख की अनुदान राशि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को 48 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्हें यह राशि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से अंतर्गभाशय अस्थानता या नियमित महामारी में आने वाली समस्याओं पर शोध करने के लिए प्राप्त हुई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन मौर्या की इस उपलब्धि पर उनको बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में निरंतर प्रयोग करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने भी प्रो. पवन मौर्या को उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रो. पवन मौर्या ने बताया कि काफी बार महिलाओं के अंडाशय के आसपास उत्तक इक्ट्ठे हो जाते है। इस कारण महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता के साथ ही बच्चेदानी का खराब होना या समय पर बच्चे न होना जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनके पास इसके बाद शल्य चिकित्सा या ऑपरेशन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है। उन्होंने बताया कि उनका शोध महिलाओं की इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर निदान करने में सहायक होगा। प्रो. मौर्या ने बताया कि भारत में इस समय लगभग 35 प्रतिशत महिलाएं इस प्रकार की समस्याओं का सामना कर रही हैं। इसके साथ ही इस समस्या से संबंधित महिलाओं की संख्या में लगातार वृद्धि भी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण ना केवल महिलाओं के व्यवहार में परिवर्तन आता है। वरन वह मातृत्व सुख से भी वंचित रह जाती है साथ ही उसको असहनीय पीड़ा से गुजरना पड़ता है। महिलाओं को इस समस्या के कारण काफी बार अन्य दूसरी समस्यायें भी उत्पन्न हो जाती है। उनका शोध इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर उसका निदान करने का कार्य करेगा। संवाद

जैव रसायन विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को मिली 48 लाख की अनुदान राशि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को 48 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्हें यह राशि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से अंतर्गर्भाशय अस्थानता या नियमित महामारी में आने वाली समस्याओं पर शोध करने के लिए प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन मौर्या की इस उपलब्धि पर उनको बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में निरंतर प्रयोग करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने भी प्रो. पवन मौर्या को उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रो. पवन मौर्या ने बताया कि काफी बार महिलाओं के अंडाशय के आसपास उत्तक इक्ट्ठे हो जाते है। इस कारण महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता के साथ ही बच्चेदानी का खराब होना या समय पर बच्चे न होना जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनके पास इसके बाद शल्य चिकित्सा या ऑपरेशन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है। उन्होंने बताया कि उनका शोध महिलाओं की इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर निदान करने में सहायक होगा। प्रो. मौर्या ने बताया कि भारत में इस समय लगभग 35 प्रतिशत महिलाएं इस प्रकार की समस्याओं का सामना कर रही हैं। इसके साथ ही इस समस्या से संबंधित महिलाओं की संख्या में लगातार वृद्धि भी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण ना केवल महिलाओं के व्यवहार में परिवर्तन आता है। वरन वह मातृत्व सुख से भी वंचित रह जाती है साथ ही उसको असहनीय पीड़ा से गुजरना पड़ता है। महिलाओं को इस समस्या के कारण काफी बार अन्य दूसरी समस्यायें भी उत्पन्न हो जाती है। उनका शोध इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर उसका निदान करने का कार्य करेगा। संवाद

आत्मनिर्भर भारत के लिए समाज उपयोगी शोध आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में फियाम 2022 दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की हुई शुरुआत, देश-विदेश के 100 से अधिक विशेषज्ञ करेंगे प्रतिभागिता

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में वीरवार को फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरूआत हुई। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रोफेसर मैथिलीशरण तथा प्रोफेसर केहर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्त्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों।

प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों में गणित का प्रयोग देखने को मिलता है। प्रो. के. आर. परदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्त्व बहुत अधिक है। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

फियाम के सचिव डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात कांफ्रेंस की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. पिंकी व डॉ. प्रीति ने किया जबकि कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो. ए.के. यादव ने किया और विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता के लिए प्रो. अनिल यादव, प्रो. फूल सिंह, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार का आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की स्मारिका जारी करते मुख्य अतिथि व शिक्षकगण।

एंडोमीट्रिओसिस पर शोध के लिए हकेवि के प्रोफेसर पवन मौर्या को मिली ग्रांट

महेंद्रगढ़ | हकेवि के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को 48 लाख रुपए की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्हें यह राशि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई

दिल्ली की ओर से अंतर्गर्भाशय अस्थानता या नियमित माहमारी में आने वाली समस्याओं पर शोध करने के लिए प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने उनको बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में निरंतर प्रयोग करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास है। उन्होंने कहा कि उनको यकीन है कि पवन मौर्या का यह शोध महिलाओं के विकास में अहम साबित होगा और महिलाओं को अंतर्गर्भाशय नामक बीमारी से निजात दिलाने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि अनुदान राशि से वे इस शोध पर विस्तारपूर्वक तीन साल के लिए कार्य कर पाएंगे और इस समस्या का समाधान देश के सामने प्रस्तुत करेंगे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन प्रोफेसर नीलम सांगवान ने भी प्रोफेसर पवन मौर्या को उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

आत्मनिर्भर भारत के लिए समाजोपयोगी शोध बहुत आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बृहस्पतिवार को फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस की शुरुआत हुई। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रो. मैथिलीशरण और प्रो. केहर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं।

कुलपति ●

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रो. केहर सिंह ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कान्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्त्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों। आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता में समाजोपयोगी शोध की यही सोच निर्णायक भूमिका अदा करेगी। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों में गणित का प्रयोग देखने को मिलता है। इसलिए आज के समय में इसकी व्यावहारिक उपयोगिता सर्वाधिक है और इसमें उपलब्ध संभावनाओं का अधिकतम लाभ उठाना होगा। प्रो. केहर सिंह ने विभिन्न स्तर पर जारी विकास और उससे संबंधित गतिविधियों में गणित के प्रयोग और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केआर परदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्त्व बहुत अधिक है। फियाम पिछले पांच वर्षों से गणित के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और इस बार हकेंवि में इस क्षेत्र से जुड़े विद्वान एकत्र हो रहे हैं। इसी क्रम में जर्मनी से आनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. एसी बेनम ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्तर पर गणित के उपयोग व उपयोगिता को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। फियाम के सचिव डा. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात कांफ्रेंस की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डा. पिंकी व डा. प्रीति ने किया और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. कपिल कुमार का आभार व्यक्त किया।

शोध के लिए प्रो. पवन को मिली 48 लाख की अनुदान राशि

संस, महेंद्रगढ़: हकेंवि के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को 48 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्हें यह राशि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से अंतर्गर्भाशय अस्थानता या नियमित माहमारी में आने वाली समस्याओं पर शोध करने के लिए प्राप्त हुई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन मौर्या की इस उपलब्धि पर उनको बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में निरंतर प्रयोग करना जारी रखेगा।

उनको यकीन है कि पवन मौर्या का यह शोध महिलाओं के विकास में अहम साबित होगा और महिलाओं को अंर्तगर्भाशय नामक बीमारी से निजात दिलाने में मददगार साबित होगा। अनुदान राशि से वे इस शोध पर विस्तारपूर्वक तीन साल के लिए कार्य कर पाएंगे और इस समस्या का समाधान देश के सामने प्रस्तुत करेंगे। विश्वविद्यालय केस्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने भी प्रो. पवन मौर्या को उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रो. पवन मौर्या ने बताया कि काफी बार महिलाओं के अंडाशय के आसपास उत्तक एकत्रित

प्रो. पवन मौर्या

हो जाते हैं। इस कारण महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता के साथ ही बच्चेदानी का खराब होना या समय पर बच्चें न होना जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनके पास इसके बाद शल्य चिकित्सा या आप्रेशन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है। उनका शोध महिलाओं की इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर निदान करने में सहायक होगा।

देश में इस समय लगभग 35 प्रतिशत महिलाएं इस प्रकार की समस्याओं का सामना कर रही हैं। साथ ही इस समस्या से संबंधित महिलाओं की संख्या में लगातार वृद्धि भी हो रही है। महिलाओं को इस समस्या के कारण काफी बार अन्य दूसरी समस्यायें भी उत्पन्न हो जाती है। उनका शोध इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर उसका निदान करने का कार्य करेगा ताकि महिलाओं को जीवन में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

हकेंवि में फियाम-2022 दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस शुरू

आत्मनिर्भरता के लिए समाज उपयोगी शोध जरूर : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय गुरुवार को फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरूआत हुई। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रो. मैथिलीशरण तथा प्रो. केहर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों। कुलपति ने इस आयोजन को इस दिशा में जारी प्रयासों को बल प्रदान करने वाला बताया और कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता में समाजोपयोगी शोध की यही सोच निर्णायक भूमिका अदा करेगी। कुलपति ने इस आयोजन में सम्मिलित हुए विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। आयोजन में मुख्यातिथि के रूप में शामिल प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों में गणित का प्रयोग देखने को मिलता है। इसलिए आज के समय में इसकी व्यावहारिक उपयोगिता सर्वाधिक है और इसमें उपलब्ध संभावनाओं का अधिकतम लाभ उठाना होगा। इसी क्रम में आयोजन के दूसरे मुख्य अतिथि प्रो. केहर सिंह ने विभिन्न स्तर पर जारी विकास और उससे संबंधित गतिविधियों में गणित के प्रयोग और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके बिना हमारे लिए किसी भी स्तर पर आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केआर प्रदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्व बहुत अधिक है। इसी क्रम में जर्मनी से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. एसी बेनम ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्तर पर गणित के उपयोग व उपयोगिता को स्पष्ट किया और इसके लिए योजनाबद्ध ढ़ंग से शोध व नवाचार पर जोर दिया।

महेंद्रगढ़। अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की स्मारिका जारी करते मुख्यातिथि व अन्य।

100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे एहे

गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर फियाम के सचिव डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात कांफ्रेंस की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. पिंकी व डॉ. प्रीति ने किया जबकि कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो. एके यादव ने किया और विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता के लिए प्रो. अनिल यादव, प्रो. फूल सिंह, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार का आभार व्यक्त किया।

हकेंवि के प्रोफेसर पवन मौर्या को मिली ग्रांट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को 48 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्हें यह राशि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से अंतर्गर्भाशय अस्थानता या नियमित माहमारी में आने वाली समस्याओं पर शोध करने के लिए प्राप्त हुई है।

एंडोमीट्रिओसिस पर शोध के लिए प्रो. पवन मौर्या को मिली ग्रांट

महेंद्रगढ़, 22 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को 48 लाख रुपए की अनुदान राशि प्राप्त हुई है।

प्रो. पवन मौर्या।

उन्हें यह राशि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से अंतर्गर्भाशय अस्थानता में आने वाली समस्याओं पर शोध करने के लिए प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन मौर्या की इस उपलब्धि पर उनको बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में निरंतर प्रयोग करना जारी रखेगा। विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास है।

उन्होंने कहा कि उनको यकीन है कि पवन मौर्या का यह शोध महिलाओं के विकास में अहम साबित होगा और महिलाओं को अंतर्गर्भाशय नामक बीमारी से निजात दिलाने में मददगार साबित होगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने भी प्रो. पवन मौर्या को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

स्वामी श्रद्धानन्द की पुण्यतिथि पर हवन-यज्ञ का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अमर शहीद स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ व संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हवन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने सहभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संदेश के माध्यम से स्वामी श्रद्धानंद के जीवन से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के आचार्य प्रो. रणवीर सिंह के निर्देशन में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल व सहायक आचार्य डॉ. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी व सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह, अंग्रेजी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार, हिन्दी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. बीरपाल सिंह, सह-आचार्य डॉ. कामराज सिन्धु व डॉ. कमलेश, पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्कृत, योग व हिन्दी विभाग के शोधार्थी व विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

देवयज्ञ शुद्ध वैदिक रीति से सम्पादित हुआ तथा कार्यक्रम के अन्त में प्रो. रणवीर सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया तथा स्वामी श्रद्धानन्द जी के जीवन-दर्शन, योगदान व विशिष्ट कार्यों से परिचित करवाया।

हकेवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस समापन

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुक्रवार का समापन हो गया। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के समापन सत्र में मैसूरी यूनिवर्सिटी साईंस एंड तकनीक, अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. शामिल हुए। दो दिनों तक चले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञों एवं विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार ने उपयोगी बताया और बच्चों में गणित के प्रति रूचि प्रारंभ से विकसित करने पर जोर दिया। साउथ एशिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में प्रोफेसर तथा कार्यकारी प्रधान डॉ. रंजन कुमार ने कहा कि हर्ष का विषय है कि कांफ्रेंस में कम्प्यूटेशनेल गणित पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि आने वाला समय इसी का है। मैसूरी यूनिवर्सिटी साईंस एंड तकनीक अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. ने कहा कि जिस तरह से वैदिक गणित में भविष्यवाणी संभव थी, उसी प्रकार से हम आज के समय भी तार्किक डाटा एकत्र करके भविष्यवाणी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मशीन लर्निंग, डाटा साईंस और डीप लर्निंग बिना गणित के संभव नहीं है। प्रो. संजय ने कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावना होगी।

विश्वविद्यालय में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने कांफ्रेंस के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और बताया कि दो दिवसीय इस कांफ्रेंस में कुल 148 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस में मिशिनगन यूनिवर्सिटी, जर्मनी विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की सहित देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के गणितज्ञों व विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने कहा कि कांफ्रेंस में 18 से ज्यादा सत्रों का आयोजन किया गया। जिनमें कम्यूटेशनल फल्यूड डाइनामिक, आप्रेशन रिसर्च, न्यूमेरिकल तकनीक, रिलायबिल्टी थ्योरी, डेटा साईंस, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्रिप्टोग्राफी, एडवांस स्केनिंग, प्रोब माइक्रो स्पोकिंग, आप्रेटर थ्योरी और सांख्कीय सहित तमाम विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

'डिजिटल करंसीज एंड द न्यू ग्लोबल फाइनैंशियल सिस्टम' पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़, 23 दिसम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. रंजन अनेजा व एस.जी.एच. वरसाव स्कूल ऑफ इकनोमिक्स के रॉबर्ट डाग्स द्वारा संपादित पुस्तक 'डिजिटल करंसीज एंड द न्यू ग्लोबल फाइनैंशियल सिस्टम' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक अकादमिक पेशेवरों के साथ-साथ आर्थिक क्षेत्र में डिजिटल करंसी व फाइनैंस से संबंधित क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं पेशेवरों के लिए बेहद उपयोगी व प्रासंगिक है।

पुस्तक की पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए पुस्तक के संपादक प्रो. रंजन अनेजा ने कहा कि यह पुस्तक डिजिटल करंसी के बढ़ते प्रयोग और उसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फाइनैंशियल सिस्टम में आ रहे बदलावों पर विस्तार से प्रकाश डालती है।

प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि इस पुस्तक में यूरोप और एशिया केंद्रित विश्वविद्यालयों में डिजिटल करंसी और न्यू ग्लोबल फाइनैंशियल सिस्टम पर विस्तार से अध्ययन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि डिजिटल करंसी और उससे आए बदलावों ने इस दिशा में विश्व स्तर पर शोधार्थियों को अध्ययन हेतु आकर्षित किया है।

अपने इस अध्याय में भी हमने इस विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला है जैसे कि क्रिप्टो करंसी, आई.एम.एफ. इत्यादि को भी इस कार्य में शामिल किया गया है। प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि इस पुस्तक में विश्व स्तर के कई विशेषज्ञों ने योगदान दिया है।

स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि पर किया हवन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में अमर शहीद स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ व संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हवन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने सहभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संदेश के माध्यम से स्वामी श्रद्धानंद के जीवन से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के आचार्य प्रो. रणवीर सिंह के निर्देशन में आयोजित हवन कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल व सहायक आचार्य डॉ. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी, सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह, अंग्रेजी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। संवाद

हकेंवि

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन, दो दिन 10 देशों के 100 से अधिक गणितज्ञों ने किए अनुभव साझा

तार्किक डाटा एकत्र करके कर सकते हैं भविष्यवाणी : प्रो. संजय

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का समापन हो गया। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के समापन सत्र में मैसूरी यूनिवर्सिटी साइंस एंड तकनीक, अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. शामिल हुए। दो दिनों तक चले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञों एवं विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपयोगी बताया और बच्चों में गणित के प्रति रुचि प्रारंभ से विकसित करने पर जोर दिया। साउथ एशिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में प्रोफेसर तथा कार्यकारी प्रधान डॉ. रंजन कुमार ने कहा कि हर्ष का विषय है कि कांफ्रेंस में कम्प्यूटेशनेल गणित पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। मैसूरी यूनिवर्सिटी साइंस एंड तकनीक अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. ने कहा कि जिस तरह से वैदिक गणित में भविष्यवाणी संभव थी, उसी प्रकार से हम आज के समय भी तार्किक डाटा एकत्र करके भविष्यवाणी कर सकते हैं। मशीन लर्निंग, डाटा साइंस और डीप लर्निंग बिना गणित के संभव नहीं है। प्रो. संजय ने कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावना होगी। विश्वविद्यालय में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने कांफ्रेंस के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और बताया कि दो दिवसीय इस कांफ्रेंस में कुल 148 पेपर प्रस्तुत किए गए।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र के दौरान उपस्थित प्रतिभागी। संवाद

कांफ्रेंस में मिशिनगन यूनिवर्सिटी, जर्मनी विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की सहित देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के गणितज्ञों व विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। कांफ्रेंस में 18 से ज्यादा सत्रों का आयोजन किया गया।

फियाम का एक ही लक्ष्य है कि गणित को किस तरह से हर घर पहुंचाया जाए और किस तरह से गणित की एप्लीकेशन का प्रयोग समाज के कल्याण में किया जाए। कांफ्रेंस के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. रंजन अनेजा व एसजीएच वरसाव स्कूल ऑफ इकनोमिक्स के रॉबर्ट डाग्स द्वारा संपादित पुस्तक डिजिटल करंसीज एंड द न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक अकादमिक पेशेवरों के साथ-साथ आर्थिक क्षेत्र में डिजिटल करंसी व फाइनेंस से संबंधित क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं पेशेवरों के लिए बेहद उपयोगी व प्रासंगिक है। प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि इस पुस्तक में यूरोप और एशिया केंद्रित विश्वविद्यालयों में डिजिटल करंसी और न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम पर विस्तार से अध्ययन किया गया है। संवाद

स्वामी श्रद्धानन्द की पुण्यतिथि पर हुआ हवन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में अमर शहीद स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ व संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हवन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने सहभागिता की।

स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के आचार्य प्रो. रणवीर सिंह के निर्देशन में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल व सहायक आचार्य डॉ. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी व सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह, अंग्रेजी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार, हिन्दी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. बीरपाल सिंह, सह-आचार्य डॉ. कामराज सिन्धु व डॉ. कमलेश, पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्कृत, योग व हिन्दी विभाग के शोधार्थी व विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

स्वामी श्रद्धानन्द की पुण्यतिथि पर हुआ हवन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में अमर शहीद स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ व संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हवन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने सहभागिता की।

स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के आचार्य प्रो. रणवीर सिंह के निर्देशन में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल व सहायक आचार्य डॉ. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी व सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह, अंग्रेजी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार, हिन्दी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. बीरपाल सिंह, सह-आचार्य डॉ. कामराज सिन्धु व डॉ. कमलेश, पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्कृत, योग व हिन्दी विभाग के शोधार्थी व विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि पर हवन आयोजित

महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में बलिदानी स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ व संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित हवन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने सहभागिता की। स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के आचार्य प्रो. रणवीर सिंह के निर्देशन में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डा. अजयपाल व सहायक आचार्य डा. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डा. सुमन रानी व सहायक आचार्य डा. देवेन्द्र सिंह, अंग्रेजी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डा. संजीव कुमार, हिन्दी विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डा. बीरपाल सिंह, सह-आचार्य डा. कामराज सिंधु व डा. कमलेश, पत्रकारिता विभाग के डा. सुरेन्द्र कुमार रूप से उपस्थित रहे। (संस)

डिजिटल करेंसी पर प्रकाशित पुस्तक का हुआ विमोचन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. रंजन अनेजा व एसजीएच वरसाव स्कूल आफ इकनोमिक्स के राबर्ट डाग्स द्वारा संपादित पुस्तक 'डिजिटल करंसीज एंड द न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक अकादमिक पेशेवरों के साथ-साथ आर्थिक क्षेत्र में डिजिटल करंसी व फाइनेंस से संबंधित क्षेत्र में अध्यनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं पेशेवरों के लिए बेहद उपयोगी व प्रासंगिक है। पुस्तक की पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए, पुस्तक के संपादक प्रो. रंजन अनेजा ने कहा कि यह पुस्तक डिजिटल करंसी के बढ़ते प्रयोग और उसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फाइनेंशियल सिस्टम में आ रहे बदलावों पर विस्तार से प्रकाश डालती है।

प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि इस पुस्तक में यूरोप और एशिया केंद्रित विश्वविद्यालयों में डिजिटल करंसी और न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम पर विस्तार से अध्ययन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि डिजिटल करंसी और उससे आए बदलावों ने इस दिशा में विश्व स्तर पर शोधार्थियों को अध्ययन हेतु आकर्षित किया है। अपने इस अध्याय में भी हमने इस विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला है जैसे कि क्रिप्टो करंसी, आइएमएफ इत्यादि को भी इस कार्य में शामिल किया गया है। इस पुस्तक में विश्व स्तर के कई विशेषज्ञों ने योगदान दिया है।

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का हुआ समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुक्रवार का समापन हो गया। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के समापन सत्र में मैसूरी यूनिवर्सिटी साईंस एंड तकनीक, अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. शामिल हुए। दो दिनों तक चले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञों एवं विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपयोगी बताया और बच्चों में गणित के प्रति रूचि प्रारंभ से विकसित करने पर जोर दिया। साउथ एशिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में प्रोफेसर तथा कार्यकारी प्रधान डा. रंजन कुमार ने कहा कि हर्ष का विषय है कि कांफ्रेंस में कंप्यूटेशनेल गणित पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। मैसूरी यूनिवर्सिटी साइंस एंड तकनीक अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. ने कहा कि हम आज के समय भी तार्किक डाटा एकत्र करके भविष्यवाणी कर सकते हैं।

हकेवि के सूक्ष्मजीव विज्ञान के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने चण्डीगढ़, सोलन और शिमला के प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया। तीन दिवसीय इस आयोजन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने सीएसआईआर-माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़; आईसीएआर-मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश और आईसीएआर-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला, हिमाचल प्रदेश का भ्रमण किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को शोध, नवाचार व अध्ययन की नई संभावनाओं के प्रति जागरूक करता है।

अवश्य ही इस भ्रमण के माध्यम से सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध नई संभावनाओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी। तीन दिवसीय इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह और जैवरसायन विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. उषा नागराजन भी शामिल रहे। प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों ने सीएसआईआर-माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़ में द माइक्रोबियल टाइप कल्चर कलेक्शन और जीन बैंक (एमटीसीसी) की सुविधाओं से अवगत हुए। इसी क्रम में आईसीएआर-मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश में विद्यार्थियों ने मशरूम की खेती द्वारा उद्यमिता के गुर सीखे।

इसी क्रम में आईसीएआर-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला, हिमाचल प्रदेश में विद्यार्थियों ने हाइड्रोपोनिक्स तकनीक के माध्यम से आलू की खेती से परिचित हुए और यह तकनीक विद्यार्थियों के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

शैक्षणिक भ्रमण

हकेंविवि के दल ने किया चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के संस्थानों का दौरा

विद्यार्थियों ने तलाशीं अध्ययन की संभावनाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़, सोलन और शिमला के प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया। तीन दिवसीय आयोजन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने सीएसआईआर माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान (आईएमटेक) चंडीगढ़, आईसीएआर मशरूम अनुसंधान निदेशालय सोलन हिमाचल प्रदेश और आईसीएआर केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) शिमला हिमाचल प्रदेश का भ्रमण किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को शोध, नवाचार व अध्ययन की नई संभावनाओं के प्रति जागरूक करता है। अवश्य ही इस भ्रमण के माध्यम से सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध नई संभावनाओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान हकेंविवि के विद्यार्थी एवं शिक्षक। संवाद

तीन दिवसीय इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह और जैव रसायन विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. उषा नागराजन भी शामिल रहे। प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों ने सीएसआईआर माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान (आईएमटेक) चंडीगढ़ में द माइक्रोबियल टाइप कल्चर कलेक्शन और जीन बैंक (एमटीसीसी) की जानकारी हासिल की। इसी क्रम में आईसीएआर मशरूम अनुसंधान निदेशालय सोलन हिमाचल प्रदेश में विद्यार्थियों ने मशरूम की खेती द्वारा उद्यमिता के गुर सीखे। इसी क्रम में आईसीएआर केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) शिमला हिमाचल प्रदेश में विद्यार्थियों ने हाइड्रोपोनिक्स तकनीक के माध्यम से आलू की खेती देखी।

विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान और प्रशिक्षण स्टेशन (आरएचआर एंड टीएस) और भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान शिमला का भी दौरा किया। विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक भ्रमण की स्वीकृति हेतु विश्वविद्यालय कुलपति व प्रशासन का धन्यवाद किया।

एसडी स्कूल में दैनिक भास्कर की ओर से जलसा कार्यक्रम के तहत का प्रतिभा खोज कार्यक्रम का किया गया आयोजन

एकल नृत्य में आरपीएस महेंद्रगढ़ व समूह नृत्य में जेएनवी करीरा की टीम रही प्रथम

एसडी स्कूल के विद्यार्थियों का ग्रुप डांस कार्यक्रम में रहा आकर्षण का केन्द्र

भास्कर न्यूज | कनीना

एसडी विद्यालय ककराला में शनिवार को दैनिक भास्कर के सौजन्य से कला प्रतिभा खोज कार्यक्रम जलसा का आयोजन किया गया। जिसमें महेंद्रगढ़ व कनीना के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केविवि के वाइस चांसलर प्रो. टंकेश्वर कुमार व अति विशिष्ट अतिथि डीएसपी रनवीर सिंह, अतिथि इंस्पेक्टर संतोष कुमार, सब इंस्पेक्टर ब्रह्मजीत सिंह सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

एसडी विद्यालय के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। जिसके बाद विभिन्न विद्यालयों से उपस्थित प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। विद्यालय में चल रही एनसीसी यूनिट के केडेट्स द्वारा मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट अतिथियों को सलामी दी गई। प्रतियोगिता में आरपीएस महेन्द्रगढ़, श्री कृष्णा स्कूल महेन्द्रगढ़, जेएनवी करीरा, यूरो इंटरनेशनल स्कूल कनीना, केपीएस गुढ़ा, ओपीवाई वर्ल्ड स्कूल भड़फ, एसआर टीआरएस स्कूल सुरजनवास, यदुवंशी स्कूल कनीना, ज्ञानकोष स्कूल खरकडावास, देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के विद्यार्थी व स्टाफ उपस्थित रहा। प्रतियोगिता का आयोजन दो चरण एकल एवं समूह नृत्य में किया गया। एकल नृत्य में आरपीएस महेंद्रगढ़ ने प्रथम, जेएनवी करीरा ने द्वितीय व यदुवंशी स्कूल कनीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में सांत्वना पुरस्कार के लिए देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल, केपीएस गुढ़ा व एसआर टीआरएस स्कूल सुरजनवास को चुना गया।

समूह नृत्य में जेएनवी करीरा की टीम ने प्रथम स्थान, आरपीएस महेंद्रगढ़ की टीम ने द्वितीय स्थान यदुवंशी स्कूल कनीना की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। समूह नृत्य में सांत्वना पुरस्कार में यूरो इंटरनेशनल स्कूल कनीना, देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल व एसआर टीआरएस स्कूल सुरजनवास की टीम को चुना गया। कार्यक्रम में एसडीवमा विद्यालय ककराला व खेडी तलवाना के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य में सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिसकी सभी उपस्थित सदस्यों ने बहुत प्रशंसा की। दोनों विद्यालयों की टीम प्रतियोगिता से बाहर रही।

कार्यक्रम में सीएमओ डॉ जितेंद्र मोरवाल, डॉ. बुधप्रकाश, बार प्रधान ओपी यादव, सरपंच पूनम शास्त्री, सुशील मित्तल, डॉक्टर पवन कांगड़ा, लतिका कांगड़ा, श्रीभगवान गौतम कनीना, राकेश गुप्ता कनीना, होशियार सिंह यादव, सज्जन बोहरा, मनोज शर्मा, सुरेश वशिष्ठ कनीना, महेंद्र सिंह सेन कनीना, हैडमास्टर सत्यप्रकाश कनीना भड़फ स्कूल, डॉक्टर रमेश कनीना, महेंद्र सिंह कनीना, बाबूलाल यादव सुपरिंटेंडेंट, हैडमास्टर राजकुमार, संजय लखेरा, सरपंच रामनिवास बंसल तलवाना, सूबेदार अनुपाल सिंह तलवाना, नंदलाल पंच तलवाना, सरपंच मुकेश सोनी झगड़ोली सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है : प्रो. टंकेश्वर

मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर ने बताया कि इस क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें तरासने की आवश्यकता है। यहां के विद्यार्थी सांस्कृतिक गतिविधियों, खेलों, शिक्षा एवं अन्य सामाजिक कार्यों में विशेष प्रदर्शन करते हुए कड़े परिश्रम के साथ ज्ञान का लोहा मनवाते हैं। जिस कारण से यह क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोतम स्थान रखता है। विद्यालय निदेशक जगदेव यादव ने मुख्यातिथि, विशिष्ठ अतिथि व विभिन्न गांवों से आए सरपंचों, पंचों अभिभावकों व अन्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा बताया कि नृत्य भी मानवीय अभिव्यक्तियों का रसमय प्रदर्शन है। यह एक सार्वभौम कला है। जिसका जन्म मानव जीवन के साथ हुआ है आज के कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने भारतीय संस्कृति के साथ-2 हरियाणवीं संस्कृति को प्रदर्शित किया है। कलाकार शब्दों एवं शारीरिक गतिविधियों में अपनी कला को प्रदर्शित करता है। विद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा एवं खेल पर विशेष ध्यान दिया जाता है जो कि पूर्ण शिक्षा का द्योतक है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि व प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट वरिष्ठ अधिवक्ता ने दैनिक भास्कर का जताया आभार

कार्यक्रम में पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट वरिष्ठ अधिवक्ता सतनारायण यादव ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इस प्रकार की गति विधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एसडी विद्यालय की तरफ से कार्यक्रम को लेकर की गई तैयारियों को लेकर निदेशक जगदेव यादव सहित संपूर्ण स्टाफ की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने दैनिक भास्कर की तरफ से इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करवाने पर संपादक व अन्य उच्च मैनेजमेंट का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से दैनिक भास्कर अपने पाठकों के लिए सही व सटीक खबरें लाकर अपनी पहचान बनाए हुए है अब इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भी अपनी प्रतिभा का परिचय देने व उनकी कला को निखारने में अपना योगदान दे रहा है जो सराहनीय है।

समूह नृत्य में जेएनवी करीरा ने हासिल किया प्रथम स्थान

संवाद सहयोगी, कनीना: एसडी विद्यालय ककराला में विभिन्न विद्यालयों ने कला प्रतिभा खोज कार्यक्रम जलसा में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा को दीप प्रज्वलित कर किया।

विद्यालय में चल रही एनसीसी यूनिट के कैडेट्स द्वारा मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट अतिथियों को सलामी दी गई। प्रतियोगिता में आरपीएस महेंद्रगढ़, श्री कृष्णा स्कूल महेंद्रगढ, जेएन वी करीरा, यूरो इंटरनेशनल स्कूल कनीना, केपीएस गुढा, ओपी वाई वर्ल्ड स्कूल भडफ, एसआर टीआरएस स्कूल सुरजनवास, यदुवंशी स्कूल कनीना, ज्ञानकोष स्कूल खरकडावास, देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के छात्र व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन दो चरण

एसडी स्कूल ककराला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी ● जागरण

एकल एवं समूह नृत्य में किया गया।

एकल नृत्य में प्रथम स्थान आरपीएस महेंद्रगढ़ व द्वितीय स्थान जेएनवी करीरा एवं तृतीय स्थान यदुवंशी स्कूल कनीना ने प्राप्त किया। समूह नृत्य में प्रथम स्थान जेएनवी करीरा, द्वितीय स्थान आरपीएस महेंद्रगढ़ एवं तृतीय स्थान यदुवंशी स्कूल कनीना ने प्राप्त किया। एकल नृत्य में सांत्वना पुरस्कार के लिए देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल, केपीएस गुढा व एसआर टीआरएस स्कूल सुरजनवास को चुना गया। समूह नृत्य में सांत्वना पुरस्कार यूरो इंटरनेशनल कनीना, देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल व एसआर टीआरएस स्कूल सुरजनवास को चुना गया। एसडी विद्यालय ककराला व खेड़ी तलवाना के विद्यार्थियों द्वारा समूह नृत्य द्वारा सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रो. टंकेश्वर ने बताया कि क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें तराशने की आवश्यकता है। यहां के विद्यार्थी सांस्कृतिक गतिविधियों खेलों, शिक्षा एवं अन्य सामाजिक कार्यों में विशेष प्रदर्शन करते हुए कड़े परिश्रम के साथ ज्ञान का लोहा मनवाते हैं। जिस कारण से यह क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम स्थान रखता है। मुख्य अतिथि द्वारा एसडी विद्यालय के विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों व विद्यालय प्रबंधन की भूरी भूरी प्रशंसा कि गई। विद्यालय निदेशक जगदेव यादव ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व विभिन्न गांवों के सरपंच, पंचों, अभिभावकों व अन्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

हकेंवि के सूक्ष्मजीव विज्ञान के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़, सोलन और शिमला के प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया। तीन दिवसीय इस आयोजन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने सीएसआईआर-माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़ आईसीएआर-मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश और आईसीएआर-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला, हिमाचल प्रदेश का भ्रमण किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की पहल की सराहना की।

सिक्किम के महामहिम राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हकेवि में किया कल्पना चावला महिला छात्रावास का उद्घाटन

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण आवश्यक : गंगा प्रसाद

■ कुलपति ने भारत के विकास में युवाओं के योगदान को बताया महत्त्वपूर्ण

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है और इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुनः अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रवासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। यह विचार सिक्किम के महामहिम राज्यपाल माननीय गंगा प्रसाद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने भारत की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. पवन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास के उद्घाटन व जी20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर भारत की ख्याति का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत समूचे विश्व के समक्ष मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जो संकल्प लिया है उसके परिणाम स्वरूप भारत को अपने पुरातन गौरव को पुनः प्राप्त करने का अवसर मिला है।

भारत की संस्कृति बेहद प्राचीन है और समय-समय पर भारतीयों ने विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। आज समय भारत को नई शिक्षा नीति के माध्यम से पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने हेतु योगदान देने का है। जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। इसलिए गीता की धरती हरियाणा पर संकल्प लें युवा आगे बढ़ें और विश्व को शांति का संदेश देते हुए भारत निर्माण में सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर गंगा प्रसाद ने सभी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का संकल्प लेने और महापुरूषों के जीवन से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय कुलपति ने गंगा प्रसाद जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उनका सदैव कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन-अध्यापन के लिए तैयार है। कुलपति ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाजोपयोगी शोध के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा का पावन धरती पर ही भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। जिसने विश्व को जीने की राह दिखाई। कुलपति ने अपने संबोधन में वीर बाल दिवस का उल्लेख करते हुए उन बलिदानी वीरों के बलिदान का भी स्मरण कराया।

कुलपति ने जी20 सम्मेलन को एक महत्त्वपूर्ण अवसर बताते हुए युवाओं को भारत में डिजिटल डिप्लोमेसी की दिशा में आगे बढ़ने और विश्व स्तर पर योगदान के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में गंगा प्रसाद द्वारा उद्घाटित नवनिर्मित छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास में 315 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि लगभग 20 करोड़ रूपए की लागत से यह छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। छात्रावास में छात्राओं के लिए लिफ्ट, जीम, अतिथि कक्ष आदि की सुविधा भी उपलब्ध है।

कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. पावल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. ए.पी. शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हकेंवि में किया कल्पना चावला महिला छात्रावास का उद्घाटन

देश को विश्व गुरु बनाने के लिए महिला शिक्षा, सशक्तीकरण आवश्यक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है और इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुनः अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रयासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। यह विचार सिक्किम के महामहिम राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने देश की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और

सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तीकरण पर विशेष जोर देना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. पवन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास के उद्घाटन व जी-20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर भारत की ख्याति का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत समूचे विश्व के समक्ष मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है। आज के समय देयर को नई शिक्षा नीति के माध्यम से पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने हेतु योगदान देने का है जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

विश्वविद्यालय कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति का ब्योरा प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन-अध्यापन के लिए तैयार है। कुलपति ने कहा कि प्रदेश का पावन धरती पर ही भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। जिसने विश्व को जीने की राह दिखाई। कुलपति ने अपने संबोधन में वीर बाल दिवस का उल्लेख करते हुए उन बलिदानी वीरों के बलिदान का भी स्मरण कराया। विश्वविद्यालय में गंगा प्रसाद द्वारा उद्घाटित नवनिर्मित छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बेड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास में 315 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है।

इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. एपी शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

गौड़ ब्राह्मण सभा ने नीट, एमबीबीएस, जेआरएफ, आईआईटी में अव्वल रहे बच्चों को किया सम्मानित

विधाओं में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

नारनौल । श्री गौड़ ब्राह्मण सभा द्वार मोहल्ला चौधरियान स्थित गौड़ सभा भवन के सामने कन्या प्राथमिक पाठशाला में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई व महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती एवं विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। वहीं वशिष्ठ अतिथि के रूप में समाजसेवी लालचंद जोशी, पूर्व विधायक सुभाष शर्मा तथा पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम गौड़ सभा में चल रहे शारदा संस्कृत विद्यालय

समारोह में संबोधित करते केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार। संवाद

के छात्रों ने सभी अतिथियों से मां सरस्वती व भगवान परशुराम का पूजन करवाया। इसके बाद सभी अतिथियों ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व मदन मोहन मालवीय की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद अतिथियों द्वारा समाज के करीब एक सौ मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इन मेधावी छात्रों में नीट, एमबीबीएस, जेआरएफ, आईआईटी, टैक्नीकल, खेल, वैज्ञानिक, सीए, लेफ्टिनेंट, सरकारी नौकरी, पार्षद, पत्रकार व समाजसेवी सहित दसवीं व बारहवीं में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि विप्र समाज ने हमेशा समाज को सही दिशा दिखाने का काम किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज समाज में शिक्षा का बड़ा ही अहम योगदान है और हर क्षेत्र में कंपीटिशन पैदा हो गया है इसलिए गौड़ ब्राह्मण सभा ने समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करके उनमें नई उर्जा का संचार किया है। कार्यक्रम को समाजसेवी लालचंद जोशी, पूर्व विधायक सुभाष शर्मा तथा राधेश्याम शर्मा ने भी विचार रखे। प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम के दौरान डॉ. रामनिवास मानव की अध्यक्षता में अनेक कवियों जिनमें दलबीर फूल, प्रमोद वत्स, त्रिलोक फतेहपुरी, जयप्रकाश कौशिक, संजय पाठक तथा डॉ. जितेंद्र भारद्वाज जिन्होंने कुशल मंच संचालन के साथ अपनी कविताएं भी प्रस्तुत की।

गौड़ सभा के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सचिव कृष्ण कुमार, अर्जुनलाल शर्मा, शिवकुमार महता, किशनलाल शर्मा, सुनील गौड़, धीरज शर्मा, मोहित भारद्वाज, अमित पांडे, विपिन शर्मा, इंद्रलाल शर्मा, रामौतार कौशिक, विजय गोस्वामी, अशोक कौशिक, दयाकिशन शांडिल्य, पीड़ी गौड़ व वाईके शर्मा आदि मौजूद रहे।

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण आवश्यक : राज्यपाल गंगा प्रसाद

सिक्किम के महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद ने हकेवि में किया कल्पना चावला महिला छात्रावास का उद्घाटन

कुलपति ने भारत के विकास में युवाओं के योगदान को बताया महत्त्वपूर्ण

भारत सारथी/कौशिक नारनौल। युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है और इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुन: अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रयासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। यह विचार सिक्किम के महामहिम राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने भारत की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. पवन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास के उद्घाटन व जी20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर भारत की ख्याति का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत समूचे विश्व के समक्ष मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जो संकल्प लिया है उसके परिणाम स्वरूप भारत को अपने पुरातन गौरव को पुन: प्राप्त करने का अवसर मिला है। भारत की संस्कृति बेहद प्राचीन है और समय-समय पर भारतीयों ने विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। आज समय भारत को नई शिक्षा नीति के माध्यम से पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने हेतु योगदान देने का है। जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। इसलिए गीता की धरती हरियाणा पर संकल्प लें युवा आगे चढ़ें और विश्व को शांति का संदेश देते हुए भारत निर्माण में सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर श्री गंगा प्रसाद ने सभी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का संकल्प लेने और महापुरुषों के जीवन से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय कुलपति ने गंगा प्रसाद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उनका सदैव कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन-अध्यापन के लिए तैयार है। कुलपति ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाजोपयोगी शोध के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा का पावन धरती पर ही भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। जिसने विश्व को जीने की राह दिखाई।

कुलपति ने अपने संबोधन में वीर बाल दिवस का उल्लेख करते हुए उन बलिदानी वीरों के बलिदान का भी स्मरण कराया। कुलपति ने जी20 सम्मेलन को एक महत्त्वपूर्ण अवसर बताते हुए युवाओं को भारत में डिजिटल डिप्लोमेसी की दिशा में आगे बढ़ने और विश्व स्तर पर योगदान के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में श्री गंगा प्रसाद द्वारा उद्घाटित नवनिर्मित छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास में 315 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि लगभग 20 करोड़ रूपए की लागत से यह छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। छात्रावास में छात्राओं के लिए लिफ्ट, जीम, अतिथि कक्ष आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिक्किम के महामहिम राज्यपाल गंगा प्रसाद का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजन के संयोजक डॉ. राजेश कुमार दुबे ने विश्वविद्यालय कुलपति व इंजीनियरिंग के छात्र अक्षत कांत ने राज्यपाल का परिचय कराया।

कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. ए.पी. शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

कुलपति ने भारत के विकास में युवाओं के योगदान को बताया महत्त्वपूर्ण

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए महिला शिक्षा व सशक्तीकरण आवश्यक : राज्यपाल गंगा प्रसाद

- सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हकेवि में किया कल्पना चावला महिला छात्रावास का उद्घाटन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है और इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुनः अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रयासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। यह विचार सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हकेवि, महेंद्रगढ़ में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने भारत की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित

हकेवि में कल्पना चावला महिला छात्रावास को उद्घाटन करते सिक्किम के राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद। साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. पवन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास के उद्घाटन व जी20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर भारत की ख्याति का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत समूचे विश्व के समक्ष मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जो संकल्प लिया है उसके परिणाम स्वरूप भारत को अपने पुरातन गौरव को पुनः प्राप्त करने का अवसर मिला है। भारत की संस्कृति बेहद प्राचीन है और समय- समय पर भारतीयों ने विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। आज समय भारत को नई शिक्षा नीति के माध्यम से पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने हेतु योगदान देने का है। जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। इसलिए गीता की धरती हरियाणा पर संकल्प लें युवा आगे बढ़ें और विश्व को शांति का संदेश देते हुए भारत निर्माण में सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर गंगा प्रसाद ने सभी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का संकल्प लेने और महापुरुषों के जीवन से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय कुलपति ने गंगा प्रसाद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उनका सदैव कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन-अध्यापन के लिए तैयार है। कुलपति ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाजोपयोगी शोध के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा का पावन धरती पर ही भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। जिसने विश्व को जीने की राह दिखाई। कुलपति ने बताया कि नवनिर्मित छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांग जन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास में 315 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से यह छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। छात्रावास में छात्राओं के लिए लिफ्ट, जीम, अतिथि कक्ष आदि की सुविधा भी उपलब्ध है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजन के संयोजक डॉ. राजेश कुमार दुबे ने विश्वविद्यालय कुलपति व इंजीनियरिंग के छात्र अक्षत कांत ने राज्यपाल का परिचय कराया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. एपी शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

सिक्किम के राज्यपाल ने किया महिला छात्रावास का उद्घाटन

नारनौल, 26 दिसंबर (निस)

युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है। इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुनः अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रयासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। यह विचार सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने भारत की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. पवन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रो.सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. पायल चंदेल आदि उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 27 December 2022
https://epaper.dainiktribun

हकेवि में महिला छात्रावास के उद्घाटन पर सिक्किम के राज्यपाल ने कहा

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए महिला शिक्षा और सशक्तिकरण आवश्यक

लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से यह छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। इसमें छात्रावास लिफ्ट, जिम, अतिथि कक्ष आदि की सुविधा होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। महिला छात्रावास का उद्घाटन करते राज्यपाल। *फोटो: हरिभूमि*

युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है और इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुनः अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रयासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। यह विचार सिक्किम राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने भारत की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास के उद्घाटन व जी-20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर भारत की ख्याति का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत समूचे विश्व के समक्ष मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है। विश्वविद्यालय में गंगा प्रसाद द्वारा उद्घाटित नवनिर्मित छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बेड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास में 315 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से यह छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। छात्रावास में छात्राओं के लिए लिफ्ट, जिम, अतिथि कक्ष आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजन के संयोजक डॉ. राजेश कुमार दुबे ने विश्वविद्यालय कुलपति व इंजीनियरिंग के छात्र अक्षत कांत ने राज्यपाल का परिचय कराया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो.नंद किशोर, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा व डॉ. एपी शर्मा सहित आदि उपस्थित रहे।

Governor of Sikkim Ganga Prasad inaugurated Kalpana Chawla Girl's Hostel at CUH

DEEPTI ARORA
info@impressivetimes.com

ADDRESSING THE PROGRAM ORGANIZED ON THE OCCASION OF THE INAUGURATION OF GIRL'S HOSTEL IN THE UNIVERSITY AND THE G20 CONFERENCE, THE HONORABLE GOVERNOR MENTIONED THE FAME OF INDIA MARCHING ON THE PATH OF DEVELOPMENT UNDER THE LEADERSHIP OF PRIME MINISTER SHRI NARENDRA MODI ..

MAHENDERGARH The young generation is the pride of India and it is only with the resolve of this generation that India can regain its ancient cultural identity. Today's young generation will have to move ahead with determination in realizing the efforts of India building started under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi. These views were expressed by Hon'ble Governor of Sikkim Shri Ganga Prasad on the occasion of inauguration of Kalpana Chawla Girls's Hostel at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Mentioning India's daughter Kalpana Chawla, he said that Haryana's daughter Kalpana Chawla has proved that the role of women is important in making India a world guru and for this we have to lay special emphasis on women's education and empowerment. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar and on this occasion the Registrar of the University Prof. Sunil Kumar, along with Prof. Sunita Srivastava and member of the Executive Council of the University Prof. Pawan Sharma were prominently present. Addressing the program organized on the occasion of the inauguration of girl's hostel in the University and the G20 conference, the Honorable Governor mentioned the fame of India marching on the path of development under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi and said that today .

कल्पना चावला महिला छात्रावास का उद्घाटन

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण आवश्यक: गंगा प्रसाद

- कुलपति ने भारत के विकास में युवाओं के योगदान को बताया महत्वपूर्ण

महेंद्रगढ़, 26 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है और इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुन: अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रयासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा।

यह विचार सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए।

उन्होंने भारत की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा।

विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास के उद्घाटन व जी-20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर भारत की ख्याति का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत समूचे विश्व के समक्ष मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है।

प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जो संकल्प लिया है उसके परिणाम स्वरूप भारत को अपने पुरातन गौरव को पुन: प्राप्त करने का अवसर मिला है। भारत की संस्कृति बेहद प्राचीन है और समय-समय पर भारतीयों ने विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

आज समय भारत को नई शिक्षा नीति के माध्यम से पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने हेतु योगदान देने का है। गीता की धरती हरियाणा पर संकल्प ले युवा आगे बढ़ें और विश्व को शांति का संदेश देते हुए भारत निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद व (दाएं) राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

युवाओं को डिजिटल डिप्लोमेसी की दिशा में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

कुलपति ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाजोपयोगी शोध के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने वीर बाल दिवस का उल्लेख करते हुए उन बलिदानी वीरों के बलिदान का भी स्मरण करवाया। कुलपति ने जी-20 सम्मेलन को एक महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए युवाओं को भारत में डिजिटल डिप्लोमेसी की दिशा में आगे बढ़ने और विश्व स्तर पर योगदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से यह छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। छात्रावास में छात्राओं के लिए लिफ्ट, जिम, अतिथि कक्ष आदि की सुविधा भी उपलब्ध है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राज्यपाल गंगा प्रसाद का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजन के संयोजक डॉ. राजेश कुमार दुबे ने विश्वविद्यालय कुलपति व इंजीनियरिंग के छात्र अक्षत कांत ने राज्यपाल का परिचय करवाया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. पायल चंदेल आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि

ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट केंद्रित कार्यशाला का किया आयोजन

ट्रांसजेंडर को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किया जाए प्रयास

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) के सहयोग से ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ऑनलाइन माध्यम से किया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एनआईएसडी के संजय पंवार उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न

विशेषज्ञ साई बौरोथु को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

भ्रांतियों का उल्लेख करते हुए उनके निवारण पर जोर दिया और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की बात कही। एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट 2019 पर प्रकाश डालते हुए इसमें वर्णित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से ध्यानाकर्षित किया। एनआईएसडी प्रतिनिधि संजय पवार ने एनआईएसडी की भूमिका और यह कैसे सामाजिक रक्षा के लिए काम करता है, के विषय में प्रतिभागियों को बताया।

समाजशास्त्र विभाग के एमए के विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में इतिहास और पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लांग्कोई, डॉ. युद्धवीर, डॉ. रीमा गिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विवि का अमरदीप देगा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति को सलामी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को सलामी देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमरदीप कुमार के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद हकेविसि के बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र अमरदीप कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप कुमार के पिता अजय कुमार ने कहा कि वह अपने परिवार का पहला व्यक्ति है जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अमरदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल होना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। हकेंवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप, डॉ. रेणु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. अजय पाल शर्मा ने अमरदीप कुमार की सराहना की। संवाद

अमरदीप कुमार।

हकेवि का छात्र देगा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति को सलामी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमरदीप कुमार के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद हकेवि के बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र अमरदीप कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

अमरदीप कुमार के पिता अजय कुमार ने अमरदीप की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने परिवार का पहला व्यक्ति है, जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अमरदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल होना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। हकेवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप, डॉ. रेणु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. आनंद शर्मा, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अजय पाल शर्मा ने अमरदीप कुमार की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

हकेवि में ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट केंद्रित कार्यशाला आयोजित, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न भ्रांतियों का किया उल्लेख

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) के सहयोग से ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ऑनलाइन माध्यम से किया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एनआईएसडी के संजय पंवार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न भ्रांतियों का उल्लेख करते हुए उनके निवारण पर जोर दिया और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की बात कही।

एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट 2019 पर प्रकाश डालते हुए इसमें वर्णित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से ध्यानाकर्षित किया। एनआईएसडी प्रतिनिधि संजय पवार ने एनआईएसडी की भूमिका और यह कैसे सामाजिक रक्षा के लिए काम करता है, के विषय में प्रतिभागियों को बताया। समाजशास्त्र विभाग की रिसर्च फेलो कश्मीरा खानम ने उद्घाटन सत्र में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और लिंग-तटस्थ उच्चारण के महत्व पर एक संक्षिप्त नोट भी प्रस्तुत किया। आयोजन के दूसरे तकनीकी सत्र का संचालन नजरिया फाउंडेशन के कार्यक्रम समन्वयक जायन ने किया। उन्होंने स्वयं के उदाहरण से सत्र की शुरुआत की। उन्होंने ब्रिटिश काल के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की स्थिति को इंगित किया। इसी क्रम में साई स्टॉप किलर रोबोट्स में रिसर्चर ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कानूनी इतिहास पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के लिए कोई स्वर्ण युग नहीं है। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने अपील की कि समाज में सबके लिए एक समान व्यवस्था होनी चाहिए। समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य तन्वर भाटी ने भी अपने विचार रखे। समाजशास्त्र विभाग के एम.ए. के विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में इतिहास और पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लांग्कोई, डॉ. युद्धवीर, डॉ. रीमा गिल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 180 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में विशेषज्ञ साई बौरोथु को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि में विद्यार्थियों के लिए कानूनी जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय, स्थानीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियां के लिए मंगलवार को विशेष कानूनी जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त सचिव ए. अशोली चेलाई व विशिष्ट अतिथि के रूप एडीसी वैशाली सिंह उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए इस तरह के आयोजन बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित एडीसी वैशाली सिंह ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे लड़कियों के लिए शिक्षा ऋण, किशोरी शक्ति योजना, वन स्टॉप सेंटर और महिला अधिकारों की जानकारी दी। इसी क्रम में अधिवक्ता पवन तंवर ने महिलाओं को दी जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के विधि विभाग के डॉ. प्रदीप सिंह ने महिलाओं से संबंधित विभिन्न ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख करते हुए महिला अधिकारों व उससे जुड़ी कानूनी प्रक्रिया का उल्लेख किया। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव से कार्यक्रम की शुरूआत में इस आयोजन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्वाति ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गौरव व प्रो. नंद किशोर सहित विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित थे।

हकेंवि का छात्र देगा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति को सलामी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति माननीया द्रौपदी मुर्मु को सलामी देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमरदीप कुमार के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। गणंतत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद हकेंवि के बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र अमरदीप कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप कुमार के पिता अजय कुमार ने अमरदीप की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने परिवार का पहला व्यक्ति है जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अमरदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल होना स्वयंसेवक का सपना होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। हकेंवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रदीप, डा. रेणु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. आनंद शर्मा, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अजय पाल शर्मा ने अमरदीप कुमार की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

स्वयं सेवक अमरदीप ● सौ. हकेंवि

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्वयंसेवक अमरदीप कुमार गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित

ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट केंद्रित कार्यशाला

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) के सहयोग से ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ एनआईएसडी के निदेशक डा. आर गिरि राज ने आनलाइन माध्यम से किया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एनआईएसडी के संजय पंवार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न भ्रांतियों का उल्लेख करते हुए उनके निवारण पर जोर दिया और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की बात कही।

एनआईएसडी के निदेशक डा. आर गिरि राज ने ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट 2019 पर प्रकाश डालते हुए इसमें वर्णित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से ध्यानाकर्षित किया। एनआईएसडी प्रतिनिधि संजय पवार ने एनआईएसडी की भूमिका और यह कैसे सामाजिक रक्षा के लिए काम करता है, के विषय में प्रतिभागियों को बताया। समाजशास्त्र विभाग की रिसर्च फेलो कश्मीरा खानम ने उद्घाटन सत्र में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और लिंग-तटस्थ उच्चारण के महत्व पर एक संक्षिप्त नोट भी प्रस्तुत किया। आयोजन के दूसरे तकनीकी सत्र का संचालन नजरिया फाउंडेशन के कार्यक्रम समन्वयक जायन ने किया। उन्होंने स्वयं के उदाहरण से सत्र की शुरुआत की। उन्होंने ब्रिटिश काल के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की स्थिति को इंगित किया। उन्होंने अधिनियम के लागू होने के बाद भी समाज में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की स्थिति पर चर्चा की। ज़ायन ने ट्रांसजेंडर एक्ट 2019 के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक पहलुओं और ट्रांसजेंडर की परिभाषा पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि नीति-निर्माण में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शामिल करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में सुश्री साई स्टाप किलर रोबोट्स में रिसर्चर ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कानूनी इतिहास पर चर्चा की। उन्होंने ने यह भी बताया कि एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के लिए कोई स्वर्ण युग नहीं है। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने अपील की कि समाज में सबके लिए एक समान व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें सब मिलजुल कर अपना जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता की भावना जगाने की भी अपील की। कार्यशाला में स्वागत भाषण समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य सुश्री तन्वर भाटी ने दिया। कार्यक्रम के अंत में समाजशास्त्र विभाग के एमए के विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहायक आचार्य डा. टी. लांग्कोई, डा. युद्धवीर, डा. रीमा गिल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

******

हरियाणा का छात्र राष्ट्रपति को देगा सलामी

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद हकेंवि के बीटेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र अमरदीप कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। हकेंवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप, डॉ. रेणु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय पाल शर्मा ने अमरदीप कुमार कि इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

हकेंवि, महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अमरदीप कुमार। -निस

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 28 December 2022
https://epaper.dainiktribun

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
28 Dec 2022

हकेंवि का छात्र देगा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति को सलामी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमरदीप कुमार के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

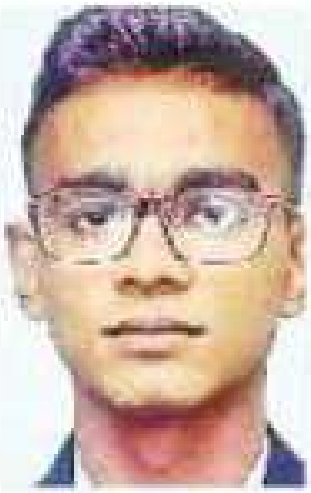

विवि की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। गणंतत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। हकेंवि के बीटेक इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र अमरदीप कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

पंजाब केसरी
WED,28 DECEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

ह.कें.वि. का छात्र गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति को देगा सलामी

■ राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयंसेवक अमरदीप कुमार गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित

महेंद्रगढ़, 27 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति माननीय द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमरदीप कुमार के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है।

स्वयं सेवक अमरदीप।

अमरदीप कुमार के पिता अजय कुमार ने अमरदीप की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने परिवार का पहला व्यक्ति है जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अमरदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल होने को लेकर उसे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता-पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। ह.कें.वि. एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप, डॉ. रेणु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. आनंद शर्मा, उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अजय पाल शर्मा ने अमरदीप कुमार की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं।

पंजाब केसरी
WED,28 DECEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

नीति-निर्माण में ट्रांसजैंडर व्यक्तियों को शामिल करने की आवश्यकता : कश्मीरा खानम

■ ह.कें.वि. में ट्रांसजैंडर पर्सन्स एक्ट केंद्रित कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 27 दिसम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफैंस (एन.आई.एस.डी.) के सहयोग से ट्रांसजैंडर पर्सन्स एक्ट पर केंद्रित एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ एन.आई.एस.डी. के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ऑनलाइन माध्यम से किया।

कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एन.आई.एस.डी. के संजय पंवार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस दौरान संबोधित करते हुए ट्रांसजैंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न भ्रांतियों का उल्लेख करते हुए उनके निवारण पर जोर दिया और ट्रांसजैंडर्स को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की बात कही।

कार्यशाला में विशेषज्ञ साई बौरोथु को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

डॉ. आर. गिरि राज ने ट्रांसजैंडर पर्सन्स एक्ट 2019 पर प्रकाश डालते हुए इसमें वर्णित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से ध्यानाकर्षित किया। वहीं संजय पवार ने एन.आई.एस.डी. की भूमिका और यह कैसे सामाजिक रक्षा के लिए काम करता है, के विषय में प्रतिभागियों को बताया।

समाजशास्त्र विभाग की रिसर्च फैलो कश्मीरा खानम ने कहा कि नीति-निर्माण में ट्रांसजैंडर व्यक्तियों को शामिल करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में सुश्री साई स्टॉप किलर रोबोट्स में रिसर्चर ने ट्रांसजैंडर व्यक्तियों के कानूनी इतिहास पर चर्चा की।

उन्होंने बताया कि एक ट्रांसजैंडर व्यक्ति के लिए कोई स्वर्ण युग नहीं है। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने अपील की कि समाज में सबके लिए एक समान व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें सब मिलजुल कर अपना जीवन व्यतीत कर सकें। कार्यक्रम के अंत में समाजशास्त्र विभाग के एम.ए. के विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लांग्कोई, डॉ. युद्धवीर, डॉ. रीमा गिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हैप्पीनेस इज मोर इंपॉर्टेंट देन सक्सेस विषय पर आधारित इस वाद-विवाद प्रतियोगिता को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों की तार्किक बुद्धि के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। प्रतियोगिता में हिंदी विभाग में सह-आचार्य डॉ. कामराज सिंधु, राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार व अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. अमरदीप ने निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कामराज सिंधु ने बताया कि प्रसन्नता और सफलता के लिए व्यक्ति के मन में विश्वास होना चाहिए। उन्होंने बताया कि कैसे स्वामी विवेकानंद, शहीद ए आजम भगत सिंह और दशरथ मांझी जैसे महापुरुषों ने विश्वास के बूते पर सफलता हासिल की। डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि व्यक्ति में जुनून और विश्वास होना चाहिए और उसे कभी भी झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम की संयोजक व वाणिज्य विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रविंद्र कौर ने इस प्रतियोगिता को टीम भावना को प्रोत्साहित करने वाली बताते हुए कहा कि इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की आठ टीमों ने अपना ज्ञान प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में विधि विभाग के आयशा और उत्कर्ष ने प्रथम, शिक्षा विभाग के राजन और रुपेश ने द्वितीय तथा वाणिज्य विभाग के राहिल और मनुरंजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेताओं का नकद पुरस्कार व सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थी संगीता, मोहित, भावना, मनीषा, अनु, प्रेरणा, काजल, समी एवं विद्यार्थियों ने किया। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और विद्यार्थियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विभाग के सभी शोधार्थी विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में आयशा और उत्कर्ष रहे प्रथम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के वाणिज्य विभाग द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हैप्पीनेस इज मोर इंपॉर्टेंट देन सक्सेस विषय पर आधारित प्रतियोगिता को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों की तार्किक बुद्धि के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

प्रतियोगिता में हिंदी विभाग में सह. आचार्य डॉ. कामराज सिंधु, राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार व अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. अमरदीप ने निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. कामराज सिंधु ने बताया कि प्रसन्नता और सफलता के लिए व्यक्ति के मन में विश्वास होना चाहिए। डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि व्यक्ति में जुनून और विश्वास होना चाहिए और उसे कभी भी झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम की संयोजक व वाणिज्य विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रविंद्र कौर ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की आठ टीमों ने अपना ज्ञान प्रदर्शित किया।

'प्रतियोगिता विद्यार्थियों की तार्किक बुद्धि के विकास के लिए महत्वपूर्ण'

प्रतियोगिता में विधि विभाग के आयशा और उत्कर्ष ने प्रथम, शिक्षा विभाग के राजन और रुपेश ने द्वितीय तथा वाणिज्य विभाग के राहिल और मनुरंजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेताओं का नकद पुरस्कार व सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थी संगीता, मोहित, भावना, मनीषा, अनु, प्रेरणा, काजल, समी एवं विद्यार्थियों ने किया।

सफलता से खुशी ज्यादा महत्वपूर्ण विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हैप्पीनेस इज मोर इंपार्टेंट देन सक्सेस विषय पर आधारित इस वाद-विवाद प्रतियोगिता को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों की तार्किक बुद्धि के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। प्रतियोगिता में हिंदी विभाग में सह-आचार्य डा. कामराज सिंधु, राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार व अर्थशास्त्र विभाग के डा. अमरदीप ने निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. कामराज सिंधु ने बताया कि प्रसन्नता और सफलता के लिए व्यक्ति के मन में विश्वास होना चाहिए। उन्होंने बताया कि कैसे स्वामी विवेकानंद, शहीद ए आजम भगत सिंह और दशरथ मांझी जैसे महापुरुषों ने विश्वास के बूते पर सफलता हासिल की। डा. रमेश कुमार ने बताया कि व्यक्ति में जुनून और विश्वास होना चाहिए और उसे कभी भी झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए।

वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेता निर्णायक मंडल व शिक्षकों के साथ● सौ. हकेवि प्रवक्ता

इस मौके पर कार्यक्रम की संयोजक व वाणिज्य विभाग में सहायक आचार्य डा. रविंद्र कौर ने इस प्रतियोगिता को टीम भावना को प्रोत्साहित करने वाली बताया। प्रतियोगिता में विधि विभाग के आयशा और उत्कर्ष ने प्रथम, शिक्षा विभाग के राजन और रुपेश ने द्वितीय तथा वाणिज्य विभाग के राहिल और मनुरंजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेताओं का नकद पुरस्कार व सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थी संगीता, मोहित, भावना, मनीषा, अनु, प्रेरणा, काजल, समी एवं विद्यार्थियों ने किया। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और विद्यार्थियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

ट्रांसजेंडर को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किया जाए प्रयास

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) के सहयोग से ट्रांसजेंडर पर्सन एक्ट पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ऑनलाइन माध्यम से किया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एनआईएसडी के संजय पंवार उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न

विशेषज्ञ साई बौरोथु को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

भ्रांतियों का उल्लेख करते हुए उनके निवारण पर जोर दिया और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की बात कही। एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट 2019 पर प्रकाश डालते हुए इसमें वर्णित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से ध्यानाकर्षित किया। एनआईएसडी प्रतिनिधि संजय पवार ने एनआईएसडी की भूमिका और यह कैसे सामाजिक रक्षा के लिए काम करता है, के विषय में प्रतिभागियों को बताया।

समाजशास्त्र विभाग के एमए के विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में इतिहास और पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लांग्कोई, डॉ. युद्धवीर, डॉ. रीमा गिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विवि का अमरदीप देगा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति को सलामी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को सलामी देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमरदीप कुमार के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड,

अमरदीप कुमार।

शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद हकेविसि के बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र अमरदीप कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप कुमार के पिता अजय कुमार ने कहा कि वह अपने परिवार का पहला व्यक्ति है जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अमरदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल होना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। हकेंवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप, डॉ. रेणु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. अजय पाल शर्मा ने अमरदीप कुमार की सराहना की। संवाद

हकेवि में विद्यार्थियों के लिए कानूनी जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय, स्थानीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियां के लिए मंगलवार को विशेष कानूनी जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त सचिव ए. अशोली चेलाई व विशिष्ट अतिथि के रूप एडीसी वैशाली सिंह उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए इस तरह के आयोजन बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित एडीसी वैशाली सिंह ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे लड़कियों के लिए शिक्षा ऋण, किशोरी शक्ति योजना, वन स्टॉप सेंटर और महिला अधिकारों की जानकारी दी। इसी क्रम में अधिवक्ता पवन तंवर ने महिलाओं को दी जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के विधि विभाग के डॉ. प्रदीप सिंह ने महिलाओं से संबंधित विभिन्न ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख करते हुए महिला अधिकारों व उससे जुड़ी कानूनी प्रक्रिया का उल्लेख किया। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव से कार्यक्रम की शुरूआत में इस आयोजन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्वाति ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गौरव व प्रो. नंद किशोर सहित विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित थे।

हकेवि का छात्र देगा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति को सलामी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अमरदीप का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। अमरदीप गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमरदीप कुमार के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अमरदीप कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद हकेवि के बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के छात्र अमरदीप कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

अमरदीप कुमार के पिता अजय कुमार ने अमरदीप की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने परिवार का पहला व्यक्ति है, जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अमरदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल होना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। हकेवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप, डॉ. रेणु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. आनंद शर्मा, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अजय पाल शर्मा ने अमरदीप कुमार की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

हकेवि में ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट केंद्रित कार्यशाला आयोजित, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न भ्रांतियों का किया उल्लेख

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) के सहयोग से ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ऑनलाइन माध्यम से किया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एनआईएसडी के संजय पंवार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न भ्रांतियों का उल्लेख करते हुए उनके निवारण पर जोर दिया और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की बात कही।

एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट 2019 पर प्रकाश डालते हुए इसमें वर्णित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से ध्यानाकर्षित किया। एनआईएसडी प्रतिनिधि संजय पवार ने एनआईएसडी की भूमिका और यह कैसे सामाजिक रक्षा के लिए काम करता है, के विषय में प्रतिभागियों को बताया। समाजशास्त्र विभाग की रिसर्च फेलो कश्मीरा खानम ने उद्घाटन सत्र में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और लिंग-तटस्थ उच्चारण के महत्व पर एक संक्षिप्त नोट भी प्रस्तुत किया। आयोजन के दूसरे तकनीकी सत्र का संचालन नजरिया फाउंडेशन के कार्यक्रम समन्वयक जायन ने किया। उन्होंने स्वयं के उदाहरण से सत्र की शुरुआत की। उन्होंने ब्रिटिश काल के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की स्थिति को इंगित किया। इसी क्रम में साई स्टॉप किलर रोबोट्स में रिसर्चर ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कानूनी इतिहास पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के लिए कोई स्वर्ण युग नहीं है। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने अपील की कि समाज में सबके लिए एक समान व्यवस्था होनी चाहिए। समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य तन्वर भाटी ने भी अपने विचार रखे। समाजशास्त्र विभाग के एम.ए. के विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में इतिहास और पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लांग्कोई, डॉ. युद्धवीर, डॉ. रीमा गिल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 180 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में विशेषज्ञ साई बौरोथु को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ भास्कर 28-12-2022

दैनिक भास्कर Presents

Jalsa

इंटर स्कूल डांस कम्पटीशन

दैनिक भास्कर द्वारा एसडी स्कूल ककराला में आयोजित हुआ जलसा 2022-23

इंटर स्कूल डांस कम्पटीशन में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने मचाया धमाल तथा क्षेत्र गणमान्य लोगो का किया गया सम्मान

दैनिक भास्कर परिवार, एसडी स्कूल एवं अतिथियों द्वारा कनीना ब्लॉक के सरपंचो, सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाजसेवी व अन्य गणमान्य लोगो को मोमेन्टो व प्रंशसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए